हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1992

खण्ड–1, अंक–2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 10 मार्च, 1992

पृश्ठ संख्या

ताराकित प्र ान एवम उतर	(2)1
अताराकित प्र ान उतर	(2)26
स्थगन प्रस्ताव एस0वाई0एल0 नहर के निर्माण आदि संबधी	(2)28
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव	
जिला भिवानी मे खसरा तथा मोतीझरा निकलने संबधी	(2)35
बैठक का निलम्बन	(2)36
वक आउटस	(2)40
सदस्यो का नाम लेना/सदस्यो का निलम्बन/बैठक का निलम्बन	(2)42
जनता पार्टी के सदस्यो को सदन से बाहर ले जाने संबधी मामला	(2)47
वक्तव्य	

स्वास्थय मंत्री द्वारा जिला भिवानी के खसरा तथा मोतीझरा निकलने संबधी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पर	(2)48
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(2)52
बैठक का समय बढाना	(2)60
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)61
बैठक का समय बढाना	(2)78
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)78
बैठक का समय बढाना	(2)80
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(2)80

हरियाणा विधान सभा

मगलवार , 10 मार्च, 1992

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई ावर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र ान एवम उतर

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, अब सवाल होगे।

Upgradation of the PHC, Janti Kalan

*__151 Shri Jai Pal Singh:__ Wll the Minister for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Primary Health Centre, Janti Kalan; if so, the time by which it is likely to be upgraded?

Health Minister (Bahin Kartar Devi): No.

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, मै आपकें माध्ययम से हैल्थ मिनिस्टर से जानना चाहता हू कि प्राईमरी हैल्थ सैन्टर को अपग्रेड करने का सरकार का क्या आइटेरिया है?

बहिन करताद देवीः स्पीकर साहब, इसके लिए एक राश्ट्रीय नीति है और उस नीति के अनुसार पांच हजार की आबादी के ऊपर एक सब सैन्टर हैल्थ खोलते है। तीस हजार की आबादी पर एक एच0सी0 खोलते है और इस नार्म के मुताबिक अब तक

हरियाणा मे 394 प्राईमरी हैल्थ सैन्टर्ज खोल चुके हैं इनको सी0एच0सी0 अपग्रेड करके का प्रस्ताव है और अब तक 41 अपग्रेड कर चुके है। स्पीकर साहब, हर साल आठ सी0एच0सी0 अपग्रेड करने का सरकार का विचार है। जहां तक जांटी कंला का ताल्लुक है वहा पर पी0एच0सी0 नही है। वहा पर सब सैन्टर हैल्थ है।

श्री जयपाल सिहः स्पीकर साहब, वहा पर कोई प्राईमरी हैल्थ सैन्टर और अस्पताल नही है। वहा पर बिल्डिग दस साल से बनी हुई है लेकिन वहा पर कुछ भी नही है। उस बिल्डिग मे गधे और कुते सारे दिन घुमते रहते है। वहां पर कोई न डाक्टर है और न दूसरा स्टाफ है। वह बिल्डिग भी खत्म होने जा रही है। सारी व्यवस्था खराब हो चुकी है। स्पीकर साहब, वहां पर दस गांव है जो दिल्ली और उत्त्र प्रदे ा से लगते है लेकिन वहा पर कोई अस्पताल नही है। वहा पर हैल्थ सैन्टर है जो कि पिछले दस सालो से है उसकी भी हालत खराब है। वहा पर ड्रैन नम्बर आठ पडती है इसलिये जाने का कोई रास्ता नही है। यह गांव पचास साठ हजार की आबादी वाला गावं है। क्या मंत्री महोदया सही कारगुजारी करके वहा पर कोई अस्पताल खोलने का विचार करेगी जिससे कि पचास साठ हजार की आबादी को कुछ राहत मिल सके?

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, पिछले सालो का हिसाब किताब तो वे अपने साथियो से पूछे या अपने मन को टटोले कि पिछले सालो मे क्यों काम नही हुआ। मै इनकी

जानकारी के लिए बताना चाहती हूं कि बडखालसा जो जांटी कलां से छ सात किलोमीटर दूर है वहा पर पी0एच0सी0 थोडे दिन हुए खोली है।

श्री जयपाल सिहः स्पीकर साहब, ड्रैन नम्बर आठ हमारे रास्ते के बीच मे पडती है। इन्होने बडखालसा का नाम लिया लेकिन हमारे यहां से जाना बडा कठिन होता है और वहां पर दो बिस्तर भी नही है और न कोई सुविणा है और न ही डाक्टर और नर्स है।

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, यहा पर पूरा स्टाफ है । वहा पर डाक्टर है, नर्स है और दूसरा स्टाफ है। मुख्यमंत्री जी आपने हाथ से उसको इनऔगरेट करके आए है। माननीय सदस्य वहा पर जाकर देखे। जो कुछ नार्म है उसके मुताबिक पूरा स्टाफ वहा पर है।

प्रौ0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, जयपाल सिंह आर्य ने बताया है कि वहां पर बिल्डिग बने हुए दसा साल हो गए है और कुछ जानवरो का नाम लिया कि वे वहां फिरते रहते है। बिल्डिग बनने के बावदूद वहां पर पी0एच0सी0 नही है और लोगो को का

फी असुविधा है। क्या मंत्री महोदया बताने की कृपा करेगे कि पी0एच0सी0 के साथ साथ क्या वहा पर कोई प ा अस्पताल भी बनेगा? दूसरी बात यह है कि कई प्राईमरी हैल्थ सैल्टर या सब सैन्टर हैल्थ काफी सालो से चले रहे है और वे प्राईवट

बिल्डिग्ज मे चले रहे है। उनकी अपनी कोई बिल्डिग नही है और वे किराए की बिल्डिग्ज मे चल रहे है। मै पूछना चाहता हू कि क्या ऐसी जगहो पर प्रायरिटी देकर बिल्डिग्ज बनाने पर विचार किया जाएगा ?

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, मैने पहले ही बताया कि जांटी कला वाली बिल्डिग पी0एच0सी0 की नही है वह सब सैन्टर लैवल की है। उसमे हमारे दो कार्यकर्ता रहते है। एक ए0एन0एस0 परमानैन्टली वहा पर रहती है हो सकता है कि गांव से बाहर होने की वजह से उसको हमने ग्राम पचायत की जगह, गाव मे ले कर के दे रखी है। जहा तक पी0एच0सी0 की मुरम्मत करवाने का सवाल है, इस बारे मे हमारे पास पूरी इफर्मे ान है। बहुत सारी जगहो पर हम नई बिल्डिग्ज बनाने जा रहे है जिस पर काम चालू है लेकिन मै एक बात चाहती हू कि पिछले चार सालो मे जो बिल्डिग जंहा पर स्थिति मे पडी थी, वह वही की वही पडी हुई है एक ईट भी वहा पर नही लगाई गई लेकिन अब दोबारा सभी के ऊपर काम चालू है। जो पुरानी बिल्डिग है, चाहे पचायतो ने भी दी हो, अनसेफ है उन सभी की हमारी सरकार दवारा जनता की भलाई के लिए मुरम्मत बगैरह करवाई जा रही है। धन की अवेलेबिलिटी को देखते हुए जहा जहा सब से पहले जरूरत है वहा वहा पर नई बिल्डिगे बनाई जाएगी और पुरानी जो अनसेफ बिल्डिग्ज है उनकी मुरम्मत करवाई जाएगी।

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मत्री महोदय ने पुरानी बिल्डिग्ज की मुरम्मत करने वा पुरानी बिल्डिग्ज की जगह पर नई बिल्डिग्ज बनाने के बारे मे और कई जगह पर पी0एच0सी0 को अपग्रेड करने की बात कही है। पिछले दिनो बहिन जी रादौर मे गई थी उन्होने कहा कि वहा पर पिछले 10–15 सालो मे 30 बैडज का हस्पताल चल रहा है लेकिन उस हस्पताल मे केवल 10 बैडज है। जंहा मुख्यमंत्री महोदय अनाडस करके आए हो और सम्बन्धित मंत्री महोदया ने भी अनाउस किया हो वहा की अगर यह हालत हो कि केवल कागजो मे ही 30 बैडज का हस्पताल है तो बाकी जगह की क्या हालत होगी। वास्तव मे 10 बैडज वहा पर है तो मै इनसे यह जानना चाहता हू कि कब तक वह हस्पताल सही मायनो मे 30 बैडज का हो जाएगा ?

बहिन करतार देवीः अध्यक्ष महोदय, 30 बैडज का हस्पताल करके हमने वि ोश सुविधाए वहा पर उपलब्ध करवाई है और माननीय सदस्य को यह पता है कि अभी वहा पर वि ोश सुविधाए प्रदान करके तीन चार स्पै ाल डाक्टर्ज लगाए हुए है ताकि लोगो को सिकी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए। माननीय सदस्य बैडज की कमी की बात कर रहे है। इस बारे मे अगले दिन ही आदे ा दे दिये गये थे। बैडज जल्दी ही वहा पर पहुचा दिये जाएगें जहा तक स्टाफ का सम्बन्ध है नार्मज के अनुसार पूरा स्टाफ भी वहा पर पहुचा दिया गया है।

Construction of Roads

***127 Shri Ram Kumar Katwal:** Will the Chief Minister be pleased to State-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a metalled road from village Pegan to Village Katwal in Rajaund constituency: and

(b) If so, the time by which the aforesaid road is likely to be constructed?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) ऐसा कोई प्रस्ताव नही है क्योकि दोनो की गावं सडक से जुडे हुए है।

(ख) प्र न ही नही उठता।

श्री राजकुमार कटवाला: अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने अपने उतर मे कहा कि राजौद निर्वाचन क्षेत्र मे गांव पेंगा से गाव कटवाल तक पक्की सडक के निर्माण का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है क्योकि दोनेा की गाव सडक से जुडे हुए है। मे आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि इस रोडज पर मिटटी पडी हुई है कही कुछ रोडे बगैरह भी पडे है लेकिन सडक पर काम बिल्कुल बन्द है। क्या सरकार प्रायरिटी बेसिज पर इन गावो की सडको को बनाने का विचार रखती है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी बताया कि वह दोनेा गाव सडको से जुडे हुए है और इस समय इन दोनो गाव का आपस मे मिलाने वाली पक्की सडक के निर्माण का कोई प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है? ये दोहरी सडके है। जिन सडको की मुरम्मत होने अनिवार्य है हम चाहेगे कि उनको हम पहले प्रायरिटी देगे। अगले साल जैस कि माननीय सदस्य कर रहे है अगर सरकार ने जरूरी समझा तो देख लेगे।

श्री धीरपाल सिहः अध्यक्ष महादेय, हमारे साथी कटवाल साहब का कहने का मतलब यह है कि हल्के मे जो गाव पेंगा से गाव कटवाल तक पक्की सडक का निमार्ण होना है उस मिट्टी पड चुकी है पत्थर वगैरह का काम भी हउो चुका है। क्या सरकार उसको प्रयारिटी बेसिज पर जल्दी बनवाने का प्रयास करेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनकों बतना चाहता हू कि जिन सडको पर अर्थ वर्क हो चुका है रोडी वगैरह या पत्थर गिर चुके है उन सडको को पहल देगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, बहुत सारी सडके ऐसी पडी है जा पर कि केवल मिटटी और पत्थर वगैरहा ही डले है और तारकोल वगैरहा का कोई काम नही हुआ है। क्या सरकार ऐसी सडको को जल्दी की कम्पलीट करवाने का विचार रखती है ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने ऐसा सवाल किया मै इसका क्या जवाब दू। फिर भी मै बहन जी को बताना चाहता हू कि जब कोई सडक टूट जाती है तो सब से पहले उस पर मिटटी डलती है। बाद मे रोडी डलती है और फिर उसके बाद मैटलिंग का कार्य होता है।

श्रीमतही चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, सडके तेा बनी हुई है केवल मिटटी और पत्थर ही डले है और कुछ है तारकोल वगैरह कुछ भी नही है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सडक अगर बन चुकी है तो मिटटी रोडी डालने का सवाल ही पैदा नही होता। मिटटी और रोंडी वहा पर पडेगी जंहा पर सडक टूट गई होगी। लैवल अगर नीचे हो गया होगा तो उस पर मिटटी और रोडी डालकर लैवल ऊंचा किया जाता है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहती हू कि क्या यह तथ्य है कि सडको पर केवल मिटटी और पत्थर ही डाले जाते है और तारकोल नही डाला जाता है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहिन जी बहुत पुरानी मैम्बर है। ये मंत्री भी रह चुकी है और गवर्नर भी रह चुकी है। अगर हम सडको पर तारकोल नही डालते तो इनकी कार सडक पर नही चल सकती थी।

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, हरियाणा मे कई जगहो पर रोडज बीच मे बननी रहती है। जैसे खानकपुर रतेरा सडक है। इसका चार किलोमीटर का टुकडा तो बन यगा है लेकिन दो किलोमीटर का टुकडा बनना बाकी रहता है। इस वजह से जो चार किलोमीटर सडक बनी हुई है वहा भी इस्तेमाल नही हो रही है। मै जानता हू कि दोक किलोमीटर का टुकडा कब तक बन जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ऐसे कामो को हम टाप प्रायरिटी बेसिज पर पूरा करेगे। इस साल हमने ऐसे 36 गैप्स पूर किए है और जो बाकी रहते है उनको अगले साल पूरा कर देगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, कई सडके कई वर्शा से खराब पडी हैं। महकमा बरसात का बहाना बना कर कह देता है कि बरसात मे सडक तारकोल नही पकडती है। क्या ऐसी सडको को प्रयरिटी देकर पूर करवाएगे ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने वहा कि सालो से खराब पडी है चार साल तक चौधरी देवी लाल का राज रहा और उसमे ये कर्ताधर्ता और सर्वा थे। इन्होने ऐसी सडके अपने राज मे क्यो नही बनाई। अब हम ऐसी सडको को पहल देगे और अप्रैल, 1992 से 31 मार्च, 1993 तक बारी सडके जो बीच मे पडी है, को पूरा कर देगे।

सरदार जसविन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै मुख्यमंत्री जी ने जानना चाहूगा कि जिन जिन गावो से हाई स्कूल है और वे गांव पक्की सडको से जुडे हुए नही है क्या उनके लिये कोई प्रावधान है कि उनको प्रायरिटी देकर पक्की सडको से जोडा जाएगा ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैम्बर साहब ने बहुत अच्छा सवाल पूछा है। हमने फैसला लिया है कि सारे हाई स्कूल दस जमा दो के स्कूल मिडिल और प्राईमरी स्कूल धार्मिक सस्थाए चाहे वह मन्दिर है, या गुरूदवारा है इन सब को अगले साल पक्की सडको से जोडेगे।

Accommodation available in Jail at Palwal

***181- Shri Karan singh Dalal:** Will the Minister of State for Jails be pleased to state-

(a) the numer of persons who can be accommodated in Palwal Jail;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to extend the building of aforesaid Jail to accommodate more prisoners therin; if so, the time by which it is likely to be extended; and

(c) whether the Government intends to construct a new Jail in District Faridabad; if so, the location thereof ?

जेल राज्य मंत्री (कैप्टन अजय सिह यादव):

(क) 40।

(ख) नही श्रीमान जी।

(ग) हा श्रीमान जी, भाहरी विकास प्राधिकरण हरियाणा मे उचित भूमि प्राप्त करने हेतू प्रयत्न किये जा रहे है।

श्री कर्ण सिह दलालः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी के नोटिस मे यह बात है कि पलवल की जेल से अक्सर 60 और 60 से ज्यादा कैदी रहते है। क्या मंत्री जी इस जेल की बिल्डिग को ऐक्सटैड करने का विचार करेगे?

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, पलवल जेल की कैपेसिटी कभी भी 50 कैदियो से ऊपर नही गई। इस वक्त 37 अडर ट्रायलज इस सब जेल मे है इसलिये मौजूदा एकोमोडे ान को बढाने का सवाल पैदा नही होता।

Construction of Grain Market at Dighal

***119. Chaudhri Om Parkash Beri:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Grain Market at Village Dighal, District Rohtak; if so, the time by which the said market is likely to be constructed?

Agriculture Minister (Shri Harpal Singh): There is no proposal under consideration of the Government to constrct a Grain Market at village Dighal, District Rohtak, as village Dighal is situated in the middle of Jhajjar, Rohtak and Sampla

where there are already Grain Markets and also near Beri, and there is little scope of its success at Dighal,

चौधरी औम प्रका ा बेरीः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि नई अनजा मण्डी बनाने का सरकार का क्या आईटेरिया है ? इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हू कि क्या डीगल मे ग्रेन मार्किट बनाने के लिए जमीन ऐक्वायर की गई थी, यदि हा तेा जमीन ऐक्वायर की गई थी उसका क्या बना? इसके अलावा मै यह भी जानना चाहता हू कि क्या बेरी अनाज मंडी की हालत खराब है? यदि उस अनाज मडी की हालत खराब है तो उसको डिवैल्थ करने के लिए सरकार क्या कदम उठाने जा रही है?

श्री हरपाल सिंहः स्पीकर साहब, 1978 मे डीगल मे एक अनाज मडी बनाने की प्रोपोजल थी और उसके लिए 36 एकड जमीन भी ऐक्वायर कर ली गई थी लेकिन बाद मे बेरी मे अनाज मडी बनाने की प्रोपोजल बनी गई और बेरी मे अनाज मडी बनाने की प्रोपोजल वर्ल्ड बैक प्रौजेक्ट के तहत पहले क्लीयर हो गई जिसके कारण डीगल मे अनाज मडी बनाने की प्रोपोजल ड्रौनप करनी पडी। डीगल मे अनाज मडी के लिए जिन लोगो की जमीन ऐक्वायर की गई थी उन लोगो को वह जमीन वापिस कर दी गई। इसके अलावा माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि नई अनाज मडी बनाने का सरकार का क्या आईटेरिया है? मै इनको बताना चाहूगा कि नई अनाज मडी उस एरिया मे बनाई जाती है जिस एरिया मे

अनाज की पैदावार ज्यादा होती हैं। नई अनाज मडी बनाने के लिए 30–35 एकड जमीन होनी चाहिए और इस के साथ साथ 15–20 लाख टन अनाज की पैदावार उस एरिया मे होनी चाहिए। हमारे सामने फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत और गुडगाव जिलो के बारे म यह प्रौब्लम आ रही कि चार जिलो के किसान अपना अनाज दिल्ली की मडियो मे ले जाते है क्योकि दिल्ली की मडियो मे किसानो को अनाज के अच्छे रेट मिल रहे है। बेरी की अनाज मडी मे साल की 35 हजार रूपए के लगभग इनकम है तो 35 हजार रूपए मे से मडी की डिवैल्पमैट पर क्या खर्च करे इनते पैसे से स्टाफ को तनखाह देनी ही मु कल हो रही है। इसलिए डीगल मे नई अनाज मडी बनाने का क्वै चन ही अराइज नही होता।

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने सप्लीमैटरी का जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली के नजदीक जो जिले है उन जिलो के किसान अपना अनाज दिल्ली की मडियो मे ले जाते है। यह बात मंत्री जी की बिल्कुल सही है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या उन चार जिलो के किसान दिल्ली मे अनाज का अच्छा भाव मिलने के कारण अपना अनाज उन मडियो मे ले जाते है या कोई और कारण है जिसकी वजह से हमारे प्रदे ा का टैक्स दिल्ली को जार रहा है ? नजफगढ और नरेला दो मडिया है जिनके अन्दर हरियाणा प्रदे ा के किसानो का ज्यादातर अनाज जात है जिसकी वजह से दोनो मडियो बहुत

खु ाहाल और बहुत बडी बडी मडिया बन गई है। उन दोनो मडियो मे किसानो बहुत खु ाहाल और बहुत बडी बडी मडिया बन गई है उन दोनो मडियो मे किसानो का अनाज जाने के कारण रोहतक, बहादुरगढ, सांपला और झज्जर की मडिया मे गेहु की प्रकयोरमैट बिल्कुल खत्म हो गई है। मै मंत्री जी ने जानना चाहता हू कि क्या सरकार किसानो को टैक्स मे कोई राहत देगी या कोई और सुविधाए देगी जिसके कारण चार जिलो के किसान अपना अनाज दिल्ली की मडियो मे न ले जा कर रोहतक, बहादुरगढ सापला और झज्जर की मडियो मे ही अपना अनाज ले जाएं।

श्री हरपाल सिहः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया है उससे मुझे बडा अफसोस है। हम जो कुछ भी कह रहे है वह फरमर्ज के इट्रैस्ट मे ही कर रहे है। हम तो यह चाहते है कि फारमर्ज को ज्यादा से ज्यादा रिटर्न मिले। यदि फारमर्ज को ज्यादा से ज्यादा रिटर्न मिलते है। तो मेरे अपोजि ान के माननीय सदस्यो को क्यो तकलीफ होती है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने फारमर्ज के हित की बात कही है। मै इनका बताना चाहता हू कि कौसली की अनाज मडी नरेला अनाज मडी से 125 किलोमीटर की दूरी पर है लेकिन कौसली एरिया के किसान अपना अनाज नरेला की मडी मे ले जाते है। मै मंत्री जी से जानना चाहता हू कि क्या कौसली के किसान अपना अनाज अच्छा भाव मिलने के कारण नरेला की मडी मे जाते है या किसी ओर कारण से ले जाते है? यदि कौसली

एरिया के किसानो को कौसली की मडी मे वही सुविधाए मिल जाए तो सुविधाए नरेला मडी मे मिलती है तो कौसली के किसान नरेला की मडी मे नही जाएगे। इसके अलावा कौसली के किसान जब नरेला की मडी मे अपना अनाज ले कर जाते है तो उनको तेल का भाी खर्चा वहन करना पडता है और बीच मे बादली का बौर्डर पडता है। वहा पर किसानो को एक एक ट्रैक्टर का 200–200 रूपया रि वत का देना पडता है वह रि वत का पैसा कहा जाता है किस खाते मे जाता है ? भाोर।

(इस प्र ान का उत्तर नही दिया गया)

श्री सतबीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, रोहतक जिला तो मण्डी बनाये जाने के मामले मे बडा नैगेटिव रहा है। मै मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि पानीपत जिले मे छिछडाना गाव की जो मण्डी बनाई जा रही है वहा पर तारकोल और रोडी पड गई है। अब मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि वह मण्डी कब तक चालू हो जायेगी?

श्री हरपाल सिंहः आप इसका अलग अलग से नोटिस दे जवाब दे दिया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मे एक बात यह कहना चाहता हू कि अगर ये यही चाहते है कि किसान का अनाज दिल्ली मे नही जाना चाहिए तो वे हम लिख कर दे दे उस पर हम विचार कर सकते है।

श्री धीरपाल सिंहः हम तो यह चाहते है कि किसान को जो सुविधाए दिल्ली अनाज से जाने पर मिलती है वही सुविधाए यह पर मिलनी जाहिए ताकि किसान को दिल्ली जाने की आव यकता ही न पडे।

श्री राम भजन अग्रवालः मै मंत्री महोदय से पूछना चाहता हू कि भिवानी मे चार मण्डी और लोहा मक्कड मंडी के लिए जो जमीन ऐक्वायर की गई है उस मण्डी को कब तक बना दिया जायेगा क्योकि इस समय सभी किसानो और दूसरे लोगो को यह सामान लेकर भाहर से गुजरना पडता है जिस वजह से भाहर मे बडा भारी र ा रहता है।

श्री हरपाल सिंहः इनके लिए आप सैपरेट नोटिस दे जवाब दे दिया जायेगा।

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जवाब देते हुए चौधरी धीरपाल सिह के सवाल के जवाब को बीच मे ही दबा गए। उन्होने सेल्ज टैक्स के बारे मे सवाल किया था। उसका जवाब देने की बजाये से बडी होि ायारी से हम पर ही एक सवाल फैक गए कि हम लिख कर दे किसान का अनाज दिल्ली न जाये। इस बारे मे मै स्पश्ट तौर पर यह कहना चाहता हू कि हमारी पार्टी की तरफ से तो ऐसा कुछ लिख देने का सवाल ही पैदा नही होता। चौधरी धीरपाल सिह जी ने कहा था कि दिल्ली मे सेल्ज टैक्स कम है और हरियाणा मे ज्यादा है। यही वजह है कि किसान

अपना अनाज दिल्ली ले जाना चाहता है। दिल्ली मे टैक्स कम लगने की वजह से किसान को यहा की बजाये वहा पर दो पैसे का भाव ज्यादा मिलता है इसलिए वह वहा पर जाता है। मै मंत्री महोदय की जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि जब 1989–90 मे हमारी सरकार थी तो हमने उस समय आटा, मैदा, सूजी ओर चने की दाल आदि कई और चीजो पर सेल्ज टैक्स दो परसेन्ट से एक परसेन्ट और चार परसैट से तीन परसैट किया था। हमारी अ ा प स ` य ह ी

गुजारि ा है कि आप यदि यहा पर सैल्ज टैक्स कम कर देगे तो किसान को दिल्ली नही ले जाएगे। अगर सरकार यहा पर सेल्ज टैक्स कम कर देती है ते एक तो किसानो को दर दर की ठोकरे नही खानी पडेगी और दूसरे अफसरो की मुठिठयां भी गर्म नही करनी पडेगी और तीसने किसानो को भाव भी ज्यादा मिलगां। इसलिए क्या आप यहा पर सेल्ज टैक्स कम करेगे ताकि किसानो को राहत मिल सके?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री ए0सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय साथी ने इस बारे मे सेल्ज टैक्स को एक रूकावट बताया है। माननीय सदस्य का कहना है कि हमारे यहा पर और दिल्ली मे गेहू, आटा, चने आदि पर केवल एक परसेन्ट सेल्ज टैक्स का अन्तर है और इस बात को यह स्वय कर रहे है। मै इनकी यह बात नही समझ पाया कि अगर एक परसैन्ट का ही अन्तर है तो फिर किसान को अपना माल ले जाने पर

कैरेज का खर्चा का एक परसैन्ट से ज्यादा पडता है और इन हालात मे यह टैक्स वाल बात रूकावट है यह गलत है। एक परसैन्ट का अन्तर हो और किसान अपना उत्पादन दिल्ली मे जाए यह किसी भी हालत मे किसान के लिए इकोनीमिकल नही हो सकता । इनकी तरफ से जो अच्छा प्रस्ताव आयेगा सरकार उस को खुले दिल से स्वीकार करेगी और अगर उसकी फिजिबिलिटी सरकार समझेगी जो उसे लागू करने मे कोई सकोच नही करेगी।

प्रो0 सम्पतं ंसिहः अकेले सेल्ज टैक्स की ही बात नही है मण्डी की मार्किटिग फीस और दूसरे कई ऐसे टैक्सिज है जो दिल्ली की बजाये हमारे यहा पर ज्यादा है।

श्री हरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हू कि सेल्ज टैक्स या दूसरे टैक्सिज कम है या ज्यादा है, वे हमने तो लगाये नही इन्ही के लगाये हुए ही है। अगर आप ज्यादा समझते है तो उस समय कम क्यो नही किए ?

प्रों0 सम्पत सिहः अब आप कम कर दे।

Construction/Extension of Minors in Bawani Khera Costituency

***134. Shri Amar Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

(A) whether it is a fact that the foundation stone for the construction extension of the following minors in Bawani

Khera constituency were laid down by the then Irrigation and Power Minister in the month of May, 1987:-

(a) Siwara Minor for four villages Siwara, Mandhanpur and Lohari Jattu form Suder Barch;

(b) Extension of Khanak Minor;

(c) Extension of Nalwa Minor;

(d) Bure Minor form B.N.C near Bharri village for Bure Shiwarwar, Daryapur etc. villages;

(e) New Niloi Minor; and

(f) Extension of Gaindawas Minor; and

(B) If so, the time by which the construction of the above said minors is likely to be completed?

Irrigation and Power Minister(Shri Shamsher Singh Surjewala):

(A) (a) &(b) Foundation stone of Siwara Minor and extension of Khanak minor was laid in November, 1986.

(c) (e) There are no such schemes and, therefore, no & (f) foundation stones have been laid.

(d) Yes, Sir

(B) Work of Siwara minor and extension of Khanak minor schemes in progress will be completed and the work of Bure Minor will be started on availability of funds under World Bank Project State Plans. No funds have been allccated during 1992-93 so far. Schemes of extension of Nalwa minor,

extension of Gurindawas minor and construction of New Niloi Minor do not exist.

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे इस बात का बार बार जिकर आया कि हर खेत मे हरियाली होगी, हर गांव हर घर मे खु ाहानी होगी..... .....

श्री अध्यक्षः आप क्वै चन पूछिये लैक्चर मत दीजिए।

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, मेरा क्वै चन इससे रिलेट करता है और मै प्र ान ही पूछ रहा हूं। मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि नवम्बर, 1986 मे ''ए'' तथा ''बी'' मे लिखी माईनर्ज की ऐक्सटै ान का ि ालान्यास किये जाने के बाद से अब तक कितने किल्ले खाल बनाया गया है और कितना काम हुआ है ? सिवाडा, मढानापुर, लोहारी जाटू गावो के तालाबो मे पानी नही है वाटर टेंक सुख पडे है। स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताएगे कि 1986 के बाद इस स्कीम पर अब तक कितना काम हुआ है?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, सिवाडा माईनर की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है कि आर0डी00 से 12400 जो सुन्दर डिस्ट्रीब्यूटरी की 12560 एल बुर्जी से निकलती है वर्श 1987–88 मे 9.15 लाख की लागत पर स्वीकृत की गई थीं। इस नहर पर मिटटी का कार्य 1.16 लाख की लागत का किया गया था, परन्तु भूमि का मुआवजा न मिलने का कार्य 1.16 लाख की लागत

का किया गया था परन्तु भूमि का मुआवजा न मिलने के कारण किसानो ने आगे के काम को रोक दिया था। भूमि अभिग्रहण के लिए दफा 4 के अधीन दस्तावेज विचारधीन है। भूमि अभिग्रहण की कार्यवाही पूरी होने के उपरान्त इस रजवाहे का निर्माण कार्य धन की उपलब्धि पर दोबारा भुरू किय जाएगा। एक एक खनक माईनर बुर्जी 0 से 10500 के निर्माण का प्रोजैक्ट अनुमान वर्श 1978–88 मे 7.12 लाख का मजूर किया गया था। इस रजवाहे का निमार्ण कार्य बुर्जी न0 7400 तक पूरा किया जा चूका है। किसानो की भूमि का मुआवजा न देने के कारण बुर्जी न0 7400 से बुर्जी न0 10500 टेल तक कार्य रूका हुआ है। भूमि अभिग्रहण के कागज विचारधीन है और बाकी का कार्य धन की उपलब्धि होने पर वर्श 1992–93 मे किया जाएगा।

श्री अमर सिहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है वह तोड मरोड कर और गलत दिया है। औन दि फलोर औफ दी हाऊस मैर इनको दावत देता हू कि वे मेरे साथ चल कर खुद देख ले कि वहा एक किल्ला भी खाल नही बना है। 1.16 लाख रूपश जो अर्थ बैक पर खर्च होना बताया गया है यह बिल्कुल गलत बताया है, यह स्पश्ट बात नही है पिछले 4 साल से इस स्कीम को डिसबैड कर दिया गया था। इस स्कीम को अब इन्होने टाण्ड से उतार लिया हो तो अलग बाता है। स्पीकर साहब, तालू माईनर मे 4 गावो की सैपरेट स्कीम बनी थी। मै मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या इस को डिस्बैड कर

दिया गया है क्योकि इस पर कोई काम नही हुआ है और तालू गांव अकेला ही इन चारो गावो का पानी पी रहा है। मंत्री महोदय इस बारे मे स्थिति स्पश्ट करने की कृपा करे।

10.00 बजे।

श्री भाम ोर सिंह सु रजेवालाः अध्यक्ष महोदय मैने जवाब मे न तो तोड मरोड की और न कुछ छिपाया है। जहा तक इनका यह कहना है कि मौके पर काम हुआ नही इसके बारे मे मैने बताया है कि 1.16 लाख रूपये का काम हो गया है। इस बात को मै इनके साथ चल के देखने को तैयार हूं मै इनका भुक्रगुजार भी हूगा और अगर यह बात सच है तो सम्बधित अधिकारियो के खिलाफ सख्त कार्यवाही भी करेगे। दूसरी बात यह है कि पहली सरकार ने स्कीमे मन्जूर करे, रूपया भी दिया और काम भी भुरू करवाया। कुछेक स्कीमो पर 3/4 काम हो चुका था लेकिन ये सामने बैठे महोदय जब आए तो इन्होने किसानो के कामो का सुहाग ही मार दिया और चार साल मे न इन्होने रूपया दिया और काम भी बन्द करवा दिया। विधन चौधरी अमर सिंह ठीक कर रहे है कि उन चार सालो मे उन्होने कोई भी ाक मनही किया और जो कम पहले काग्रेस सरकार ने किए थे उनका तो इन्होने बिल्कुल मलिया मेट कर दिया। अब फिर हमारी सरकार आने पर दोनो स्कीमो के दफा चार के कागजात दुबारा से बनाने भुरू कर दिए है और जैसा कि मैने कहा है अब काग्रेस की सरकार यह काम करवाएगी।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने फर्माया कि पिछले चार साल मे कुछ नही किया गया। यह तो सब जानते है कि जो कुछ किया है। (हसी) स्पीकर साहब, आज जो कुछ ये लोग कर रहे है इसका भी सबको मालूम है कि ये क्या कर रहे है। लेकिन इन बातो को पूछने की बजाय मै एक स्पश्ट बात पूछना चाहता हू कि इस साल मे जब से इनकी सरकार आई है कितने तो माइनर्ज इन्होने कम्पलीट किए है और कितना पैसा माईनर्ज पर इस साल इन्होने खर्च किया है ?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जब यह सरकार आई तों मुख्यमंत्री ने एलान किया कि सरकार की बाकी प्राथमिकताओ के अलावा किसान को टेल पर पानी मिलगा। ये जो किसानो के लिए मगरमच्छ के आसू बहा रहे है। स्पीकर साहब, इन्होने चार साल मे किसी नहर और रजवाहे की मेन्टैस नही की है और किसी भी किनारे पर मिटटी नही डलवाई है। किसी के अन्दर से इन्होने सफाई नही करवाई और अध्यक्ष महोदय, आप खुद किस पन है और आपको इस बात का पता है और पूरे हाऊस के अधिकतकर मैम्बर जो है वे गावं के है उनको इस बात का पता है कि इनका जब राज था एक भी रजवाहे के टेल तो क्या बीच तक भी पानी नही आया और इस सरकार ने प्राथमिकता के ऊपर पहले 6 महीनो के अन्दर सारी नहरो और रजबाहो की सफाई करवाई और उनमे मिटटी डलवाई। टेल तक पूरा पानी पहुचाया। जहा तक नई स्कीमो का सवाल है, इन्होने यह सवाल

नही किया था इसलिए तफसील से मै आज नही बात सकता। लेकिन इससे पहले जो इन्होने गड्ढे खोदे थे और जो बीच मे छोड दिए थे वे तो अभी पूरे कर ले।

Murder of an innocent boy

***145 Prof. Chhattar Singh Chauhan:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether the Government is aware of the fact tht an innocent boy was murdered in the month of August 1991 at village Mithathal in district Bhiwani: and

(b) if so the number of persons involved in the aforesaid murder together with teh action agains them?

चौधरी भजन लालः (क) तथा (ख) मास सितम्बर, 1991 मे गाव मिथाथल, जिला भिवानी मे एक मासूल बच्चे का कत्ल हुआ था न मास अगस्त, 1991 मे। दो अभियुक्ते को गिरफ्तार किया गया। उनके विरूद्ध दिनांक 28.10.1991 को चालान न्यायालय मे प्रस्तुत किया जा चुका है।

प्रो0 छत्तर सिह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी जब 15.9.1991 को भिवानी मे गए थे तो वहा के लोगो ने मुख्यमंत्री जी से कहा था कि पुलिस ने अन्याय किया है। अध्यक्ष महोदय मुख्यमंत्री जी तो सिद्ध हस्त है और इन्होने वहा कहा था कि 48 घटे मे एस0डी0एम0 से इक्वायरी करवाएगे। एस0डी0एम0 द्वारा 20 सितम्बर 1991 की रिपोर्ट दे दी गयी है लेकिन वह रिपोर्ट

कहा है? मेरा आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से निवेदन है कि उस रिपोर्ट मे क्या है वह बताया जाए और वह रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने अभी बताया कि भिवानी मे एक मासूम बच्चे के कत्ल करने वाल दोने अभियुक्तो को गिरफतार कर लिया है और धारा 302 के तहत कार्यवाही की गयी हैं इसके अलावा एक ए0एस0आई और एक एम0आई को भी अपने डयूटी मे कोताही बरतने के कारण धारा 336 और 285 के तहत केस दर्ज करके ससपैन्ड किया है और दोनो के खिलाफ महकमे की इक्वायरी भी चल रही है।

Mr. Speaker: The Case is subjudice. No more question please.

ताराकित प्र ान सख्या 150

यह प्र ान पूछा नही गया क्योकि इस समय माननीय सदस्य श्री मोहन लाल पिप्पल सदन मे उपस्थित नही थे।

Panipat Idgah land

***188. Chaudhri Azmat Khan:** Will the Minister of State for Wakf be pleased to state whether it is a fact that the land belonging to Panipat Idgah is under illegal possession of some one for the lase three year: if so, the steps taken or proposed to be taken by the Government Wakf Board to vacate the illegal possession of said land?

वक्फ राज्य मंत्री (चौधरी भाकरूत्ला खा): पानीपत मे स्थित पजाब वक्फ बोर्ड की मलकियत है और इस ईदगाह का कोई भी भाग किसी के अवैध कब्जे नही है। यह बोर्ड पजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदे ा तथा चण्डीगढ सघीय प्रदे ा के लिए इक्टठा है और भारत सरकार कल्याण मन्त्रालय के प्र ाासकीय नियत्रण मे है।

इस इदगाह के साथ एक कब्रिस्तान है जिसकी भूमि 147 कनाल 10 मरले है सरकार के ध्यान मे आया है कि इस भूमि का अधिकतर भाग अवैध कब्जे मे है बोर्ड द्वारा सक्षम न्यायालय मे अवैध कब्जे हटाने बारे आदे ा प्राप्त किए जाने है और ज्यो ही बोर्ड द्वारा कानूनी आदे ा प्राप्त कर लिया जायेगे राज्य सरकार द्वारा आदे ाके को कार्यान्वित करने हेतू आव यक सहायता प्रदान की जाएगी।

चौधरी अजमत खा: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने अपने जवाब मे कहा कि जैसे की कानूनी आर्डर प्राप्त होगे तक कार्यवाही होगी। मै जानना चाहता हू कि किन लोगो ने उस जमीन पर कब्जा किया हुआ है? कमेटी ने तो वहा पर डिमोलि ान के आर्डर पास करके दे दिय। उस जमीन पर बगैर नक ो के ममान बनाये गय है। अगर बगैर नक ो के मकान बनाये जाते है और कमेटी डिमोलि ान के आर्डर दे देती है तो वह मकान उसी वक्त तुडवाये जाते है। इसलिए क्या सरकार उन मकानो को तुडवाने के लिए कोई कदम उठायेगी ?

चौधरी भाकरूल्ला खाः अध्यक्ष महोदय, किसान यूनियन का कोई टिकेत नाम आदमी है। उसने इस जमीन पर कब्जा किया हआ है 12.8.1990 को इनके खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज करवायी गयी थी। उसके बाद केस आदलत मे चला गया और स्टे आर्डर हो गए। इसलिए इस केस मे अभी अदालत मे कार्यवाही चल रही है।

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, इनके जवाब से स्पशट है कि वक्फ बोर्ड ने स्टे ले रखा है। इन्होने अपने जवाब मे लिखा भी है कि जैसे ही कानूनी आर्डर प्राप्त होगे वैसे की कार्यवाही की जायेगी जबकि हकीकत यह है कि इस केस मे एफ0आई0आर0 भी दर्ज हुई है स्पीकर साहब, मंत्री जी ने भी कहा है कि 12.8.1990 को एफ0आई0आर0 दर्ज हुई है लेकिन 12.8. 1990 से अब तक सरकार ने उनके खिलाफ क्या ऐक ान लिया ? कमेटी ने जब डिमोलि ान के आर्डर कर दिये तथा जब सब जगह डिमोलि ान होता है तो कब्रिस्तान पर जो मकान बनाये गय है, उन पर डिमोलि ान क्यो नही हुआ और सरकार क्यो चुप बैठी रही, क्यो उसने आज तक उस डिमोलि ान आर्डरो की पालना नही की ?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बताना चाहता हू कि ईदगााह की जमीन आठ कनाल दस मरले है। इस जमीन पर बी0के0यू0 के लीडर ने कब्जार कर रखा है। मंत्री जी ने उसका नाम टिकेत बताया है। उसने अपने साथ

बी0के0यू0 के लोगो को लाकर उस जमीन पर कब्जा किया। यह कब्जा 11.8.1990 को किया गया। 12.8.1990 को केस दर्ज करवाया गया और आव यक कार्यवाही भुरू की गयी। वहा बाकायदा मकान न बन सके इसलिए हमने कोर्ट से स्टे भी लियां। स्टे अभी तक चल रहा है। जहा तक दूसरी जमीन जो कब्रिस्तान की है, का ताल्लुक है उस जमीन पर करीब 200 लोग झूग्गी झोपडी बनाकर रह रहे है। हमने उन्हे हटाने की कोि ा ा की लेकिन इनमे से 105 लोगो ने स्टे ले लिया है। अब उनका स्टे चल रहा है। हम खाली नही करवा सकते। ज्यो ही अदालत से केस का फैसला वक्फ बोर्ड के हम मे होगा, हम उसके मुताबिक कार्यवाही करेगे।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, इस वक्फ बोर्ड की जमीन सारी झगडे की जड बनी हुई है। कई जगह इल्लीगल पोजै ान हो जाते है वक्फ बोर्ड का इस पर दो तरफा ऐक ान है। वक्फ बोर्ड वाले कई दफा ''ए'' से पैसा ले लेते है। और जमीन पर कब्जा करा देते है फिर ''बी'' से पैसे ले लेते है और उसे भी कह देते है कि तुम कब्जा कर लो। फिर इसी तरह ''सी'' से भी पैसे ले लेते है और उसे भी यह कह देते है कि तुम कब्जा कर लो। मेरे कहना यह है कि इस बारे मे वक्फ बोर्ड की ऐजेन्सी के पार्ट पर कोताही है। वह अपनी जमीन डिफरैट लोगो को बेच देते है जिसकी वजह से झगडे ज्यादा बढते जा रहे है। क्या मुख्यमंत्री महोदय इस बारे मे आदे ा देने की कृपा करेगे कि

वक्फ बोर्ड की जमीन बगैर एन्टाईटलमैट के किसी को ट्रासफर न की जाये तभी इस बारे मे कुछ हो सकता है ? ऐसी हिदायत यदि ये जारी करे तभी वक्फ बोर्ड की जमीन को बचाया जा सकता है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जंहा तक वक्फ बोर्ड का सवाल है आम तौर पर इस बारे मे कोई भी सवाल हरियाणा विधान सभा मे नही आता है। सही मायनो मे देखा जाये तो यह वक्फ बोर्ड भारत सरकार के अन्डर आता है। फिर एक बात यह भी है कि वक्फ बोर्ड अकेला हरियाणा का नही है। इस वक्फ बोर्ड मे पजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदे ा और यूनियन टैरीटरी चण्डीगढ चारो भाामिल है। चारो का एक ही वक्फ बोर्ड बना हुआ है। इसका मेन कन्ट्रोल भारत सरकार के हाथ मे है। यह बात सही है कि कुछ लोग मिल जुल कर वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा कर लेते है और कुछ लीज पर या पटटे पर इसका लेते है। हमने भारत सरकार को इस बारे मे लिखा भी है कि वक्फ बोर्ड को अलग किया जाये और अलग अलग प्रान्तों के लिए अलग अलग बनाया जाये जिसका इनका कन्ट्रोल ठीक ढग से प्रान्त सरकार कर सके।

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने अभी यह कहा कि यह बोर्ड हमारे कन्ट्रोल मे नही है। इन्होने यह भी कहा कि कुछ लोगो ने कोर्ट से स्टे लिया हुआ है लेकिन सरकार को डिमोली ान आर्डर्ज को इम्पलीमैट तो करना चाहिये। एफ0आई0आर0 तो 12.8.1990 को दर्ज हुई, यह काम हमारी

सरकार का है यह वह देखे कि उनके खिलाफ ऐक ान क्यो नही लिया गया । वक्फ बोर्ड की जायदाद का मसला बे ाक बोर्ड का अपना है लेकिन जब एक बात वक्फ बोर्ड और सरकार मुददई बन जाती है तो सरकार उनके खिलाफ कार्यवाही भी करे। यह मामला तभ हल होगा।

चौधरी भजन लालः इस बात मे कोई भाक नही है कि हरियाणा मे वक्फ बोर्ड की प्रौपर्टी को हरियाणा सरकार देखती है लेकिन जब तक कोर्ट की तरफ से कोई फैसला नही हो जाता तब तक हम डिमोली ान कैसे कर सकते है।

Alloment of Panchayat Land

***149 Shri Mani Ram Keharwala:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleases to state whether 29 acres of Panchayat Land of Ellenabad has been exchanged transferred to some one in the year 1989; if so, the details thereof ?

विकास मंत्री राव बसी सिंहः नही श्रीमान जी। स्पीकर साहब इसको मै थोडा और क्लीयर कर देता हू। इस बारे मे पोजी ान यह है कि जो जमीन ऐक्सचेज ट्रासफर की गयी है, यह ऐलनाबाद की जमीन नही है। उनका मन ाा भाायद बास का ाी राम पचायत की 29 एकड जमीन के बारे मे है जो गवर्नमैट ने बास का ाी राम के श्री हेतराम के 4 पुत्रो के नाम डी0सी0 की सिफारि ा पर परमि ान लेकर ट्रासफर की थी। गवर्नमैट ने 1989 मे डी0सी0 महोदय की सिफारि ा पर यह कार्यवाही की थी। जब

परमि ान मिल गयी तो पचायत की 29 एकड जमीन इनके साथ ऐक्सचेज हो गयी । यह बात मै आनरेबल मैम्बर को बताना चाहता हू।

श्री मनीराम केहरवालाः अध्यक्ष महोदय, पहले ऐलनाबाद माजरा और का ी राम बास की पचायत एक थी बाद मे अलग अलग हो गयी। यह ऐलनाबाद माजरा की पचायत मे पडती थी। जो भामलात जमीन 29 एकड ऐक्सचेज की गयी है, उसके एवज मे जो जमीन दी गयी है, वह ठोबरिया गाव की जो ऐलनाबाद से 15 किलोमीटर दूर है, वहा की 13 एकड जमीन है जो दो हिस्सो मे है और का ी राम बास की जमीन जो वहा से 10 किलोमीटर दूर पडता है उसकी 16 एकड जीमन है उसका रेट 5 लाख रूपये पर एकड का है जबकि जो जमीन इसके बदले मे ली गयी है उसके ऊपर घास भी पैदा नही होती। पचायत ने रैज्योलू ान भी इस बारे मे दिया है कि यह जमीन तबदील नही होनी चाहिए लेकिन फिर भी तबदील कर दी गयी। एक बात और है कि उस जमीन मे दो टयूबवैल्ज दिखाये गये है जबकि वहा पर कोई टयूबवैल नही है। स्पीकर साहब, पचायत को जो जमीन अब दी गई है उसका सालाना ठेका 250 रूपए पर एकड है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से लीडर आफ दि हाउस से अर्ज करूगा कि पिछली सरकार ने बहुत बडा घपला किया है मेहरबारनी करके पचायत के हित मे यह जमीन वापिस दिलाई जाएं।

रावी बंसी सिंहः स्पीकर साहब, औनरेबल मैम्बर ने जो कुछ कहा है वह बिल्कुल सत्या है। यह वास्तविक है कि जो पचायत की भूमि थी वह मेन रोड पर थी और भाहर मे लगती थी और वह जमीन प्राईवेट औनर्ज को दी गई। स्पीकर साहब, जो उसकी कीमत बताई गई वह ठीक है। तत्कालीन सरकार ने डिप्टी कमि ानर से रिपोर्ट मांगी थी कि क्या यह जमीन जो जो पचायत की है उसको ट्रासफर करना जनहित मे है और डिप्टी कमि ानर ने रिपोर्ट दे दी कि यह ट्रासफर जनहित मे है सरकार ने उस रिपोर्ट के आधार पर परमी ान दे दी कि इस भूमि को तबदील कर दिया जाए। जब हमारी सरकार आई तो हमारे पास कम्पलेट पहुची। यह कम्पलेट जरवरी के महीने मे आई कम्पलेट आने के बाद हमने तु रन्त उसी समय आदे ा दे दिए कि डिप्टी कमि ानर इसकी इक्वायरी कडक्ट करके बताए कि वास्तविक रूप मे इस जमीन की तबदीली जनहित मे है या नही है ंऔर वास्तविकता क्या है। डिप्टी कमि ानर ने इकवायरी कडक्ट करके रिपोर्टी दी है कि इस भूमि की तबदीली जनहित मे नही है। ऐसा करने से पचायत को बडा भारी नुकसान है। उस रिपोर्ट के आने के बाद सरकार ने फैसला लिया कि कुछ स्वार्थी तत्वो की वजह से जो जमीन प्राईवेट लोगो के हाथो मे चली गई उसको वापिस लिया जाए और वह भूमि वापिस हो गई है। इस वक्त पोजी ान यह है कि जो उस वक्त अधिकारी थे और जिन्होंने रिपोर्ट दी थी उनका स्पश्टीकरण मांगा जा रहा है।

प्रो0 सम्पतं सिहः स्पीकर साहब, मंत्री जी बडे काबिल है और उन्होने चौधरी मनीराम का जो सवाल था कि बास कां ीराम और ऐलनाबाद की पचायतो की जमीन प्राईवेट आदकी को दी गई, उसके बारे मे विस्तार से जानकारी दी। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि क्या यह बात ठीक है कि आदमपुर हल्के मे जो कालवास गाव है वहा पर पचायत की जमीन इसी साल सस्ते दामो पर बेची गई ?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये लोग अपने काले कारनामो को छिपाने के लिए आदमपूर हल्के का नाम ले रहे है। मै आपकी सेवा मे बताना चाहता हू कि जिन्हाने यह जमीन पचायत से अपने नाम पर ट्रासफर करवाई वह पाच लाख एकड की वैल्यू की थी और जिस जमीन पर घास भी पैदा नही होता था वह जमीन पचायत के नाम पर ट्रासफर करवा दी। वह बडा भारी स्कैण्डल है। इन्होने एक अस्पताल की जमीन पर भी कब्जा किया था और जब ये आदमपूर हल्के मे कालावास गाव का नाम ले रहे है। स्पीकर साहब, मै इस बारे मे स्थिति स्पश्ट कर देना चाहता हू कि यह जमीन फौरेस्ट डिपार्टमैट को दी गई है फौरेस्ट डिपार्टमैट पेड लगाने जा रहा है क्योकि उस जिले मे वहा एक बिजली का प्रोजैक्ट लगने जा रहा है। बिजली का प्रोजैक्ट लगने से पहले ऐनवायरमैट को ठीक करने के लिए उस जमीन पर फौरेस्ट लगाना पडता है और बदले मे फौरेस्ट के लिए जमीन देनी पडती है। इस जमीन के लिए पचायत ने प्रस्ताव पास कर दिया

कि यह जमीन फौरेस्ट डिपार्टमैट को ट्रासफर क दी जाए अगर उसने पेंड लगते है तो। स्पीकर साहब, यह जमीन किसी प्राईवेट आदमी को नही दी गई है।

प्रो0 सम्पतं सिहः स्पीकर साहब, यह जमीन प्राईवेट आदमी को बहुत ही सस्ते दाम पर दी गई है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इस बात की जांच के लिए एक कमेटी बना दी जाए। अगर यह जमीन प्राईवेट आदमी को दी गई तो हमे आप सजा दे देना या फिर ये सजा के लिए तैयार हो जाए। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि इनको सारे घपले ही घपले नजर आते है। जैसा इन्सान खुद हो वैसा उस को दूसरा के बारे नही सोचना चाहिये। (ाोर) मै इनको बताना चाहता हू कि पचायत की जमीन फौरेस्ट डिपार्टमैंट पेड लगाने के लिए लेता है। आम तौर पर जो जमीन बेकार होती है, नहरो के साथ लगने वाली जमीन होती है ऐसी जमीन फौरैस्ट डिपार्टमैट पचापयत विभाग से पेडो के लिए लेता हैं इनकी तरह नही कि जहा चाहा कब्जा करके बैठ गये। इन्सान जैसा खुद होता है उसको दूसरा के बारे मे वैसा ही नही सोचना चाहिये।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, क्या विकास मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेगे कि ऐक्ट के तहत पंचायत की जमीन किसी प्राईवेट व्यक्ति कों ट्रासफर की जा सकती है ? अगर की जा सकती है तो उसका क्या तरीका है ? अगर नही की जा

सकती और पचायत को किसी जमीन पर किसी ने नायजाज कब्जा कर रखा है तो क्या सरकार उनके खिलाफ कोर्ट द्वारा कार्यवाही करेगी या फिर ऐग्जैक्टिव के द्वारा उस जमीन को खाली करवाएगी ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी बडी पुरानी और सुलझी हुई सदस्या है। इनको पता होने चाहिये कि बाकयदा 1953 का एक ऐक्ट बना हुआ है जिसके तहत सरकार पचायत की किसी जमीन पर किसी प्राईवेट आदमी का कब्जा हो तो उस को छुडाव सकती है और ट्रासफर करवा सकती है। लेकिन इस जमीन मे बडी घपलेबाजी थी और ज्यू ही इस बारे सरकार के पास ि ाकायत आई सरकार ने उसकी जांच करवाई और ट्रासफर की गई भूमि को रद किया गया ओर उस जमीन को वापिस दोबारा पचायतो के पास दे दिया गया।

Buses hired enganged for Sarpanches Panches

***109 Shri Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

(a) whether any Haryna Roadways Buses were hired/engaged to bring the newaly elected Sarpanches Panches of the Various districts of the State for administering the oath at Rohtak on 16th January, 1992; and

(b) if so, the depotwise number of Buses hired engaged for the siad prupose?

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, मत्री महोदय ने इस सवाल का जवाब देने के लिये ऐक्सटैन् ान मांगी है जो कि ग्रान्ट कर दी गई है मंत्री जी से आया पत्र इस प्रकार हैः—'

अन्तरिम उतर

''बंसी सिह राव

अ0स0प0 क्र0 22248

मन्त्री

विकास एवम पचायत विभाग,

हरियाणा, चण्डीगढ

दिनांक 9.3.1992

विशयः ताराकित विधान सभा प्र ासन न0 190 जो श्री राम भजन अग्रवाल द्वारा पूछा गया है के सम्बन्ध मे।

प्रिय

मै आपा ध्यान उपरोक्त विशय पर ताराकित विधान सभा प्र ान न0 190 की और दिलाकर कहना चाहूगा कि उक्त विधान सभा प्र ान दिनांक 10.3.1992 को नियत है। यह प्र ान दिनांक 5.3.1992 को साय लगभग 5.00 बजे प्राप्त हुआ है। समय कम होने के कारण इस प्र ान का उत्तर तैयार करना

कठिन है क्योकि इस प्र ान के उत्तर के लिए आव यक सूचना राज्य के सभी खंड जिला कार्यालय से एकत्रित की जानी है।

2. अत मै आपसे अनुरोधा करूगा कि उक्त प्र ान का उत्तर देने हेतु इस दिन का और समय बढाया जाए।

आदर सहित ।

आपका

हस्ता/–

(राव बंसी सिंह)

श्री ई वर सिंह

अध्यक्ष,

हरियाणा विधान सभा,

चण्डीगढ।

Sales Tax

***187 Prof Sampat Singh:** Will the Minister for Excise and Taxation be pleases to state-

(a) the percentage of increase, if any, in the amount of Sales Tax revenue during the Years 1987-88 to 1991-92 as compared to the correspondign last year in the State; and

(b) whether any concession has been given in the rate of sales tax on any items during the years 1987-88 to 1991-92; if so, the details thereof?

Excise and Taxation Minister (Shri A.C Chaudhry):

(a & b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yearwise collection of Sales Tax inculding Central Sales Tax and percentage increase as compared to the collection of the previous year, for the years 1987-88 to 1991-92 are as follows:

Year	Sales Tax including Central Sales Tax	% age increase
	(Rs. in Crores)	
1987-88	300-97	25.09
1988-89	373.17	23.99
1989-90	416.97	11.74
1990-91	494.43	18.58
1991-92	496.18	29.16
(Upto Jan., 1992)		

(b) Conessions given in the rate of Sales Tax during the years 1987-88 to 1991-92 are as follows:-

Sr No.	Name of Item	Old Rates of Sales	New Rate of Sales Tax	With effect from
1	2	3	4	5
1.	Cakes and De-oiled Cakes	6%	2%	1-1-1998
2.	Wodden furniture	12%	8%	1-1-1988
3.	Chasis of Motor vehicles pick up van Matadors station wagons mintruck	10%	4%	1-1-1988
4.	Soyabean Milk	8%	Exempted	1-1-1988
5.	Common salt when sold in sealed containes	8%	Exempted	1-1-1988
6.	Gurand Shakkar	8%	4%	1-1-1988
7.	All types of ready made garments valuing more then Rs. 30/-	8%	4%	1-1-1988
8.	Stainless Steel	12%	3%	18-3-1988

	utensilsa			
9.	Other utensils	8%	3%	18-3-1988
10.	Jute bags, laminated jute bages and HDPE Woven sacks	8%	4%	18-3-1988
11.	Blankets	2%	Exempted	28-2-1988
12.	Bread	8% 	4% Exempted	1-4-1989 1-4-1989
13.	Underwears Kachhas sewan out of cotton closth other than Hoisery cloth	4%	Exempted	1-7-1989
14.	Wheat products i.e flour, Maida and Suji	4%	3%	1-10-1989
15.	All schedule A items except cement	12%	1%	1-10-1990
16.	Hawai chapals upto the value of Rs. 25/-	8%	Exempted	20-11-1990
17.	Gram Channa and	2%	1%	1-2-1991

	gram dall			
18.	Jeeps of Enginc capacity exvedign 1000 cc	10%	3%`	1-2-1991
19.	Motore cares of Engine capacity more than 1000 cc	10%	6%`	1-2-1991
20.	CERTIFIED seeds under the Seeds Act 1966 sold in sealed bages or containers	8%	Exempted	1-4-1991

Concessions given in the rate of Central Sales Tax

1	Fuel egfficient motor cars of capacity upto 1000cc	10%	6%	11-5-1989
2.	Eucalyptus wood sold to dealers in Himachal Pardesh for use in the manufacture of wooden boxes for packing fruits	8%	Exempted	12-7-1989

3.	Milk Products	4%	1%	1-10-1989
4.	Atta, Maida Suji	3%	2%	1-10-1989
5.	Eucalyptus wood boxes sold to any person in Himachal Pardesh for packing of fruits	10%	Exempted	6-3-1990
6.	Tractors	4%	2%	1-2-1991
7.	Synthetic Fillament yarn	1%	0.7%	1-4-1991
8.	Plani Glass Sheet	4%	1%	1-4-1991

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैने अपने सवाल के (क) भाग मे यह पूछा था कि राज्य मे पिछले वर्श के अनुरूप की तुलना मे वर्श 1987–88 से 1991–92 तक के दौरान राजस्व बिक्री कर की रा ि ा मे प्रति ात वृद्धि यदि कोई हो तो कितनी हुई है और भाग (ख) मे यह पूछाा था कि क्या वर्श 1987–88 से वर्श 1991–92 तक के दौरान किन्ही मदो पर बिक्री कर की दर मे कोई छूट दी गई, यदि दी गई तो उसका ब्यौरा क्या है? तो इन्होने 1.4.1991 तक कुछ आइटम्ज पर कन्सै ान का बताया है। पिछले जून मे इनकी सरकार आई है और उस सयम से बराबर यह सरकार व्यापरियों के हितो की बात कर रही है और बराबर यह कह रही है कि हमने कोई नया कर नही लगाया। जो कुछ भी

टैक्स वगैरह लगे है वह सब कुछ हमारी सरकार के वक्त के ही लगे है। इनके ऐसा कहने से तो मालूम पडता है कि हमने तो टैक्स की दर को घटाया था। अगर इन्होने कोई 9 महीने के अन्दर टैक्स घटाया है तो उसका कुछ नही बताया गया है। क्या इसे स्पश्ट करेगे ?

श्री ए0सी0 चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मेरे भाई ने सवाल दो हिस्सो मे पूछा था जिसका जवाब हमने बडी तफसील के साथ दिया हुआ है। सेल्जटैक्स इल्लूडिग सैन्ट्रल सेल्ज टैक्स की परसैन्टेज इस प्रकार है–

1987–88	25.09
1988–89	23.99
1989–90	11.74
1990–91	18.58
1991–92	
जनवरी 1992 तक	29.16

यह जो जनवरी, 1992 तक की परसैन्टेज मैने बताई है यह हमने व्यापरियो पर बगैर किसी रेड व हैरासमैन्ट के बताई हैं। आपकी सरकार की तरह व्यापारियो को तंग नही किया गया है। जहां तक दूसरे पहलू यानी कसै ान की बात है, स्पीकर साहब,

दूसरे के घर मे आग लगते देखना इनको बहुत अच्छा लगता है। ये चलते चलते कह गए कि हमने यह कह दिया आपैर वह कर दिया। हमने बहुत सी आइटम्ज आइडैटिफाई की है और उन्हे लिए प्रोसीजर फालो करना जरूरी है। हम इनमे जो जो भी कसै ान प्रस्तावित कह रहे है। वे अगले साल से लागू करेगे। मै इनसे निवेदन करूगा कि गरम गरम खाने से मुह जल जाएगा जरा इन्तजार करे।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, इन्होने बताया कि हमारे टाइम मे 29.61 प्रति ात इन्क्रीज हो गई। क्या इनको यह मालूम है कि यह जो इन्क्रीज हुई है एक साल के अन्दर अन्दर यह इस वजह से हुई है कि हम चीज के दाम दुगने हो गए है स्पीकर साहब, एक चीज जो सौ रूपए मे मिलती थी अगर वह दौ सौ रूपए मे मिलेगी तो सेल्ज टैक्स अपने आप फालतु हो जाएगा। दूसरे स्पीकर साहब, ये कैटेगरीकली क्यो नही कहते कि इन्होने पिछले 9 महीनो मे व्यापारियो को कोई कसै ान दिया है या नही। आगे बजट आ रहा है। पता नही किया होगा या नही किया होगा। आज बजट मागे राम गुप्ता जी के पास बन्द है और हम यह भी नही चाहते कि बजट आने से पहले उस बारे मे कुछ बताया जाए। मै तो यह जानना चाहता हू कि पिछले 9 महीनो मे उनको कोई कसै ान क्यो नही दिया गया ?

श्री ए0सी0 चौधरीः स्पीकर साहब, आदरणीय सदस्य ने दुगने दामो का जिकर किया। मै बताना चाहता हू कि महगाई तो

हर साल बढी है लेकिन फिर भी ये अपनी सरकार की परफारमैस नही दे सके। मै 25 प्रति ात से 23 प्रति ात और 23 प्रति ात से 11 प्रति ात तक इनक्रीज को नीचे ले आए थे। इसको देखते हुए आपकी कोई प्रोग्रैस नही थी अगर आप गवर्नमैट आफ इडिया के प्राइस इडैक्स के हिसाब से देखे तो 10.5 प्रति ात इनक्रीज आई है अगर 10 प्रति ात और बढा दिया जाए तो यह भी आपकी प्रोग्रेस से कई गुना प्र ासनीय होगा। जहा तक दूसरी बात है कि पिछले आठ महीनो मे हमने क्या किया। हमने बहुत सी आइटम्ज को आईडैटिफाई किया है। और बराबर प्रोबल्म को समझा है। हम दोनो तरफ देखेगे कि व्यापारियो को कितनी राहत दे सकते है और कज्यूमर पर क्या असर पडेगां सबो टैबुलेट करके नए साल मे घोशणा करने जा रहे है।

Bus Stand at Ratia

***162 Shri Pir Chand:** Will the Minister of State for Transport be please to state-

(a) whether there is any proposal under consideraton of the Government to cosntruct Bus Stand at Ratia, distirct Hisar; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Bus Stand is likely to be cnstructed?

परिवहन मंत्री (श्री बलबीर पाल भााह):

(क) जी हां।

(ख) नीव पत्थर रख दिया है और निमार्ण कार्य धन रा ि ा उपलब्ध होने पर अगले वर्श आरम्भ कर दिया जाएगा।

श्री परी चन्दः अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल सब से लास्ट मे लगा हुआ था लेकिन आपकी कृपा से मेरा नम्बर पड गया है। इन्होने बताया कि रतिया मे बस स्टैड बनाने के लिए पत्थर रख दिया गया है। रतिया के अन्दर तो कोई पत्थर नही रखा गया लेकिन यह हो सकता है कि मंत्री महोदय के दफतर मे रखा हो। मै नही कह सकता कि इनकी क्या भावना है। पीछे वाली सरकार भी चार साल रह गई उन्होने भी कुछ नही किया। अब ये कहते है कि अगलें साल हम बनाएगे मै इना धन्यवाद करूगा अगर ये इन साल ही उस बस स्टैड को बना दे । वैसे भी वहा पर तो मुख्यमंत्री जी के ससुराल है।

श्री बलबीर पाल भााहः स्पीकर साहब, उसका नीव पत्थर 25.2.1991 को चौधरी औमप्रका ा चौटाला ने रखा था और वह पत्थर लोगो के पसद नही आया इसलिए हो सकता है उस पत्थन को वहा से उठा कर लोग अपने घर ले गए हो। इस बारे मे हम कुछ नही कर सकते। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Question Hour is over Now. No more question please. Please take your seat.

अताराकित प्र ान उतर

Tenancy Right

10. Shri Amir Chand Makkar: Will the Minister of Agriculture be pleased to state-

(a) the number of tenants who are cultivating the land of Agriculture Farm, Hansi at present togetherwith the number of years sicne when they are cultivation the said Farm; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to confer the tenancy rights to those tenants who ae continuously cultivating the above said Farm for the last 50 years ?

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिह):

(क) कृशि फार्म हासी पर मुजारो की सख्या 34 है। यह भूमि फिर भी उनको वार्शिक आधर पर पट्टे पर दी जाती है।

(ख) नही जी।

Land belonging to Maharaja Faridkot

11. Shri Amir Chand Makker: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

(a) whether any complaint has bee received in regard to the allotment of land belonging to Maharaja Faridkot in village Dana Rampura in Hansi; and

(b) if so, the details thereof, togetheriwth the action taken thereon ?

राज्य मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह):

(क) ग्राम ढाणा रामपुरा मे भूतपूर्व महाराज फरीदकोट की भूमि से सबधित केवल एक ि ाकायत पत्र प्राप्त हुआ है जिसमे मुख्यत भूमि के आवटन के बारे मे कोई स्पश्ट जिकर नही है। इस ि ाकायत पत्र मे कथित गांव की सरप्लस भूमि पर नायाजर तौर पर बैठे भाटो को उठाए जाने बारे उल्लेख है।

(ख) ऊपर खण्ड (क) मे वर्णित स्थिति को ध्यान मे रखते हुए और सरप्लस भूमि का अलाटियो को मौके पर कब्जा दिलाते समय किसी प्रकार की हिंसा की सम्भावना को रोकने के लिये और मामले को स्थाई ढग से निपटाने हेतु सभी संबधित पक्षो एवम पार्टियो को वि वास मे लेकन सभी उचित कदम उठाए जाएगे।

132 K V Power Stations

12. Shri Krishan Lal: Will the Minister for Irrigtion and Power be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up 132 K.V Power Station at Assandh; and

(b) if so, the time by which it is likely to be set up ?

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भामे ार सिंह सुरजेवाला):

(क) हां, श्रीमान।

(ख) यह सब स्टे ान वर्श 1992–93 मे स्थापित किए जाने की सभावना है।

Spinning Mill Hansi

13. Shri Amir Chand Makker: Will the Minister for Co- operation be pleased to state-

(a) whether the Spinning Mill at Hansi is running in loss at present; if so, the reasons thereof; and

(b) the details of loss suffered and profit earned by the said mill during the last three years separately ?

सहकारिता मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाडिया):

(क) चालू वित्त वर्श मे सहकारी कताई मिल हांसी घाटे मे चल रही हैं हानि मे मुख्य कारण कच्चे माल रूई की कीमतो मे अत्याधिक वृद्धि विपरीत धागा मार्किट प्रोसैसिंग खर्चे मे वृद्धि और पुरानी म ाीनरी की वजह से उत्पादन मे बाधाए है।

(ख) पिछले तीन वर्शा के दौरान हुए लाभ/हानि का विवरण निम्न प्रकार है:–

वर्श	लाभ/हानि लाख रूपयो मे
1988–89	+27.60
1989–90	+78.60

1990—91	+25.20

स्थगन प्रस्ताव

एस0वाई0एल0 नहर के निर्माण आदि संबधी

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने और हमारे अन्य विधायको ने आपकी सेवा मे हरियाणा विधान सभा के रूल्ज औफ प्रोसीजर एड कडक्ट औफ बिजनैस के रूल 66 के अधीन लोक महत्व के विशय मे एस0वाई0एल0 नहर के बारे मे एक स्थगन प्रस्ताव दिया है। स्पीकर साहब, पजाब मे चुनाव हो गए और जिस दिन से पजाब मे सरकार बनी है उसी दिन से हमारे मुख्यमंत्री जी ने उनकी खु ाामद करने भाुरू कर दी। इन्होने अखबारो मे बडें बडे ब्यान दिए कि सरदार बेअन्त सिंह जी बडे सुलझे हुए आदमी है बडे बडे आदमी है।, बडे भले आदमी है। कल गवर्नर साहब के ऐड्रैस मे भी गवर्नर साहब से पढवा दिया कि सरदार बेअन्त सिह स्वतन्त्रता सेनानी है। अब वह बढिया काम करेगे। जिस दिन सरदार बेअन्त सिंह जी की औथ हुई उस दिन हमारे मुख्यमंत्री जी उकसी औथ पर भी गए थे और उनको भााबासी दे कर आए थे। इन्होने उनको ना ाते पर अपने घर पर भी बुलाया था और उनको आदमपुर ले ला कर बडी अच्छी जलेबियां भी खिलाई थी लेकिन इन्होने सरदार बेअन्त सिंह जी से जो बात कही उसको उन्होने नकार दिया और कह दिया किन तो आपकी चण्डीगढ मिलेगा और अगर आप चण्डीगढ हम दोगे तो इसके बदले मे

आपको अबोहर फाजिल्का भी नही मिलेगा और न ही आपको एस0वाई0एल0 नहर का पानी मिलेगा। स्पीकर साहब, इनका स्वाद उसी वक्त बिगड गया और मीटिग के बाद ना ते के बाद इन्होन कह दिया कि यह तो अनौपचारिक बैठक थी क्योकि इनकी बात बनी नही। उसके बाद इन्होने श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला को भेज दिया और कह दिया कि जाओ श्री हरचरण सिंह बराड से बात करो। श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला पजाब के इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर श्री हरचरण सिंह बराड के पास गए। उनके पास जाने के बाद इनको उन्होने मिठाई सिठाई खिलाई और जब तक ये उनकें साथ मिठाई खाते रहे तक तक बराड साहब इनके साथ राजी रहे लेकिन जब इन्होने एस0वाई0एल0 नहर के बारे मे उनसे बात की तो उन्होने उसी वक्त इनसे कहा कि भाम ोर सिंह जी हमारे मुख्यमंत्री सरदार बेअन्त सिंह ने यह पहले ही क्लीयर कर दिया है कि हम एस0वाई0एल0 नहर का पानी नही देगे और मै भी यह बात क्लीयर करना चाहता हू कि जहा तक फैसला होगा बाद मे एस0वाई0एल0 नहर बनाने का सवाल उठेगा। स्पीकर साहब, ये गए तो थे एस0वाई0एल0 नहर को बनावाने के लिए लेकिन ये बात उठवा बैठे पानी के हिस्से की। इन्होने नए सिरे से एक नया प्र ान पैदा कर दिया एक नया इ ू रेज कर दिया फिर दोबार से एस0वाई0एल0 नहर के पानी के हिस्से का झगडा पैदा कर दिया। बज इनका स्वाद बिगड गया तो इन्होने कह दिया कि हमे चण्डीगढ की जरूरत नही है। अबोहर फाजिल्का की जरूरत नही है। यह बात यही तक नही रही है। पजाब के मुख्यमंत्री सरदार

बेअन्त सिंह ने आज फिर भटिण्डा से ब्यान दिया है उनको पिछले तीन दिन लगातार ब्यान आ रहा है कि एस0वाई0एल0 नहर का पानी हरियाणा को देने का सवाल ही पैदा नही होता और न ही अबोहर फाजिल्का के इलाके देने का सवाल पैदा होता। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Please speak to the point and be brief.

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 नहर का मामला हरियाणा प्रदे ा के किसानो की जीवन मौत के साथ जुडा हुआ है। इस पानी के न आने के कारण किसानो को करोडो रूपये का नुकसान हो रहा है। जहा भी मुख्यमंत्री जाते है तो केवल एक ही स्टेटमैंट देते है कि यह नजर एक साल मे बन कर तैयार हो जायेगी। ये कुछ कहते है और पजाब के मुख्यमंत्री कुछ कहते है कभी ये कहते है कि बी0आ0ओ0 से इस काम को छ महीने मे पूरा करा लिया जायेगा। जबकि मुख्यमंत्री पजाब कहते है कि पानी देने का सवाल ही पैदा नही होता इनके मंत्री कुछ कहते है और ये कुछ कहते है। मुख्यमंत्री तो बार बार यही कहते है कि पजाब के मुख्यमंत्री एक भले आदमी है जबकि वे हमारे हितो की बलि चढा रहे है। अध्यक्ष महोदय, यह मामला हरियाणा के हितो के साथ जुडा हुआ है।

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, your view point has come and now yoy ease take your seat. Shri Amar singh Dhanak may please speak. (interruptions) There are other memebers also who are to speak on this subject.

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै केवल एक बात के माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हू कि आज सारे कामो को रोकर इस एस0वाई0एल0 मसले पर और टैरिटीरियलय डिस्प्यूट के बारे मे सरकार अपना स्टैड क्लीयर करे और फिर सरकार अपनी दूसरी कार्यवाही भाुरू करे।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला)ः आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर।

प्रो0 सम्पतं ंसिहः स्पीकर साहब, मै आपसे जानना चाहता हू कि क्या जीरो आवर कोई प्वायट आफ आर्डर पुट कर सकता है।

श्री अध्यक्षः जीरो आवर मे भी कोई प्वायट आफ आर्डर हो सकता है।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला)ः स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर यह है कि इन्होने जो ऐडजर्नमैट मो ान दी है वह जब तक ऐडमिट नही होती उस वक्त तक ये उस पर कोई स्पीच नही दे सकते केवल ये अपने सबजैक्ट मैटर पर प्रका ा ही डाल सकते है।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, हरियाणा विकास पार्टी की और से जो एस0वाई0एल0 के लिए एडजर्नमैट मो ान मुत्र किया गया है यह हरियाणा के लिए जीवन रेखा है। इस जीवन रेखा के बारे मै बताना चाहता हू कि इस बारे मे मुख्यमंत्री महोदय

हाउस मे आज ही अपना स्टैण्ड स्पश्ट करे कि सरकार का इस बारे मे क्या स्टैण्ड है। एस0वाई0एल0 का पानी ने मिलने के कारण करोडो, बल्कि अराबो रूपये की जो फसल हरियाणा के किसानो को मिलनी चाहिए वह इसका पानी न आने के कारण यहा के किसानो का मिलनी चाहिए वह जब चौधरी बंसी लाल जी केन्द्र मे डिर्फेस मिनिस्टर थे तो उस समय इन्होने 35 लाख एकड फुट पानी हरियाणा को दिलाया था। हरियाणा मे 1 करोड 10 लाख एकड एग्रीक्लचर लैण्ड है। इस भूमि मे से सिर्फ 35 लाख एकड भूमि को ही पानी मिल रहा है यदि यह नहर बन जाती है तो हरियाणा की 35 लाख एकड भूमि को और पानी मिल सकता है। और फिर गवर्नर साहब का यह नारा भी पूरा हो जाता है जो उन्होने कहा है कि हर खेत मे हरियाली होगी और हर घर मे खु ाहाली होगी। मुख्यमंत्री महोदय के इस बारे मे पिछले दिनो से अलग अलग स्टेटमैट आ रहे है। इन्होने पिछले सै ान मे कहा था कि यह काम बी0आर0ओ0 को दे दिया है और बी0आर0ओ0 इस काम को 6 महीने मे पूरा कर देगा। 6 महीने से ज्यादा समय हो गया है लेकिन एमस0वाई0एलव का पानी हरियाणा मे नही आया है तरह तरह की बाते आज हरियाणा मे उठ रही है और लोगो मे बडी भारी बेचैनी है। लोग यह चाहते है कि जल्दी से जल्दी एस0वाई0एल0 का पानी हरियाणा मे आये। अध्यक्ष महोदय, अब हरियाणा मे सरकार काग्रेस की है पजाब मे काग्रेस की सरकार है और केन्द्र मे भी सरकार काग्रेस की है। अब इस काम को करने मे कोई रूकावट नही होनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी का ब्यान पिछले

दिनो अखबारो मे छपा था कि श्री बेहन्त सिह प्रधान मंत्री का बेटा है और मै भी प्रधान मंत्री का बेटा हू। प्रधानमंत्री जो भी फैसला देगे वह हमे मजूर होगा। आनरेबल पावर एण्ड इरीगे ान मिनिस्टर जो कि एक जिम्मेदा मंत्री है और मंत्री मण्डल मे न0 2 के मंत्री है उन्होने कहा कि हमे तो पानी चाहिए चण्डीगढ के बदले मे फाजिल्का अबोहर और हिन्दी भाशी गावो की जरूरत नही है। स्पीकर साहब, हरियाणावासी इस बात को कतई तौर पर बर्दा ात नही कर सकते तथा हमे हिन्दी एरिया चाहिए और यह फैसला एक ही टेबल पर होना चाहिए। एस0वाई0एल0 नहर को बहुत जल्दी बनाया जाना चाहिए क्योकि पजाब की धरती दलदल होती जा रही है और 50 प्रति ात पानी पजाब को फालतु मिल रहा है। दुख की बात है कि एक तरफ तो रावी ब्यास का पानी पाकिस्तान को जा रहा है और दूसरी तरफ हरियाणा की प्यासी धरती उस पानी का इन्तजार कर रही है और हरियाणा की सरकार वह पानी लाने मे असमर्थ है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूगा कि वे इस बात का स्पश्टीकरण कर दे। मैने यह एडजोर्नमैट मो ान इसीलीए दी है ताकी वह स्पश्टीकरण किया जाए कि कब तक यह नहर तैयार हो जाएगी। कब हमारी प्यास धरती को पानी मिलेगा, चण्डीगढ ट्रासफर हो कर फाजिल्का और अबोहर का फैसला का एक ही टेबल पर होगा हम यह चाहते है कि हरियाणवासियों के दिलो मे जो भारी बेचैनी है कि हमे नहर का पानी जल्दी मिले वह जल्दी मिलना चाहिए। 35 लाख एकड भूमि हमारी पानी के लिये तरह रही है। रावी ब्यास के पानी के

अतिरिक्त और कोई सोर्स पानी का नही है इसलिये यह पानी हरियाणा को मिले इस बात पर विचार किया जाए इन सब बातो पर मुख्यमंत्री महोदय स्पश्टीकरण प्रस्तुत करे और सारे हाउस को कान्फिडैस मे ले कि आनरेबल इरीगे ान एण्ड पावर मिनिस्टर ने जो ब्यान दिया है कि वह सी है अथवा इस बारे मे हरियाणा सरकार का क्या स्टैड है।

प्रो0 रामबिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, नियम 66 के तहत मैने कल आपकी सेवा मे एक स्थगन प्रस्ताव दिया है। अध्यक्ष महोंदय 26 साल से हरियाणा एक अलग राज्य के रूप मे भारत के नक ो पर है (विधन) स्पीकर साहब, पिछले दिनो पजाब मे चुनी हुई सरकार आ गई है। सयोग से केन्द्र मे पजाब मे और हरियाणा मे एक ही दल की सरकार है। हरियाणा और पजाब के बीच जो मु

ददे है जैसे नदी जल विवाद, राजधानी का फैसला, हिन्दी भाशी इलाके पिछले 26 साल से यू ही लटके हुए है और अभ तक हल नही हुए है। भाईयो के बीच बटवारे होते है बटवारे मे हरियाणा को जो चीजे मिली थी वे आज तक भी उसका नही मिल पाई है इस से हरियाणा के लोगो को ही नुक ाान हुआ है, हरियाणा कें गरीब किसान को भारी नुकासान हो रहा है। इस विवाद को हल करने के लिए कितने ही प्रयत्न हुए कितने ही कमी ान बिठाए गए, केन्द्र सरकार ने कितने ही फैसले किए, अवार्ड दिया लेकिन उनको लागू नही किया गया। पजाब सरकार ने उसको माना नही। स्पीकर साहब, दुख की बात है कि इस बारे

मे पिछले दिनो मे मत्रियो के कई ब्यान आए है स्पीकर साहब, दैनिक ट्रिब्यून हमारे भारत के बहुत ही सम्मानित अखबार है और उसके 8 तारीख के अक मे यह भीर्शक छपा था ''हरियाणा पानी के लिए चण्डीगढ छोडने को तैयार'' स्पीकर साहब, एक तरफ तो हमारे माननीय काबिल इरीगे ान और पावर मिनिस्टर लोक सभा सदस्य कलायत मे लोगो को गुमराह कर रहे थे कि हम को चण्डीगढ नही चाहिए ये 107 गाव नही चाहिए, हमे तो पानी चाहिए। स्पीकर साहब, मै अलैज करता हू कि हरियाणा सरकार यदि केन्द्र के इ ाारे पर ऐसा नही करती ओर यह हरियाणा के लोगो के हितो को अनदेखा करती है तो यह हमारे हितो को बेचने वाले कौन होते है? हरियाणा का कोई भी नागरिक चण्डीगढ को तब तक नही छोडेगा जब तक हरियाणा मे एस0वाई0एल0 का पानी नही आ जाता है। हरियाणा का कोई भी नागरिक तब से चण्डीगढ नही छोडेगा जब तक हरियाणा को हिन्दी भाशी 107 गाव और अबोहर फाजिल्का का इलाका नही मिल जाएगा। स्पीकर साहब, केन्द्र की सरकार ने कई बार फैसले दिए। हरियाणा आज तक उसको लागू नही करवा सका। कोई राजनैतिक महत्वकाक्षा के कारण कोई नाटक बाजी के कारण ये अपनी पार्टी मे बैठकर फैसला करे लेकिन हरियाणा के लोगो को गुमराह करने की कोि ा ा न करें। स्पीकर साहब, मै चाहता हू कि यह हाउस बाकी सारी कार्यवाही को स्थगित करके इस स्थगन प्रस्ताव पर विचार करे।

स्पीकर साहब, मैने एक और अहम मुददा उठाया है कि एक पत्रकारा है सतपाल सैनी, रोहतक मे उसको बेइज्जत किया गया। उसको किस तरह से दैनिक अखबार के दफतर से लाए। मैने इस बारे मे कांलिग अटैन् ान मो ान दी है।

श्री अध्यक्षः यह सैपरेट मामला है।

प्रो0 रामबिलास भार्माः स्पीकर साहब, किसी मंत्री के दामाद है जो कहते है कि मेरे खिलाफ कैसे कुछ छप सकता है प्रैस को इस तरह से आातकित किया गया और पत्रकारो को इस तरह से डराया धमकारय गया जो बहुत भाोचनीय हैं।

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी आप इस बारे मे न बोले क्योकि आपने सुबह 9.58 पर यह कालिग अटैन् ान मो ान दी है और यह अभ अन्डर कसिड्रै ान है।

प्रो0 रामबिलास भार्माः ठीक है जी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह जो तीन ऐडजर्नमैट मो ान्ज आई है इनमे बहुत अहम मुददा एस0वाई0एल0 नहर के बारे मे उठाया गया है। पिछले सै ान के दौरान मे मुख्यमंत्री महोदय ने कहा था कि इसकी कस्ट्रक ान का काम बोर्डर रोड आर्गेनाईजे ान को दे दिया गया है और पजाब इलैक ान होने के बाद बोर्डर रोड आर्गेनाईजे ान काम भाुरू कर देगी। आज तक बोर्डर रोडज आर्गेनाईजे ान कही आई नही है। स्टेटमैट कही किसी का कुछ है और कही किसी का कुछ है। दूसरी बात यह है

कि मुख्यमंत्री जी की और पजाब के मुख्यमंत्री की हम यह नही कहते की फौर्मल मीटिग थी या इनफोर्मल मीटिग थी दोनो ही कह सकते है इस बात से हमे कोई सरोकर नही है हम तो यह जानना चाहते है कि हरियाणा सरकार का स्टैण्ड क्या है इस ई ा के ऊपर दबकर बहस होनी चाहिए जो कि सदन के सब लोगो का सुननी चाहिए। उसके बाद सरकार जवाब दे क्योकि अगर यह पानी हरियाणा मे नही आया फाजिल्का अबोहर हरियाणा मे नही आया तो हरियाणा की जनता इस बात को किसी भी किमत पर बर्दा त नही करेगी औन न ही यह बर्दा त करने का मामला है इलिये जो सदन मे मुख्यमंत्री ने पिछली बार वायदे किए थे उन पर आज वे कहा तक कायम है कहा पर खडे है यह उसके बाद ही बता सकते है जब सदन के लोगो की बात ऐडजर्नमैट मौ ान के जरिए सुने। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मुख्यमंत्री जी।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, अभी जवाब कैसे आ सकता है?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, क्या इन्होने बोलने का लाईसैन्स ले लिया है? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, हम जीत कर आए है। हमे बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः कादयान जी आप बैठिए। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, आप कृप्या पहले हमारे एडवर्नमैट मो ान का फेट बताए, उसके बाद मुख्यमत्री जी यदि कुछ कहना चाहे तो कह ले।

श्री अध्यक्षः वह मै बाद मे बताऊगां। अभी आप मुख्यमंत्री जी को बोलने दे क्योकि क्लैरीफिके ान देना उनका राईट है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, जैसे वे मैम्बर है वैसे ही हम है।

प्रो0सम्पत सिहः स्पीकर साहब, पहले आप कृपया हमारी ऐडजर्नमैट मो ाक का फेट बताएं। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मुख्यमंत्री जी, आप बोलिए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, आप पहले ऐडजर्नमैट मो ान का फेट बताए। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आपने अपनी बात कह ली है। अब इन्हे अपनी बात कह लेने दे, उसके बाद मै अपनी रूलिंग दूंगा। (ाोर)

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, ये डिस्क ान के बाद ही जवाब दे सकते है।

चौधरी भजन लालः मै जवाब नही दे रहा हू। मै तो इन्टरबीन कर रहा हू और उसका मुझे अख्तियार है। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिह जी आप बैठिए और मुख्यमंत्री जी को अपनी बात कहने दे। उनको भी अपनी बात कहने का अधिकार है। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पतं सिंहः स्पीकर साहब, इन के बोलने से पहले आप ऐडजर्नमैंट मो ान फेट बातए। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Mr. Speaker Singh, you cannot comple me. It is not proper on your part. Plese be setated. Let me listen their view point before I give my decision.

प्रो0 सम्पतं सिंहः पहले आप हमारी बात सुने। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यो ने जो कहा उसके बारे मे मै निवेदन करना चाहता हू। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, बात ऐडर्नमैंट मो ान को ऐडमिट करने की है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए। (ाोर) It is not proper on your part. Let the Chief Minister have his say. वे भी इस के बारे मे कुछ कहना चाहते है।

श्री धीरपाल सिहः पहले आप हमारी बात सुने। (ाोर)

श्री अध्यक्षः मैने तीनो ग्रुपो के लीडर्ज को जिन्होने यह मो ान दी है, बोलने का समय दिया है। अब मुख्यमंत्री जी को भी मुझे सुनना है।

श्री धीरपाल सिंहः पहले आप हमारी बात तो सुने। मुख्यमंत्र जी अपनी बात बाद मे कह ले।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, क्या मेरा काम भी आपने ही करना है?

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, आप पहले हमारी बात सुने।

श्री अध्यक्षः आपकी बात तो मैने सुन ली है, लेकिन अब आप मुझे मुख्यमंत्री जी की बात सुनने नही दे रहे है मुख्यमंत्री जी कई बार बोलने के लिये खडे हुए परन्तु आपने उनको बोलने नही दिया जो कि प्रोपर नही है।

चौधरी भजन लालः सम्पत सिंह जी, क्या आप हरियाणा का हित चाहते हो या नही?

श्री धीरपाल सिंहः हम हरियाणा का हित आपसे ज्यादा चाहते है।(ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Please be seated. Now nothing will go on record if you will speak without my permission.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै आपकी परमि ान से यह कहना चाहता हू कि आप हमारी ऐडजर्नमैंट मो ान के बारे मे पहले रूलिंग दे। उस पर डिस्क ान होने के बाद ये अपना स्टैटमैट दे दे। (विघन)

Mr. Speaker: Alright all of you may please take your seats.

Hon'ble Members, I have received three notices of adjournment motion form (i) Prof. Sampat Singh and seven other Members. (ii) Shri Amar Singh and two other Members and (iii) Prof. Ram Bilas Sharma regarding S.Y.L canal etc. I have disallowed all the three adjournment motions as the discussion on the Governor's Address will start just now and you can refer to paragraph 3 of the Governor's Address in this regard. It is also a well established parliamentary practice that Session as hon. Members will get ample opportunity to raise such matters during discussion of Governor's Address, Budget and Appropriation Bill etc. (Noise and Interruptions.)

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव

जिला भिवानी मे खसरा तथा मोतीझरा निकलने संबधी

Mr. Speaker: Hon' ble Members, I have received a notice of calling attention motion No. 3 from Shrimati Chandravati regarding the eruption of measles and typhoid in district Bhiwani. I admit it. Shrimati Chandravati may read her motion and the concerned Minister may make a statement thereafter.

श्री चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहती हू कि भिवानी जिले मे बच्चो को बेहद खसरा, मिजल्स व मोतीझार निकला हुआ है तथा इसकी रोकथाम की तरफ किसी का भी ध्यान नही गया है। इसकी सबसे बडी वजह यह है कि नलो द्वारा दिया जाने वाला पानी बहुत गंदा है नल जगह जगह से टूट है और उसकी तरफ किसी का भी ध्यान नही जाता है। अतः मै निवेदन करती हू कि उक्त बीमारियो से पीडित बच्चो को भीघ्र ही मुफत दवाईया दी जाए तथा स्वस्छता आदि का ध्यान रखा जाए। डाक्टरो को मोहल्लो कस्बो तथा भाहरो मे सरकार सदन मे एक वक्तव्य दे।

बैठक का निलम्बन

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ऐडजर्नमैंट बजट सै ान मे भी आते रहते है। इसलिए आप अपनी रूलिंग पर दोबारा विचार करे। इसके इलावा, बजट सै ान में और भी बहुत से मुद्दे है जो यहा पर आने वाले है।

Mr. Speaker: There can be no discussion after my ruling.

प्रो0 सम्पत सिंहः यह तो इमिजिएट मुदा है, इसलिये आप कृपया अपनी रूलिंग पर दोबारा विचार करे।

Mr. Speaker: I am not going to oblige you. I have already given my rulling.

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, बजट सै ान मे भी ऐडजर्नमैट मो ान आ सकता है मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप हमारे ऐडजर्नमैट मो ान को ऐडमिट कर ले।

Mr. Speaker: No, no. Please take your seat. There cna be no discussion after the rulling has been given. Whatever is said without permission is not to be recorded now.

Prf. Samapt Singh:

Mr. Speaker: You cannot compel me. I have already given my rulling.

प्रो0 सम्पत सिहः मै तो आपसे रिक्वैस्ट कर रहा हू कि आप इस पर दोबारा विचार करे।

Mr. Speaker: I have already given my ruling. Now I will not change it. Please take your seat.

प्रो0 सम्पत सिहः हम तो आपसे रिक्वैस्ट ही कर रहे है।

11.00 बजे।

Mr. Speaker: No Please I am warning you that if you persist like this I shall be compelled to name you.

प्रो0 सम्पतं सिहः आपका स्वभाव तो ऐसा नही है। (ाोर)

Mr. Speaker: I shall be compelled to do so.

श्री धीरपाल सिहः हम आपसे पुनर्विचार करने के लिए तो कह सकते है। सारे प्रदे ा हित का मामला है। आप इसको दोबार देख ले।

Mr. Speaker: No, you will get tample opportunity to raise this matter during discussion on Governor's Address, Budget and Appropration Bill etc.

प्रो0 सम्पत सिहः यह तो हरियाणा के हितो की बात हैं सारे हरियाणा प्रदे ा के लोग इस बारे मे क्य चाहते है, यह कहने का मौका दिया जाना चाहिएं।(ाोर एवम व्यवधान)

लोक स्वास्थय मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): आन ए प्वयाट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, यहा पर लीडर आफ दी अपोजी ान का जो बिहेवीयर है, वह कतई ठीक नही है। जब आपने एक बात पर रूलिंग दे दी है तो उनको उसको ओबे करना चाहिए। उनको असैम्बली का टाईम इस तरह से वेस्ट नही करना चाहिए। मै इसके इलावा एक मुददा और उठाना चाहता हू। कल इन्होने गवर्नर ऐड्रैस के समय जो बिहेवियर किया, वह भी बिल्कुल

ठीक नही था। इस बारे मे आप इनको प्रताडना दे क्योकि इनका बिहेवियर ठीक नही है। ये हमे ाा इररैलेवैट बात करते है।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, हम तो आपसे रूलिग पर पुनर्विचार करने के लिए प्रार्थना कर रहे है।

Mr. Speaker: Please take your seat. I have already given may rulling. why are you then rasiing this matter again and again. it is not proper.

प्रो0 सम्पत सिहः आप सभी रूलिग को रिव्यू कर सकते है।

Mr. Speaker: I wil not review it

चौधरी जगदी ा नेहराः एक बात इन्होने कल और की। इन्होने गवर्नर ऐड्रैस की कापी फाडी है। उसके बारे मे मै यह कहना चाहूगा कि पार्लियामैट मे इन्ही लोगो ने काग्रेस के लोगो को वहा पर स्पोर्ट किया। यह बात आज हिन्दुस्तान टाइम्ज मे आई है। जो वहा इनके लीडर के बारे मे है। कहे तो मै पढ देता हू ताकि इनको यह पता लगे कि ये कहा स्टैन्ड करते है। यहा पर तो गवर्नर ऐड्रैस की प्रतिया फाडते है। और वहा पर गवर्नमैट को स्पोर्ट करते है।

प्रो0 सम्पत सिहः सैन्ट्रल गवर्नमैट का मामला एक अलग चीज है। और स्टेट गवर्नमैट का अलग चीज है। स्पीकर साहब, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप इस मामले पर पुनर्विचार करे।

Mr. Speaker: Samat Singh Ji, If you persist like this, I shall have to name you. Noise and interruptions. Please take your seat.

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, प्रेजीडैन्ट के ऐड्रैस पर वोट आफ थैक्स पर एस0जी0पी0 के मैम्ब्र्ज ने और इनके लीडर ने गवर्नमैट को स्पार्ट किया है। हिन्दुस्तान टाईम्ज मे जो लिखा है वह मै पढ देता हू।(ाोर एवम व्यवधान) इनका फर्ज है कि ये हमारी बात को सुने।

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, सैन्ट्रल गवर्नमैट को यहा पर डिस्कस करने का इनका क्या अधिकार है? स्पीकर साहब, मै आपकी रूलिग चाहता हू कि सैन्ट्रल गवर्नमैट के बारे मे क्या यहा पर डिस्क ान हो सकती है? (ाोर एवम व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत जी आप अपनी पार्टी के लीडर है। कृपया आप अपने मैम्बर्ज को चुप कराइए।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मै समझता हू कि इस पर काफी बात हो चुकी है गवर्नर ऐड्रैस पर डिस्क ान के लिए हमारे पास लिमिटिड टाईम है। इसलिए मै चाहता हू कि चन्द्रावती जी को जो काल अटैन् ान मो ान है उस पर कार्यवाही स्टार्ट की जाए और हाउस का आगे का काम चालू होना चाहिए।

Mr. Speaker: Shirmati Chandravati has already read he notice of calling attention motion. Now, the Health Minister may reply (Noise and Interruptions)

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, आप कृपया हमारी रिक्वैस्ट को तो कसीडर करे।

Mr. Speaker: Mr. Sampat Singh I have again and again requested you not to raise this matter. It is more than enough.

प्रों0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नही है, हम तो आपसे निवेदन कर रहे है।(ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: Mr. Sampat, you have crossed all teh limits to day. (Interruptions) Please take your seat and let the business procced.

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिह सुरजेवाला): आन ए प्वायट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, कल इनकी पार्टी की मीटिग थी और इस बारे मे एक पेपर मे रिपोर्ट आई है कि इन्होने फैसला किया है कि हाउस की कार्यवाही नही चलने देनी है।

श्री धीरपाल सिहः ये बिल्कुल गलत कह रहे है। (ाोर एवम व्यवधान) यह बात ठीक नही है।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, आपको इस बारे मे फैसला करना पडेगा क्योकि आपकी रूलिग की कटीन्यूस अवहेलना हो रही है। कटीन्यूअसली चेयर की डिफाईस की जा रही है। It is a deliberate attempt on their part to

disturb the business of the House and you will have to take some action against them. (Interruptions)

Mr. Speaker: Yes, It appears to be planned.

प्रो0 सम्पत सिहः ऐसी बात नही है।

Mr. Speaker: You are giving me an imjpression that it is planned and you want to stage a Walk out also.

Prof. Samapt Singh: No sir, We are requesting you to reconsider your rulling on this motion. (Interruptions and noise).

Mr. Speaker: But you cannot compel me. Ruling has already been given. Please take your seat and let the business of the Hosue proceed.

Prof. Sampat Singh: ----------

Mr. Speaker: This will no be recorded. if you still persist then I shall have to name you.

Prof. Sampat Singh: ----------

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, you are an old parliamentarian and it does not behove you. (Noise) It is not proper for you and i warn you. Please take your seat. मेंरी परमी ान के बिना जो भी बोला जाये वह रिकार्ड न किया जाए।

Prof. Sampat Singh: ----------

श्री अध्यक्षः मौका तो पब्लिक देगी। लेकिन यहा पर तो आपको कायदे कानून के मुताबिक ठीक चलना पडेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिहः .....

Mr. Speaker: Rulling has been given and you can not flout it.

अब हैल्थ मिनिस्टर महोदय अपनी स्टेटमैट पढे।

प्रो0 सम्पत सिहः .....

श्री अध्यक्षः सम्पत जी, आपने जितना टाईम खराब किया है, वह आपके अलाटिड टाईम मे से कटेगा। (ाोर एवम व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंहः.....

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए। कृपया बैठिए। हैल्थ मिनिस्टर महोदया, आप अपनी स्टेटमैट पढिए।

(इस समय जनता पार्टी के सदस्य अध्यक्ष महोदय की परमी ान के बिना खडे होकर बोलने लग गये तथा सदन के बैल मे आकर खडे हो गये और नारे लगाने लगे।)

Mr. Speaker: Please go to your seats and let the Health Minister make her statement.

(अध्यक्ष महोदय के आदे ा के बावजूद जनता पार्टी के सदस्य की बैल मे खडे होकर नारे लगाते रहे।)

Mr. Speaker: I adjorn the House for 30 Minutes.

11.12 Hours

(The House then* adjorned and re-assembled at 11-42 am)

वाक आउटस

श्री अध्यक्षः अब हैल्थ मिनिस्टर साहिबा रूलिग कालिंग अटैन ान मो ान सख्या 3 के संबध मे स्टेटमैट देगी।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि आप अपने फैसले को रिव्यू करे और हमारी ऐडजर्नमैट मो ान को ऐडमिट करे क्योकि यह बहुत अहम मामला है।

Mr. Speaker: Please take your seat. आप हैल्थ मिनिस्टर साहिबा को जवाब देने दे। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, उनका जवाब तो पढा हुआ मान लिया जाए। (ाोर)

श्री अध्यक्षः सम्पत जी, आप जिस तरह से बोल रहे है यह सही तरीका नही है। I warn you. If you behave like this, I

will name you. डैमोक्रेसी मे एक सही तरीका है कि डिस्क ान करके किसी बात का हल निकाला जाए और जो कम्पीटेट अथोरिटी है उसकी रूलिग उसके डिसीजन को मान जाए (ाोर) यह कोई जगल का राज नही है। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, हम इनकी धरूट मैजोरिटी के आगे झुकेगे नही। (ाोर)

Mr. Speaker: Please take you seat. I again warn you that I will have to name you.

सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, आप कृपया अपने फैसले को रिव्यू कर लीजिए।

Mr. Speaker: You should know it that the decision will no be reviewed. Please take your seat and let the businesas proceed.

श्री धीरपाल सिहः स्पीकर साहब, हम आपसे यही बिनती करते है कि आप अपने फैसले को रिव्यू करे और हमारे मो ान को ऐडमिट करे। (ाोर) यह बडा अहम मुद्दा है। हरियाणा प्रदे ा का हर साल 100 करोड रूपए का नुकसान हो रहा है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आपको बोलने का खुला टाईम मिलेगा उस समय आप जो कुछ कहना चाहे वह कह लेना। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, हम तो आपसे रिक्वैस्ट कर रहे है कि आप अपने फैसले पर दोबारा विचार करे ले और हमारी मो ान को ऐडमिट कर लें। (ाोर)

Mr. Speaker: No, no. Rulling has been given. Please take your seat now. (Interruptions and noise)

श्री सतीबीर सिंह कादयानः केवल आप ही लोगो क `नुमायदे नही है। (ाोर)

(इस समय जनता पार्टी के सदस्य खडे हो कर अध्यक्ष ही इजाजत के बगैर बोलने लगे।)

Mr. Speaker: Mr. Sampat Singh Ji, you are the leader of the Opposition. You should control your members.

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए।

Mr. Speaker: Please do not persist and take your seat.

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, आप मुझे को तो सुन ले।(ाोर)

श्री अध्यक्षः भार्मा जी, आप बैठिए। चौधरी बंसी लाल जी कुछ कहना चाहते है पहले इनको बोल लेने दे।

श्री ंबंसी लालः स्पीकर साहब, हमारी इच्छा तो यह थी कि आप हमारे सब के सब ऐडजर्नमैट मो ाज को ऐडमिट कर लेते और उन पर डिस्क ान हो जाती। लेकिन अब आपकी रूलिग आ गई है और आप रिव्यू नही कर रहे है ंमै समझता हू कि डैमोक्रेसी का यही तरीका है कि हम आपकी रूलिग को माने परन्तु जो रूलिग आपकी तरफ से आई है वह हमे पसन्द नही है। यह बात हरियाणा के हितो के खिलाफ जाती है। इसलिये हम तो एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते है।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कर गए।)

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महादेय, एस0वाई0एल0 नहर का मामल हरियाणा के हितो के साथ जुडा हुआ है जो ऐडजर्नमैट मो ाज आई है उनके ऊपर जो आपकी रूलिग आई है उसको अगर आप रिव्यू नही करते तो हम भी एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करते है।

(इस समय श्रीमती चन्द्रावती और श्री वीरेन्द्र सिंह भी सदन से वाक आउट कर गए।)

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह हरियाणा का महान सदन है। एस0वाई0एल0 नहर, चण्डीगढ और अबोहर फाजिल्का के मुद्दे आस मे मिले है। इसमे बडा मुद्दा हरियाणा

के लिए नही हो सकता है। जो तीन ऐडजर्नमैट मो ाज आई है उनको आप ऐडमिट करे।

श्री अध्यक्षः भार्मा जी आप लैक्चर न दे। भाार्ट मे ही अपनी बात कहे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, मै भाार्ट मे ही अपनी बात कहना चाहता हू मेरी आपसे यह रिक्वैस्ट है कि आपने जो अपनी रूलिग दी है उसको आप रिव्यू करे। सदन के ऐडजर्न होने से पहले सी0एम0. साहब भी कुछ कहना चाहते थे। वे भी इस बारे अपनी बात कह दे। कि क्या कुछ कहना चाहते थे।

Mr. Speaker: I have already given my rulling. It will nto be reviewed.

प्रो0 राम बिलास भार्माः अगर आप इसको रिव्यू नही करते तो मै भी एज ए प्रोटैस्ट वाक आउट करता हू।

(इस श्री राम बिलास भार्मा सदन से वाक आउट कर गए।)

सदस्यो का नाम लेना/सदस्यो का निलम्बन/बैठक का निलम्बन

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, जब हमारी तरफ से स्थगत प्रस्ताव रखा गया था तो उस वक्त आपने बोलने का मुझे आपने बोलने का मुझ काफी मौका दिया था। उस समय बोलते

समय हुए मैने बताया था कि यह स्थगज प्रस्ताव क्यो हमारी तरफ से रखा गया है और सारी स्थिति क्लीयर करने की कोि ा ा की थी इसमे कोई दो राय नही है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप लम्बा लैक्चर न दे। आप पहले ही काफी बोल चुके है।

प्रो0 सम्पत सिहः ठीक है जी। अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि हरियाणा प्रदे ा के सारे म ुद्दे एक तरफ और एस0वाई0एल0 नहर का मुद्दा एक तरफ। हरियाणा गवर्नमैट पानी के मामले को ठीक तरह से नही ले रही है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप बार बार वही एक बात कर रहे है । आप बैठिए।

प्रो0 सम्पत सिहः आप हमारी बात को सुनिए तो सही। (ाोर)

Mr. Speaker: No, please. I have already disallowed the adjournment motions. That is all. Please allow the House to proceed.

Prof Sampat Singh: Speaker, Sir.....

श्री अध्यक्षः जो अब इनकी तरफ से कहा जाए वह रिकार्ड न किया जाए।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, ... (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, ... (ाोर)

श्री सतबीर सिंह कादयानः स्पीकर साहब, ... (ाोर)

साथी लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मेरा एक ऐडजर्नमैट मो ान है। पलवल मे डाक्टर अम्बेदकर के स्टैच्यू को खडित किया गया है। यह उस महान आदमी का बडा भरी अपमान हुआ है।(ाोर)

श्री अध्यक्षः आप तो वाक आउट करके गए है अब आप कैसे बोले रहे है ?

साथी लहरी सिंहः मै वाक आउट करके गया था लेकिन अब वापिस आ गया हू। स्पीकर साहब, मेरा कहना है कि जो ऐडजर्नमैट मो ान मैने इस बारे मे दिया था उसका क्या बना।

Mr. Speaker: That matter is under consideration.

Prof. Sampat Singh: Mr. Speaker, Sir, kindly permit me to make a submission.

Mr. Speaker: I have alreday disallowed your adjournment motions If you still persist, I shall have to name you.

Prof. Sampat Singh: Mr. Speaker Sir,.....

Mr. Speaker: Sampat Singh Ji, please take your seat. You are forcing me to take some action against you.

Prof. Sampat Singh: No, Sir, we are not forcing you but we are requesting you to kindly reconsider your rulling. (Interruptions)

श्री अध्यक्षः सम्पत जी, इस गुलस्तो मे नही हद से गुजरना अच्छा।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, जब से लोग हरियाणा के हितो को सैलआउट करेगे तो हम हर हद पर करेगे। हम भी सीमा पार कर सकते है।

We will agitate against every move of the Government.

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन लोगो की तो प्लानिग है कि हाउस को चलने नही देगे। (विघ्न एवम ाोर) यह प्रजातन्त्र है और लोगो ने हमे चुने कर यहा पर भेजा है। जो बात हो, वह कायदे कानून से होनी चाहिए। जो कुछ ये कर रहे है यह प्रजातन्त्र का तरीका नही है।(विघ्न एवम ाोर)

प्रो0 सम्पत सिहः प्रजातन्त्र की बात हम भी जानते है लेकिन यह मामला यहा उठाना जरूरी है।

Mr. Speaker: Shri Sampat Singh, your conduct is most unbercoming and dsiorderly. I name you. You may leave the House.

(The hon. Member did not leave the House and continued speaking)

Mr. Speaker: Marshal, please take him out of the House.

(At this stage the Sergeant at Arms went to Prof. Sampat Singh. But the members ct Janat Party surrounded him and prevented the Sergenat at Arms from excutting the orders of teh Chari and raised slogans.)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण आप अपनी सीट पर जाए और सार्जेंट एट आर्म्ज और वाच वार्ड स्टाफ को अपनी डयूटी करने दे, नही तो मुझे मजबूरन आपको भी नेम करना पडगा।

श्री धीरपाल सिंहः हम ऐसा नही होने देगे।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य गण, मै आपसे फिर रिक्वैस्ट करता हू कि आप अपनी सीट पर जाए और हाउस की कार्यवाही चलने दे, वना मुझे आप सब को नैम करना पडेगा।

(The members of the Janata Party did not go to their seats. They continwed surropundign Prof. Sampat Singh raising stegans and even came to the well of the House)

Mr. Speaker: I also name Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh. They may please leave the House.

(The Hon. Memers did not withdraw the Hose of inticued speaking without permission and raising slogans)

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ैंर सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, आपके आदे ा के बावजूद ये सदन से बाहर नही जा रहे है औ बैल मे आकर नारेबाजी भी कर रहे है जो कि ठीक बात नही हैं और सदन की मर्यादा के खिलाफ यह इनकी प्लानिग है कि इन्होने हाउस की कार्यवाही को नही चलने देना है। इसलिए मजबूर होकर आपकी इजाजत से मै मूव करता हू।

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application the motion regarding the suspension of Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh.

Mr. Speaker: Motion moved-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application the motion regarding the suspension of Sarvshri

Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh.

Mr. Speaker: Question is-

That Rule 104 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the House be suspended in its application the motion regarding the suspension of Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh.

The motion was carried.

Irrigation and Power Minsiter (Shri Shamsher Singh Surjewala) Sir, I beg to move-

That on 10-3-199, members of this House namely Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw form the House and continued to defy his orders. They committeed gross contempr of teh House and breach of privillege. This House suspends themselves form the meetings of this House during this week of the present Session.

Mr. Speaker: Motion moved-

That on 10-3-199, members of this House namely Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw form the House and continued to defy his orders. They committeed gross contempr of teh House and breach of privillege. This House suspends themselves form the meetings of this House during this week of the present Session.

Mr. Speaker: Question is-

That on 10-3-199, members of this House namely Sarvshri Balwant Singh, Bharath Singh, Daryao Singh, Dhir Pal Singh, Jai Pal singh, Jaswinder Singh, Krishan Lal, Mani Ram, Ramesh Kumar, Ram Kumar Katwal, Satbir Singh Kadian, Suraj Bhan and Zile Singh having been named by the Hon'ble Speaker did not withdraw form the House and continued to defy his orders. They committeed gross contempr of teh House and breach of privillege. This House suspends themselves form the meetings of this House during this week of the present Session.

The motion was carried.

12.00 बजे

Mr. Speaker: I request all the members of the Janata Partty, who have been suspended to leave the House.

(The hon. members did not withdraw form the House and continued raising slcgans.)

Mr. Speaker: Marshal, please take them out of the House with the aid of Watch and Ward Staff.

(The Hon. members continued raising slongs and prevented the Sergant at Arms. and the Watch and Ward staff from executing the orders of the Speaker.

Mr. Speaker: Marshal, please execute my orders with the aid of Watch and Ward Staff.

The conduct of Shri Sampat Singh Leader of the Opposision and other members of his party has been most unbecoming which has compelled me to give such orders.

In the mean time, I adjourn the House for half an hour.

12.10 Hrs.

(The House * then adjorned and re-assembled at 12-40 p.m)

जनता पार्टी के सदस्यो को सदन से बाहर ले जाने संबधी मामला

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः Speaker, Sir I want to make some submission. स्पीकर साहब, आज सुबह से सदन बहुत ही खल बल मे चल रहा है। ऐडजर्नमैट मो ाज बहुत ही इम्पोटैट इ ूज पर आये और वे डिस अलाउ हुए। हमे मान्य हो या न हो लेकिन आपकी रूलिग सिर माथे पर। उसके प चात जहा तक आपके पार्ट का ताल्लुक है बहुत समझ से काम लिया गया लेकिन

आखिर मे आपने अपनी विजडम मे एक फैसला लिया और हमारे सजाप साथियो को नेम किया।

श्री अध्यक्षः उन्होने मजबूर किया।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः आपका स्टाफ जिस तरीके से और जिस हिसाब से तरीका प्रचलित, उसके हिसाब से उनको हाउस से बाहर निकाले, इस बारे मे किसी को कोई आपत्ति नही हो सकती परन्तु इस बारे मे बडे ही अफसोस की बात है कि एल0पी0 सिक्योरटी पुलिस के लोग, सी0आई0डी0 के लोग हाउस मे घुसे और उनकी मदद से मैम्बर्ज को निकाल गया। ऐसी बात देखने मे इस हाउस मे इससे पहले कभी नही आयी। यह बात बहुत ही निन्दनीया है। अगर हम पुलिस को यहा तक आने की छूट देगे और वह भी आप जैसे व्यक्ति के होते हुए तो कैसे बात बनेगी यह बात मै आपके नोटिस मे लाना चाहता था। उन मैम्बर्ज को पुलिस की मदद से निकाला गया है। एम0पी0 सिक्योरिटी यहा तक आये है केवल मै अकेला ही यह बात नही कर रहा हू सभी लोगो ने उनको देखा है। प्रैस के लोगो ने उनको देखा है। वे जानते है कि ये पुलिस के लोग है, ये सी0आई0डी0 के लोग और ये सिक्योरिटी के लोग है। हमे इस बात पर आपत्ति है और मै आपके नोटिस मे यह बात लाना चाहता था कि विधान सभा मे जब आप जैसे स्पीकर हो तो इस प्रकार का काम बिल्कुल नही होना चाहिये। यह निन्दनीय है। जितनी इसकी निन्दा की जाये, उतनी ही कम हैं।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह बहुत ही लायक और पुराने मैम्बर है। क्या किसी ने कभी भी इस तरह को मौहाल हरियाणा असैम्बली को देखाा था जैसे आज का माहौल था। इन लोगो का बर्ताव ठीक नही था। इसके पीछे बडी भारी साजि ा थी और साजि ा यह थी कि सदन की कार्यवाही को नही चलने देगे। जब लीडर आफ दि हाउस खडे हुए तब भी ये लोग खडे हो गए, यह कोई अच्छा तरीका नही था। एक बार नही तो बीस बार इन्होने ऐसा भद्दा व्यवहार किया। लोक सभा मे भी प्राईम मिनिस्टर खडे होते है। क्योकि उनको किसी भी समय इटरवीन करना पडता है और लीडर आफ हाउस किसी भी समय इटरबीन कर सकते है हम आपकी दाद देते है कि आप आपने बडे सयम से काम लिया और बडी नम्रता से काम लिया। स्पीकर साहब, इसी सै ान की बात नही है कि ऐसा वातावरण रहा हो पहले भी ये लोंग यही करते है । होना तो यह चाहिए था कि एक स्वर से उनके काम की कडैम करना चाहिए था क्योकि उनका तरीका ठीक नही था। श्री वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पुलिस की मदद से उनको निकाला गया। स्पीकर साहब, ऐसी कुछ बात नही है। सी0आई0डी0 के थोडे से लोग हाउस से बाहर थ और वे भी आपके इजाजत से। आप जानते है कि आज हालात ठीक नही है। दे ा के प्रधान मंत्री राजीव गांधी की उग्रवादियो ने हत्या की। आज हालात बहुत खराब है। आज कोई भी आदमी कही आ सकता है। लोगो क देख रेख क लिए सी0आई0डी0 के लोग है हाउस से बाहर थे और वे भी आपकी

इजाजत से। आप जानते है कि आज हालात ठीक नही है दे ा के प्रधानमंत्री राजीव गाधी की उग्रवादियो ने हत्या की। आज हालात बहुत खराब है। आज कोई भी आदमी कही आ सकता है। लोगो की देखरेख के लिए कुछ सी0आई0डी0 के लोग है लेकिन जो लोग बहार निकाले गए है वे स्पीकर साहब की इजाजत से और उनके वाच एण्ड वार्ड के स्टाफ द्वारा निकाले गए है।

श्री अध्यक्षः ठीक है। They were members of my Watch and Ward staff.

वक्तव्य–

स्वास्थय मंत्री द्वारा जिला भिवानी के खसरा तथा मोतीझरा निकलने संबधी ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पर

Mr. Speaker: Now the Health Minister may please make a statement on the calling attention motion of Shrimati Chandravati.

स्वास्थय मंत्री (बहिन करतार देवी): अध्यक्ष महोंदय, जिला भिवानी मे मियादी बुखार व खसरा रोग की महामारी के रूप मे फैलने के बारे कोई सूचना नही है। वर्श 1991 मे हरियाणा राज्य मे मियादी बुखार के 2069 मरीज पाये गये थे और इसी अवधिा के दौरान खसरे से 105 रोगी पीडित हुए थे। उपरोक्त मरीजो मे से 107 मरीज मियादी बुखार के और 20 मरीज खसरा रोग के जिला भिवानी से सूचित किए गये थे। मास जनवरी व फरवरी, 1992 के दौरान जिला भिवानी मे मियादी बुखार के 4

और खसरा रोग के 4 मरीज सूचित किए गये हैं उपरोक्त आकडो से यह स्पश्ट है कि उपरोक्त रोगो ने हरियाणा राज्यश मे जिला भिवानी मे महामारी का रूप धारण नही किया।

स्वास्थय विभाग हरियाणा राज्य के जनसधारण की चिकित्सा सम्बन्धी जरूरती के प्रति पूरी तरह से जागरूक है। विभाग द्वारा इन बीमारियो की रोकथाम के लिए राज्य तथा जिला भिवानी मे जो उपाय किये गये है उन उपायो का ब्यौरा अनुबन्ध ''ए'' तथा ''बी'' मे दिया गया है।

जिला भिवानी मे वर्श 1991 मे पानी के 199 सैम्पल लिए गये जिनको कीटाणुओ के लिए टैस्ट करवाया गया। इसमे से 124 सैम्पल पास आये और केवल 75 सैमपल फेस आए। इन 75 सैम्पलो के लिए पानी के स्त्रोतो की कलोरिने ान करवाई गई। मास जनवरी व फरवरी, 1992 मे जिला भिवानी मे पानी के 57 सैम्पल लिए गये जिनमे से 37 सैम्पल पास आए और 20 सैपल फेल हुए।

इन बीमारियो के बारे मे यदि कोई वि ेंश घटना सरकार के ध्यान मे लाई जाये तो सरकार उसके बारे मे सभी आव यक उपाय करेगी ताकि बीमारियो की रोकथाम हो सके।

माननीय सदस्या के ध्यान मे यह लाया जाता है कि खसरे की बीमारी पानी से नही फैलती।

ANNEXURE 'A'

Following steps have been are being taken for Prevention and Control of these Diseases in Haryana State.

1. Regular chlorination of all the sources of drinking water was ensure;

2. To check the quality of drinking water, reapeated testing was done for residual chlorine;

3. In Haryana State 301 water samples were tested from Ice Factories for Bacteriological contamination of 122 samples were declared unfit and action was initiiated against these factories;

4. For improving the quality of drinking water a District Level Committee was founded under the Chairmanship of Deputy Commissioner, which included Public Health & Municipal officers, District Panchayat & Development Officers and Civil Surgeons was notified. As per notification this committee will meet atleast once in a month form April to September. This Committe will take all the Necessary steps possible at district level for improving the quality of dringking water. It will help in resolving inter departmental problems and exchange of date e.g; ealeages detected amd samles test for chlorination and bacteriological contamination.

5. In the event of spread of any such infection, arrangements have been made at the level of Civil Surgeons for treatment and containment of these diseases. All the necessary material medicines have been made avilable to the Civil Surgeons.

ANNEXURE 'B'

Preventive Measures agaist Measles

Measles is one of the six vaccine preventable diseases and immunisation against measles is being vigorously carried out through outh the State. The annual target of measles vacciantion for 1990-91 of the State was 4,33,00 against which 389159 immunisations were performed giving 89.81% achievement. During 1991-92 the target is 434050 against which 330913 vaccinations have been performed so far giving 91-48% achievment of the proportionate target of 397880.

As regard maasles vacccination in district Bhiwani, against the proportionate targets of 30470 upto February, 1992, 25681 immunisations have been given uprto February, 1992 giving 84.28% of the proportionate target.

Instructions have already been issued to carry out special campaign of measles immunicsation on 16th March, 1992 with the assistace of Voluntary Organisations throughout the State to achieve the target within the stiputlate period.

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महादेय, ये फिगर्ज जो दी है ये 1991 की है लेकिन मैने जो कुछ बताया है वह 1992 क बारे मे बताया है कि इस समय ये बीमारियां फैली हुई है। स्पीकर साहब, कोई गाव नही बचा है जहा भी मै गई हू वहा की पर पांच दस केसिज है और कही पर दस बारह केसिज है। विधन दादरी मे भी है। मुझे व्यक्तिगत रूप से सारे हरियाणा के बारे मे पता नही है इसलिए मैने सारे हरियाणा का नही लिखा लेकिन मुझे टेलिफोन

पर इतलाह दी गई है कि वहा कोई डाक्टर आदी नही गये है। क्या डाक्टर्ज को मौका पर भेजा गया है और क्या पानी वगैरह की जांच करवाई गई है ? वहा पर पानी गंदा है। नल टूट जाते है और सिवरेज तथा पीने का पानी आपस मे मिल जाता है। इस दि ाा मे कुछ लोग तो काम करते ही नही है। ये पुरानी फिगर्ज है। मै लेटैस्ट पोजी ान जानना चाहती है कि क्या गांव मे कोई डाक्टर गया है या नही। मेरी रिक्वैसस्ट है कि गावो मे और मोहल्लो मे डाक्टर्ज को भेजा जाए, गाव मे पानी की जांच करवाई जाए। बच्चो को टीके लगावाए जांए और दवाइया दी जाए। मैने खुद केसिज देखे है कही ऐसा न हो कि महामारी फैल जाए और जानो का नुकसान हो।

बहिन करतार देवीः स्पीकर साहब, आदरीणय बहिन जी ने जो सवाल किया था उसके मुताबिक मैने जवाब दिया है। इसमे पुरानी फिगर्ज भी है और दो महीने की भ फिगर्ज है। जहा तक इन्होने लिखा है उसके बारे मे मै कहना चाहती हू कि इस बीमारी का कारण पानी नही है। एक गांव जिसका नाम झूपाकला है वहा पर डाक्टर्ज ने 35 केसिज की तसदीक की है लेकिन ये केसिज वायरल फीवर के है वहां पर डाक्टर्ज ने स्लाइड ली है और देखा कि वे मलेरियाा फीवर के केसिज तो नही है। स्पीकर साहब, जैसे ही 5.30 बजे मुझे नोटिस मिला मैने लोहारू की फिगर्ज के बारे मे जानकारी ली .....

श्रीमती चन्द्रावतीः बाढडा और दादरी का भी आप पता करे।

बहिन करतार देवीः बाढडा की फिगर्ज नही है। हम बीमारियो कापे रेगुलर कन्ट्रोल करने की स्कीम बनाते है। डिप्टी कमि ानर की अध्यक्षता मे डिस्ट्रिक्ट लैवल पर एक कमेटी बनी होती है। जिसमे एस0ई0 पब्लिक हैल्थ, म्यूनिसिपल कमेटी का प्रैजीडैन्ट और हमारा सी0एम0ओ0 होता है। यह कमेटी लगातार अप्रैल से लेकर सितम्बर तक मीटिग करते है और पानी की जांच करते है। इस बारे मे तो पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर बता सकते है कि पानी की क्या पोजी ान है। हर महीने यह देखा जाता है कि पानी गन्दे होने के कारण बीमारी तो फैलने का खतरा नही है। जब भी ऐसा होता है सभी जगहो पर पानी की सैम्पलिग करवाई जाती है। अबकी बार भिवानी मे वर्श 1991 मे पानी के 199 सैम्पल लिये गये जिनको कीटाणुओ के लिये टैस्ट करवाया गया। इनमे से 124 सैम्पल ठीक थे और केवल 75 सैम्पल ठीक नही थे। बाद मे इन 75 सैम्पलो के लिए पानी के स्त्रोत की कलोरिने ान करवाई गई। मास जनवरी व फरवरीए 1992 मे जिला भिवानी मे पानी के 57 सैम्पल लिये गये जिनमे से 37 सैम्पल ठीक थे और 20 सैम्पल ठीक नही है। इन बीमारियो से सम्बन्धित यदि कोई वि ोश घटना सरकार के ध्यान मे लाई जायेगी तो सरकार उसके बारे मे सभी आव यक उपाय करेगी ताकि बीमारियो की रोकथाम की जा सके। इसके साथ साथ मै इस माननीय सदन के ध्यान मे यह बात लाना

चाहती हू कि सरकार और स्वास्थय विभाग जनता की भलाई के लिए पूरी तरह से सजग है। जैसा कि आपको पता होगा कि पिछले दिनो हमारे पडोसी राज्यो हिमाचल और दिल्ली मे भी काफी हैजा फैला हुआ था लेकिन इसका असर सब से कम हरियाणा मे हुआ था। इन बीमारियो की देख रेख के लिए हमने सब से ज्यादा टीमे नियुक्त की हुई है। चाहे लोग हमारे पास इस इलाज के लिये आए न आए लेकिन हमारी टीमे लोगो के पास जा जा करके उनका इलाज करती है और हर समय पर लोगो की सेवा के लिए सजग रहती है। इसी तरह से हमने पोलियो की 100 परसैन्ट इरैडीके ान के लिए भी प्रोग्राम बनाया है। जो कि इस महीने की 16 तारीख से भुरू होगी। जैसे बहिन जी ने बाढडा और दादरी का वि ोश तौर से जिकर किया है। मै उनको वि वास दिलाती हू कि उनके एरियाज मे हर प्रकार के पूरे साधन जुटाये जाएगे और अच्छे डाक्टरो की टीम भी भेजी जाएगी। लेकिन इस वक्त लेटैस्ट सूचना मेरे पास उपलब्ध नही है।

श्रीमती चन्द्रावतीः झूप्पा कला गाव अकेले मे ही हैजे के 35 केसिज की बात है। (ाोंर)

बहिन करतार देवीः बहिन जी, वह अब की बात नही है। वह तो सितम्बर मास की बात है। (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री महोदय के नोटिस मे एक बात और लाना चाहती हू कि जहा तक

हस्पतालो मे दवाई का सम्बन्ध है वह भी गरीब आदमियो को नही मिलती। बेचारे से ही लेते है अव्वल तो दवाईया हंस्पतालो मे होती ही नही। अगर होती भी है तो वे कर्मचारी बाजारो मे बेच देते है और लोगो को कोई दवाई वगैरह नही दी जाती न ही किसी मैम्बर्ज को ही दवाईया मिलती है। यह बिल्कुल तथ्य है। यह एक कडवा सच है। मै बिल्कुल सही पता नही है। मै यह बात निजी अनुभव के आधार पर कह रही हू। कुछेक जगहो पर तो मुझे लोगो ने भी इस बारे मे ि ाकायत की है। इसलिये मै सरकार से प्रार्थना करती हू कि वे इस मामलो को और वि ोश ध्यान दे ताकि लोगो का, बच्चो का ठीक समय पर सही इलाज करवाया जा सके। गरीब जनता को किसी प्रकार की सुविधाए न हो, सरकार इस और वि ोश ध्यान दे। सरकार को इस तरह से प्रबन्ध करने चाहिये ताकि बीमारियो आगे न फैले। यह बात स्पीकर सर, बिल्कुल सही है कि गन्दे पानी की वजह से ही बिमारिया फैलती है। वह सब से बडी समस्या है। सरकार को इस बारे मे स्तर्क रहना चाहिये।

श्री अध्यक्षः ठीक है, अब आप कृपया बैठिए।

राज्य पाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now discussion on Governor's Address will take place. Shri Anand Singh Dangi may move his motion.

Chaudhri Anand Singh Dangi Meham: Sir I beg to move-

'' That Address be presented to the Governor in the following terma

That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deply gratefully to the Governor the Address which he has been pleased to deliver to the House the 9th March 1992.

आदरीणय अध्यक्ष महोदय, कल दिनांक 9.3.1992 को आदरीणय राज्य पाल महोदय ने अपना अभिशण, इस हरियाणा प्रदे ा के विकास और उत्थान की जो बाते है, उस सम्बन्ध मे जो यह हरियाणा सरकार करने जा रही है, इस सदन मे दिया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य बने आज 25 वर्श पूरे हो गये है और 1 नवम्बर, 1991 से 31 अक्तूबर 1992 तक हरियाणा प्रदे ा रजत जयन्ती वर्श मना रहा है। प्रदे ा के चहुमुखी विकास के लिए 25 सुत्रीय कार्यक्रम सरकार द्वारा तैयार किया गया है। इसमे प्रदे ा मे आपसी भाई चारे, आपसी मेलजोल और प्रदे ा के चहुमुखी विकास की बाते मुख्यरूप से रखी गयी है। लेकिन एक बात मै कहना चाहूगा एक तरफ तो माननीय मुख्यमंत्री और हरियाणा प्रदे ा की सरकार इस प्रदे ा के अन्दर भाई चारा, प्रेम और आपसी मिलाप पैदा करना चाहती है और दूसरी तरफ इस सदन के अपोजी ान के नेता, जो कि उनके कुकृत्य की वजह से सदन से बाहर निकाल दिए गए, कुछ दिन पहले ओढा गावं मे एक पब्लिक मीटिग मे यह कहा था और खले भाब्दो मे कहा था कि

हरियाणा प्रदे ा भी पजाब की तरह से जलने लगेगा। स्पीकर साहब, अपोजी ान के नेता इस तरह की बात कहेगे तो इस प्रदे ा मे भाान्ति कैसे लाई जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह की बाते करना जनता के लिए, पूरे समाज के लिए बडी घातक बाते है। लेकिन मै बधाई देता हू आदरणीय मुख्मंत्री माहोदय को, पूरी हरियाणा सरकार को कि इन्होने हर तरह से इस प्रदे ा के विाकस के लिए चहुमुखी योजनाए भाुरू की है। उसमे सब से पहले प्रदे ा के अन्दर के विकास के चुनाव करवाए, नगरपालिकाओ के चुनाव करवाए और बहुत ही जल्द हमारी पचांयत समितियो के चुनाव भी सम्पन्न होने जा रहे है। पंचायतो और नगरपालिकाओ के चुनाव की प्रक्रिया पूरी सदभावना , पूरे प्यार और भाईचारे के साथ सम्पन्न हुई जिसके लिए सरकार को बधई की पात्र है। आज हमारे प्रदे ा की कानून व्यवस्था हर तरह से कन्ट्रोल मे है। पिछले चार सालो मे जो सरकार थी उस समय कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नही रही गई थी। उस समय किसी बहिन बेटी की इज्जत सुरक्षित नही थी। इस सरकार ने आने के बाद सब से पहले कानून व्यवस्था को ठीक करने का जो लोगो को वायदा दिया हुआ था उसको पूरा किया। हम आज दावे के साथ कह सकते है कि हरियाणा प्रदे ा के अन्दर आज हर भाई बहिन अपने आप को सुरक्षित मानता है। इसमे कोई भाक नही कि यहा पर कुछ आतकवादी घटनाए हुई लेकिन वे घटनाए किसी के बस की बात नही है क्योकि दे ा का माहौल और हालत ऐसे बने हुए है। सारे दे ा मे आतकवाद फैला हुआ है। इस पर

कन्ट्रोल करने के लिए हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने वि ोश कमाडो दस्ते बनाए है और इनकी चार कम्पनियो मे भरती की है। उसके बाद मै समझता हू कि कही इक्का दुक्का घटना के अलावा कोई घटना नही हुई। इसका दुक्का घटना भी इसलिए हुई कि पजांब मे आतकवादियो पर मिल्टरो पा पूरा दबाव है और इस वजह से वे चोरी छिपे हरियाणा मे आ कर लोगो कोई वारदात कर गए। वरना प्रदे ा की आम जनता के लिए हालात ठीक है और लोग सुरक्षित है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने चहुमुखी उत्थान के लिए अलग अलग वर्ग के लिए अगल अलग योजनाए चालू की है। बुढापा पैन ान जो पिछली सरकार ने 65 सालो के लोगो के लिए की थी, उसमे आधे के करीब केस ऐसे थे जो 40 से 55 साल की उम्र के लोगो पैन ान लिया करते थे। वे लोग भी ऐसे ही थे जिस ढग से ये लोग यहा पर बैठ कर कर्म कर रहे है। इन्होने अपनी ग्रीन ब्रिगेड के लोगो को उत्साहित करने के लिए 100—100 रूपयो पैन ान देने का काम भाुरू किया था। अब बुढापा पैन ान को सही ढग से लागू किया गया है और 65 साल से घटा कर 60 साल की उम्र की गई है।

13.00 बजे

पिछली सरकार ने जिन हरिजन जातियो के बुजुर्गो और पिछडे वर्ग के बुजुर्गो को पे ान देने से नैगलैक्ट कर दिया था यानी हमारे बुजुर्गो जो पिछडी जाति और हरिजन जाति से संबध रखते थे पिछली सरकार के समय मे उनकी पै ान नही हुई थी।

अब इस सरकार ने वि ोश रूप से ध्यान दे करके बुढापा पे ान मे हर वर्ग के 60 साल के बुजुर्ग को पे ान देने का उचित प्रोग्राम बनाया। सरकार की बुढापा पै ान देने की पालिसी के अधीन जो भी बुजुर्ग आता था उसको सरकार ने पै ान का हक दिया है। आज हर महीने की पहली तारीख को पूरे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर पै ान पहुच जाती है। पिछली सरकार के समय मे जो 100 रूपये पै ान दी जाती थी। उस 100 रूपये मे से हर बुजर्गे माता ने हम बुजुर्ग से 10 रूपए वापिस मागवा लिया जाते थे ओर कहा जाता था कि ये 10 रूपए हरियाणा के विकास के लिए खर्च किए जाएगे। पूरे हरियाणा प्रदे ा के बुजुर्गो के पास हर महीने के 80 लाख रूपए का आज तक कही पर भी किसी तरह का कोई हिसाब किताब नही है। वह जो हर महीने बुजुर्गो से 80 लाख रूपया वापिस मंगवाया जाता था वह सारे का सारा पैसा अपनी कुनबा परस्ती पर, अपने भाई चारे मे और गलत काम करने के लिए और गुण्डे पालने के लिए प्रयोग किया जाता था।

अध्यक्ष महोदय, आज आदरीणय चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने पूरे दे ा मे एक बहुत ही अच्छा काम किया है। हमारी इस सरकार ने पूरे हिन्दुस्तान मे लडकियो को बी0ए0 तक की ि ाक्षा फ्री ि ाक्षा ही नही बल्कि जो गरीब घराने की लडकिया है। पिछडे वर्ग की लडकिया है और जो अनुसूचित जातिया की लडकिया है जिनके पास कोई साधन नही है उनको किताबो और वर्दी के लिए फ्री कपडा देने का सरकार ने फैसला

किया है। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से हमारे समाज मे एक क्राति आएगी क्योकि जब तक हमारी बहिन बेटिया पढेगी नही तब तक हमारा घर, हमारा परिवार और हमारा समाज अच्छी तरह से नही चल सकता। लडकियो को प्रोत्साहन देने के लिए समाज को सुधारने के लिए आदरीणय चौधरी भजन लाल जी ने और इनकी सरकार ने लडकियो को बी0ए0 तक की फ्री एजूके ान देने का जो प्रोग्राम बनाया है यह बहुत ही सराहनीय कदम है। पूरे दे ा मे इस तरह की कहीपर भी मिसाल नही है। अध्यक्ष महोदय, गावो के अन्दर महिलाओ के लिए कई तरह की सुविधाए चालू की है। गावो मे कम्यूनिटी भाोचालय बनाए गए है। जिनके बारे मे पिछले सै ान मे आदरणीय बहिन श्रीमती चन्द्रावती जी ने एक सुझाव रखा था कि हर गाव मे महिलाओ के लिए भाोचालय बनाए जाए क्योकि आज हर गाव मे ऐसे हालात बन गए हैं कि महिलाओ को रात के समय बाहर घूमने के लिए जगह नही मिलती है। उस सै ान के बाद इस सरकार ने यह फैसला किया कि हर गावं मे कम्बाइड कम्यनिटी लैटरिन बनाई जाए। आज हर गांव मे तकरीबन सभी जगहो पर कम्बाइड कम्यूनिटी लैटरिन बनाने का कार्य भाुरू हो गया है। इसी तरह से और भी बहुत सी सुविधाए महिलाओ के लिए देने के बारे मे सरकार का ध्यान दे रही है। इसी महीने की 8 तारीख को करनाल के अन्दर महिलओ के उत्थान के लिए एक वि ोश महिला सम्मेलन किया गया था जिसमे महिलाओ के लिए सरकार की तरफ से भिन्न भिन्न तरह की सुविधाए देने का प्रावाधान किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा एक कृशि प्रधान दे ा है और लगभग 90 प्रति ात जनता कृशि पर निर्भर है इसलिए कृशि को बढावा देने का हमारी सरकार का परम कर्तव्य बनता है। पिछले सालो की निस्बत इस साल हर फसल का रिकार्ड तोड उत्पादन हुआ है और उस उत्पादन को देखते हुए मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल महोदय ने हरियाणा प्रदे ा के सारे किसानो को प्रोत्साहित करने के लिए एक फैसला किया है कि जो किसान बढिया फसल पैदा करेगे चाहे वह गेहु की फसल है, चाहे कपास की फसल है, चाहे धान की फसल है और चाहे वह गन्ने की फसल है उनको ईनाम दिया जाएगा। ब्लौक स्तर, जिला स्तर और राज्य स्तर पर बढिया फसल पैदा करने वाले किसान को ईनाम दिया जाएगा। जो किसान जिला स्तर पर बढिया फसल पैदा करके फर्स्ट आएगे उनको 10 हजार रूपये और दूसरे नम्बर पर आने वाले किसान को 5 हजार रूपये और तीसरे नम्बर पर आने वाले किसान को 3 हजार रूपए ईनाम के दिए जाऐगे। इसके अलावा जो किसान सारी स्टेट मे नम्बर एक पर आयेगा उसको 20 हजार रूपऐ का ईनाम सरकार की तरफ से दिया जायेगा। यह ईमान कृशि को बढावा देने के लिए अच्छा कदक है। कृशि के उत्थान के बिना, बढिया खेती की फसल के बिना हमारे प्रदे ा की किसी तरह से भला नही हो सकता । इसके साथ साथ बढिया खेती और फसल के लिए पानी की अत्यन्त आव यकता है और इस पानी की बात को लेकर हमारे सदन मे कुछ साथियो ने एस0वाई0एल0 नहर के पानी के बहाने हगामा किया और यहा पर बडा भारी भाोर

भाराबा किया। जो हमारे से महानुभाव यहा पर बैठे थे वे एक वि ोश किस्म के इसान हैं। अध्यक्ष महोदय, यहा पर चाहे गवर्नर महोदय के अभिभाशण की बात हो प्रदे ा की और दूसरी कोई हित की बात है वे हरि बात मे डिस्टर्ब करना एक अधिकारी या समझने लगे है। मै कहना चाहता हू कि जब पीछे उनकी चार साल सरकार रही तब इस मामले पर उन्होने कभी कोई चर्चा नही की। तब से उसका ध्यान नही गया कि किसान के खेत सूख रहे है। उन चार सालों मे उन्होने चार साल सरकार रही तब इस मामले पर उन्होने कभी कोई चच्र नही की। तब उना ध्यान नही गया कि किसान के खेत सूख रहे है। उन चार सालो मे उन्होने सिवाये कुनबापरस्ती के और इस दे ा और प्रदे ा को बर्बाद करने के और कोई काम नही किया। मै दावे के साथ कहता हू। आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय, इस पार्टी और सरकार की तरफ से कहता हू कि चाहे पानी का मसला है, चाहे एरिया का मसला है और चाहे चण्डीगढ का मसला है या इसके अलावा प्रदे ा के हित मे और कइ बात है हमारी सरकार बडी से बडी कुर्बानी देने के लिए एक जुट हो कर लडेगी। हम किसी तरह की बेइन्साफी हरियाणा के साथ सहन नही करेगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बालवाडी के उत्थान के लिए भी वि ोश ध्यान दिया है हार्टिकल्चर उत्थान के लिए चाहे कोई किसान सेब की फसल पैदा करता है या अगूर व दूसरे फलो की फसल पैदा करता है उन किसानो को भी अपनी फसल

को बढावा देने के लिए ईनाम उसी तरह से रखा जैसे अनाज आदि फसल पैदा करने वाले किसान को दिया जायेगा। सरकार उनको इस और रूचि पैदा करने पर ध्यान देते हुए उनको भी पहले नम्बर पर आने वाले किसान को जिले मे 10 हजार रूपये, दूसरे नम्बर पर आने वाले किसान को 5 हजार रूपए और तीसरे नम्बर पर आने वाले किसान को 3 हजार रू0 ईनाम देगी और जो किसान फलो की पैदावार मे स्टेट मे नम्बर एक आयेगा उसको 20 हजार रूपये इनाम के दिए जाएगे।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदे ा के रजत जयन्ती के अवसर पर किसानो के हितो के लिए, इस प्रदे ा के उत्थान के लिए और किसान वर्ग के चहुमुखी विकास के लिए 28.2.1992 को रोहतक मे एक सम्मेलन हुआ ''हमारा गांव हमारा खेत''। अध्यक्ष महोदय, इस सम्मेलन मे किसानो ने बहुत बढ चढ कर हिस्सा लिया। वहा पर जो लोग आये हुए थे और जो आफिसर यहा से गए हुए थे उनसे उन लोगो ने पूरा लाभ उठाया। 28 फरवरी, 1992 को जहा चौधरी भजन लाल जी की सरकार ने इस प्रदे ा की भलाई के लिए, किसानो की भलाई के लिए, इस दे ा के मजदूरो की भलाई के लिए और इस प्रदे ा के उत्थान के लिए एक रजत जयती समारोह मनाया वहा दूसरी तरफ जो लोग इस सदन से अपने कुकृत्यो की वजह से सदन से निकाल दिए है। यही लोग 28 फरवरी को मेहम मे लागो की गोलियो से भून रहे थे।

श्री अध्यक्षः तैमूर लग की औनाद का भाब्द ऐस्सपंज कर दिया जाये।

चौधरी आन्नद सिंह डांगीः अध्यक्ष महोदय, हर जमाने मे कोई न कोई ऐसा व्यक्ति पैदा होता है जो दे ा प्रदे ा और सामज को हर तरफ से बदनाम होता है। मै खुले भाब्दो मे कह सकता हू कि हरियाणा मे आज भी एक तैमूरलंग मौजूदा है जिस का नाम .....है। जो कुछ आज हाउस मे हुआ है वह सारी की सारी कार्यवाही के लिए पिपली मे 9.00 बजे एक मीटिग की गई।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, तैमूरलग के साथ जो इन्होने नाम लिया है यह ठीक नही है। मै प्रार्थना करता हू कि हाउस मे किसी का नाम नही आना चाहिए। because he cannot defend himself on the floor of the House.

श्री अध्यक्षः नाम न लिया जाए।

चौधरी आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर साहब, मैने कोई गलत बात नही कही है। विघन किसी को भी इस बात को महसू नही करना चाहिए। जो बात आज हाउस मे हुई है उससे यह बात बिल्कुल सामने आ गई है कि कल स्वर्गवासी जनता पार्टी के लोगो ने पिपली मे एक मीटिग की थी। (विघ्न) समाजवादी जनता पार्टी का तो अब मै ''स्वर्गवासी जनता पार्टी'' ही कहूगा। क्योकि इलैक ान कमी ान ने इस पार्टी की मान्यता समाप्त कर दी है

और अब यह पार्टी स्वर्ग सिधार चुकी है। इस पार्टी के लोगो ने कल ही यह प्रोग्राम बनाया था कि हाउस की कार्यवाही को चलने नही देना है। हाउस मे चाहे कोई काम हो उसमे हर तरह से विघ्न डालने की मन ाा इन लोगो की पहले से ही तय थी। अध्यक्ष महोदय, मै तो सिर्फ इतना ही कहूगा कि एक तरफ तो सरकार हरियाणा प्रदे ा के 25 वर्श पूरे होने पर रजत जयन्ती मना रही है जो भाासन मे बैठकर लोगो को बरबाद करते रहे। अध्यक्षम महोदय, यहा एक बात यह आई कि क्या कोई नई नहर या माईनर इस सरकार ने आने के बाद बनाई है। पिछले 4 साल मे जो सरकार रही उसने हमारी माईनरो, खालो ओर नहरो का ऐसा हाल कर दिया था कि 50 या 60 परसैट पानी भी उनमे नही चल सकता था। हमारी सरकार ने आने के बाद उनकी मिटटी और रेत निकाल कर टेल उनमे पानी न पहुचे तो उन नहरो का कोई फायदा नही है। किसान एक एक बूद पानी के लिए तरसता है। हमारी सरकार ने पिछले 6 महीनो मे जितनी भी नहरे या माईनर थे उनकी मिटटी निकलवा कर उनकी सफाई करवाई है और अब मै समझता हू कि 95 प्रति ात टेल पर पानी पहुच हुआ हे। एम0आई0टी0सी0 के जो खाल पक्के किए गए थे वे तकरीबन टूटे पडे थे और उनकी मुरम्मत नही हो रही थी। हमारी सरकार ने आने के बाद उनकी मुरम्मत करवाई है।

अध्यक्ष महोदय, इस के साथ ही मै एक बात कर्जा माफी के बारे मे कहना चाहता हू कि पिछली सरकार ने हमारे

गरीब वर्ग कौ हर तरह से दबा कर रख दिया था। कर्जा माफी का बहाना ले कर, कर्जा माफी का झांसा दे कर इन्होने लोगो के वोट हासिल किए। उस झासे मे आ कर लोगो ने बार बार कर्जे लिए और उन पर ब्याज पर ब्याज चढता गया और वे इन्तजार करते रहे कि चौधरी देवी आएगा, चौधरी औम प्रका ा चौटाला आएगा और हमारे कर्जे माफ होगे लेकिन लोगो पर कर्जे चढता गया। आज सरकार ने हमारे आदरीणय मुख्यमंत्री जी ने कर्जे पर जो ब्याज था पिछले सात साल का वह हमारे आदरीणय मुख्यमंत्री जी माफ कर दिया है इस प्रकार हमारी सरकार ने लगभग 51 करोड रूपये का ब्याज लोगो का माफ कर दिया हैै। ब्याज माफी के बाद यह बात सामने आई है कि लोग अब अपने कर्जे आद करने मे रूचि ले रहे है और लोगो ने अपने ब्याज माफ करवा कर अपना कर्जा सरकार को वापिस दिया है। उसके बाद आज दोबारा फिर हर भाई को जिस काम के लिए कर्ज की जरूरत पडे हमारी सरकार हर तरह से उनको प्रोत्साहन दे रही है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने गन्ने का भाव पूरे दे ा के अन्दर ज्यादा दिया है। 49 रूपये क्विटल गन्ने का भाव चौधरी भजन लाल की सरकार ने दिया है। लेकिन इसमे मे अपनी राया से एक बात कहना चाहूगा कि फसल को पैदा करने मे जितनी दिक्कत होती है, जितनी मेहनत होती है उनके हिसाब से 49 रू0 भी कम पडते है और 49 रू0 का आकडा भी भायद ठीक नही है। इसको 50 रू0 या 51 रू0 क्विटल करे। इस सीजन के किसानो की भलाई के लिए 50 रू0 या 51 रू0 क्विटल जरूर कर दे। इसके साथ साथ

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने पचायतो के पचो को पहचान पत्र दिए ताकि वे नगर के किसी भी अधिकारी के पास जाकर अपनी समस्या को रख सके और अपनी समस्याओ को निपटर सके। इसके साथ साथ मै मुख्यमंत्री जी से यह भी निवेदन करना चाहूगा कि जो पंच और सरपच है जिनको हर रेज अपने गांव के काम के लिए ब्लौको मे जाना पडता है उनका ब्लौक लैवल तक का किराया भी माफ कर दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने इस प्रदे ा के चहुमुखी विकास के लिए उधोगो को बराबर बढावा दिया है। पिछले चार साल के राज मे उधोग लगभग खत्म हो गए थे क्योकि हर हफते उधोगपति को उस समय के मुख्यमंत्री औम प्रका ा चौटाला के पास हाजिरी लगानी पडती थी। हाजिरी लगाने की बात नही थी बल्कि करोडो रूपए उनसे बटोरे जाते थे और वे बेचारे अपने उधोगे और इण्डस्टरीज को हरियाणा से उठाने के लिए तैयार हो गए लेकिन आज दोबारा हमारी सरकार अथक प्रयन्त से उधोगो को बसाने की कोि ा ा कर रही है।

श्री पीर चन्दः आनन्द सिंह जी, रूपए तो आप ही इकटठे करके उनको देते थे। (ाोर एवम व्यवधान)

Mr. Speaker: No interruption please.

चौधरी आनन्द सिंह डागीः अध्यक्ष महोदय, जो माननीय साथी ने रूपयो की बात की है कि यही उनको इकटठे करके दिया करते थे। अध्यक्ष महोदय, उस सरकार मे मै अढाई साल तक पद पर रहा और मे पूरे सदन मे दावे के साथ कह सकता हू कि उस

अढाई साल मे पिछली सरकार के टाईम मे जब एस0एस0एस0 बोर्ड बदनाम था नौकरियो के लिए पैसा चलता था, मै दावे के साथ कह सकता हू कि कोई भी यदि साबित करता है कि उस समय मैने एक भी पैसा लिया हो तो मै एक लाख रूपए तक देने के लिए तैयार हू यह मै सदन मे आ वासन देता हू। (ाोर) अध्यक्ष महोदय, ऐसे घटिया लोगो मे मै बात नही करना चाहिता।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, अभी जो घटिया भाब्द का इस्तेमाल किया है उसे प्रोसिडिग से निकाल जाए। यह हमारे मैम्बर्ज को कह रहे है।

चौधरी आनन्द सिंह डागीः अध्यक्ष महोदय, मेरी बात को चौधरी बसी लाल जी समझे नही। मैने जो घटिया भाब्द इस्तेमाल किया है। वह मैने इनके मैम्बर को नही कहा बल्कि दूसरे के बारे मे इस्तेमाल किया है। जोकि पिछली सरकार मे घटिया थे और जो उस घटिया कामो को वजह से आज दिखाई नही देते। वे तो यहा तक कहते थे कि आनन्द सिंह डागी को चाहे कुछ भी हो जाये विधानसभा मे नही जाने देगें । आज मै तो सदन के बीच मे खडा हू और उन लोगो का पता नही कि वे कहा पडे है ? अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि इस प्रदे ा की सरकार ने चहुमुखी विकास के लिए उधोगो को भी बढावा दिया है। (घटी) हर तरह से सरकार ने विकास की बात की है चाहे ि ाक्षा की बात हो, चाहे स्वास्थय की बात हो, चाहे वह पीने के पानी की बात हो। हमारी सरकार ने पीने के पानी की सुविधा के लिए 31

मार्च तक हर गाव मे पीने के पानी को पहुचाने का वायदा किया है और हमे उम्मीद है कि जिस ढग से कार्य चल रहा है उससे 31 मार्च तक हमारे प्रदे ा के हर गांव मे पीने का पानी लोगो को मिलेगा। इसी ढग से खेलो के क्षेत्र मे भी सरकार की तरफ से खिलाडियो को वि ोश प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसी तरह से सडको के निर्माण के लिये, जो पिछली सरकार के समय मे बिल्कुल खराब हो गयी थी, गाडी चलाने के काबिल नही थी, इस हरियाणा प्रदे ा की सरकार ने 21 करोड रूपये का प्रावधान रखा और इस 21 करोड से सडको की रिपेयर करने का सरकार का इरादा है और 31 मार्च तक पूरे प्रदे ा की सडको की रिपेयर करने का सरकार ने वायदा भी किया है इसलिये मै वि वास के साथ कह सकता हू कि 31 मार्च तक प्रदे ा की सारी की सारी सडके कम्पलीट रूप से ठीक हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह सेी जी0टी0 रोड का मामला है। इस पर अब जो फोर लेन का काम किया जा रहा है वह पिछली सरकार के समय मे रूक गया था क्योकि उन लोगो ने पैसा हथियोने की कोि ा ा की थी और इसलिये ही ठेकेदार बीच मे ही काम को छोडकर चल जाता था। अब हमारे और हमारी सरकार के प्रयत्न से इस मार्ग पर दोबारा काम भाुरू हो गया है और 1994 तक जैसा कि राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण मे कहा है जो हमारी सडको की फोरलेन की जान है इनको पूरी तरह से बना दिया जायेगा।

इसी तरह से सरकार ने प ाुधन के बारे मे अच्छी नस्ल को प्रोत्साहन देने के लिये किसान को प्रोत्साहन देने के लिये, गरीब लोगो को प्रोत्साहन देने के लिये, प ाुओ की नस्ल सुधारने के लिए दूसरे दे ाो से सीमन मगाने का प्रोग्राम बनाया है। इसके साथ जो प ाु अच्छा दूध देते है तथा पूरे प्रदे ा मे प्रथम आते है उनको सरकार की तरफ से इनाम देने का प्रावधान भी सरकार ने किया है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हरियाणा रोडवेज की बसे पिछली सरकार के राज मे बहुत ज्यादा बर्बाद कर दी गयी थी। घटी ये बसे समाजवादी जनता पार्टी के लोगो ने तोडी थी और जला दी थाी। हमारी सरकार ने अब दोबारा वही स्थिति प्राप्त करने के लिए लगभग 500 बसे खरीदी है और आने वाले समय मे लगभग 600 बसे और आने की सभावना है। इसके साथ साथ मै यह कहना चाहूगा कि हमारी बसो मे सवारियो के लिये कोई वि ोश सुविधा नही है खासकार गाव मे हर स्थान पर हमारी माताओ और बहिनो को दुख का सामना करना पडता है। सवारियो का र ा होने की वजह से बसो मे चढने उतरने मे बहुत दिक्कत की बात है। इसके लिये मे यह निवेदन करूगा कि इस बात मे सुधार करने के लिए जिस ढग से दिल्ली मे महिलाओ के लिये सीटे रिजर्व्ड है उसी तरह से हमे हरियाणा प्रदे ा की रोडवेट की बसो मे भी यह सुविधा उपल्ब्ध करानी चाहिए ताकि हमारी माताओ और बहिनो को आने जाने मे किसी तरह की कोई दिक्कत न हो।

उधोग मंत्री (श्री लक्षमन दास अरोडा): यह तो हमने कर दिया है।

चौधरी आनन्द सिंह डागी: चलो, अच्छी बात है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे इस सरकार ने इस प्रदे ा के विकास के लिये जिन नीतियो की घोशणा की है, उनको देखने से यह महसूस होता है कि हमारा प्रदे ा हर तरफ से चहुमुखी उन्नति की तरफ जा रहा है। मै इस अभिभाशण का अपनी तरफ से पुरजोर समर्थन करता हू और आ ाा करता हू कि हमारी सरकार जो जो बाते इस अभिभाशण मे लाई है जनता की सुविधा के लिये, इस प्रदे ा मे चुहमुखी उन्नति लाने के लिये हर तरह से लग्न के साथ उनको कार्यान्वित करेगी। इन भाब्दो के साथ मै आपका धन्यवाद करता हू।

बैठक का समय बढाना

एक आवाज: स्पीकर साहब, हाउस का टाईम बढा दीजिए।

श्री अध्यक्ष: कितना बढा लें।

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल: आधा घटा बढा लो।

श्री बंसी लाल: आधे घटे से काम नही चलेगा।

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब कल भी टाईम बढा लेगे। आज मैम्बर्ज ने खाना भी नही खाया है। इसीलिये आधा घटा ही काफी है। कल भी बढा लेगें।

श्री बसी लालः हमने तो एक बात कही थी कि आपको रोजाना 2–3 घटे बढाने पडेगे। 3 घटे तो जाये चले गयै आधा घटा बढाकर क्या करोगे।

चौधरी भजन लालः चलो, घटा बढा लेते है।

श्री बंसी लालः 3 घटे जो जाया हो गये, उनको तो सीधे ही बढा दी। एक घटा और बढा दो।

श्री अध्यक्षः यदि हाउस सहमत हो तो हाउस का समय एक घटा बढा दिया जाये।

आवाजेः जी हा।

श्री अध्यक्षः हाउस का समय एक घटा बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री राम पाल सिंह कवर घरोडाः स्पीकर साहब, मेरे साथी श्री आनन्द सिंह डागी ने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया है। मै उस का अनुमोदन करने के लिये खडा हुहा हू। सबसे पहले तो मुझे एक बात का दु:ख है। एक तरफ तो अपोजी ान के साथी खास तौर पर अपोजी ान के

लीडर कहते है कि एक समय बहुत कम है। लेकिन हाउस की बिजनैस ऐडवाईजरी कमेटी ने जो टाईम रखा हुआ है उस टाईम का सदुपयोग न करके, यहा पर टाईम का हिसाब किताब नही देखते है। इससे यह पता चलता है कि वे किसी मामले पर बोलने के लिए कितने इन्ट्रैस्टिड है या जनता की समस्याओ को यहा पर रखने के लिए कितने सीरियस है। खेद की बात यह है कि वे अब यहा पर उपस्थित नही है। प्रैस के बैठे हुए भाइयो ने भी देख लिया हे कि वे किसी समस्या को हल करने मे इन्ट्रैस्टिड नही है क्योकि आज तक उन्होने एक भी काम नही किया है। जब जब भी उनको सरकार से बाहर जाना पडा है उन्होने कोई न कोई लुभावना नारा देकर हरियाणा की भोली जनता को इस बात के लिए उकसाया है कि आने वाले चुनावो मे उनको वोट देकर उनको राज्य थमा दे जिसकी मिसाल हमारे सामने है उन्होने न्याय युद्ध के नाम पर जींद के अन्दर एक रैली की। उसके अन्दर जिस एस0वाई0एल0 के बारे मे हमारे लीडर आफ दी अपोजी ान बोल रहे थे, यह कहा गया कि यह हरियाणा की लाईफ लाईन है। उन्होने एक बात कही थी कि मुझे एक बार राज सम्भाल दो, मै हरियाणा मे एस0वाई0एल0 का पानी ला दूगा। स्पीकर साहब, मै अपोजी ान के भाईयो से पूछना चाहता हू लेकिन क्या करू वे तो यहा पर है नही कि उन्होने इस दि ाा मे क्या काम किया ? चौधरी देवी लाल और औम प्रका ा चौटाल ने एस0वाई0एल0 को बनाने तथा हरियाणा मे पानी लाने कें बारे मे कुछ नही किया। इन्होने एक और मुख्यमंत्री बनाया। उसके बारे मे तो मै कुछ

कहना नही चाहता क्योकि वे मेरे दोस्त है। उनको ऊपर से जो भी आदे ा आते थे उनकी पालनाप करते थे। स्पीकर साहब, चौधरी देवी लाल ने प्रका ा सिंह बादल से दोस्ती निभाने की खातीर एक भाब्द भी एस0वाई0एल0 के बारे मे नही कहा। इसके बाद लोगो ने देखा कि चौधरी देवी लाल ने पानी लाने के बारे जो वायदा किया था उसका कुछ नही किया तो लोग ि ाकायत करने लगे। इस पर चौधरी देवी लाल ने कहा कि भाई मै क्या करू सैन्टर के अन्दर काग्रेस की सरकार है और वहा से पैसा मिलता नही है। अगर आप एक बार मुझे सैन्टर मे भिजवा दो, दिल्ली की सरकार मे भेज दो तो मै सैन्टर से पैसा लेकर दूगा। नोटो की म ाीन ला कर दूगा। उस म ाीन को हरियाणा मे गाड दूगा और वह म ाीन तभी वापिस जाएगी जब आप कहेगे कि हमारा नोटो से पेट भर गया है। स्पीकर साहब, जब चौधरी देवीलाल सत्ता से बाहर होते है तभी उनको किसानो के हित की बात याद आती है और उनको भाहरी और देहात की बात याद आती है। वे कभी भाहरो की, देहातो की बात करके आपस मे लडवाना चाहते है। स्पीकर साहब, मै राज्यपाल महोदय को बधाई देना चाहता हू कि हरियाणा के अन्दर जो भाी इलैक ान हुए चाहे वे विधान सभा के थे या पार्लियामैट के थे उनमे इतना अच्छा इन्तजाम किया और इनते निश्पक्ष चुनाव करवाए कि राज्यपाल महोदय बाधाई के पात्र है। इन लोगो को बुथ कैपचरिग नही करने दी और यही कारण है कि आज ये लोग सत्ता से बाहर बैठे है। स्पीकर साहब, मेरे साथी ने बहुत सारी बातो का जिकर कर दिया

है और मै केवल उन्ही बातो का जिकर करूगा जिनका उन्होने नही किया है जिनको उन्होने टच नही किया है, मै उन्ही बातो पर बोलूगा। स्पीकर साहब, कोई ऐसा राज्य नही है जहा पर ऐजीटे ान न हुआ है। जब से चौधरी भजन लाल ने सत्ता की बागडौर सम्भाली है हर समस्या को बातचीत से इन्होने सुलझाया है। जब भी लोगो ने कोई कठिनाई सामने रखी इन्होने उसको हल किया। चाहे वे पुलिस वाले थे या सरकारी कर्मचारी थे, किसी ने भी कोई ऐजीटे ान का मार्ग नही अपनाय। कुछ लोगो ने पुलिस वालो ने कहा है कि हम मुख्यमंत्री जी से बातचीत करे अपनी समस्या का निपटारा करेगे। ि ाक्षको ने कहा था कि हम धरना देगे जब विधान सभा का अधिवे ान भ्ारू होगा लेकिन अब उन्होने कहा है कि हम बातचीत से समस्या का हल निकालगे। स्पीकर साहब, जिस सस्था ने भी ऐजीटे ान का नाम किया मुख्यमंत्री जी ने उनके लिए बातचीत के दरवाजे खोल दिए और कहा कि आप आधी और मेज पर बैठकर अपनी समस्या का समाधान करो, अपनी समस्या को सुलझाओ। स्पीकर साहब, उनकी समस्यओ को सुलझाने हमारी परम कर्तव्य है। मुख्यमंत्री जी के आ वासन पर उन्होने ि ाक्षको ऐजीटे ान करने से इन्कार कर दिया और अपना ऐजीटे ान वापिस मे लिया है।

स्पीकर साहब, टैरोरिस्ट ऐक्टीवीटीज के बारे मे मेरे साथियो ने जिकर किया था। आपको याद होगा कि पिछले दिनो हिसार के अन्दर एक बस पर हमला करके यात्रियो की हत्या कर

दी थी लेकिन इन अपोजी ान के भाईयो ने उसको भी राजनैति रंग देने की कोि ा ा की। इन लोगो ने कहा कि ये हत्याए चौधरी भजन लाल ने करवाई थी। और सारे का सारा दोश चौधरी भजन लाल के सर मढने की कोि ा ा की। इन भाईयो ने कहा कि टैरोरिस्टो से मिलकर भजन लाल ने हत्याए करवाई थी। यह कितने घिनौनी बात है जो ये लोग करते है। स्पीकर साहब, ये लोग मेहम के काड को भूल गए। वहा के लोगो ने केवल यह कहा था कि चौधरी देवी लाल अब हमारे हल्के का आदमी चुनाव लडेगा लेकिन चौधरी देवी लाल से यह बात सही नही गई। उन्होने यह इरादा बनाया कि श्री आन्नद सिंह डागी को मेहम से चुनाव नही लडने देगे ओर जब श्री डांगी उनके मुकाबले मे खुडे हो गये तो उन्होने पुलिस द्वारा गोलियो चलवाई। चौधरी सम्पत सिह जी यहा पर बडे बढ चढ कर बोल रहे थे मै उनसे एक बात जानना चाहता हू पहले तो इन्होने अपने घन्श्ठि मित्र श्री अमीर सिंह, जो कि वही से इलैक ान लड रहे थे, को अपने पास खाने पर बुलाया और बाद मे मित्र द्रोह करके उनकी हत्या करवा दी। यह कितनी घिनौनी बात इन लोगो ने की। कितने दुख और भार्म की बात है। यह केवल इसलिये किया गया कि मेहम के चुनावो को टाल दिया जाए। यह सारा प्रोग्राम इन्होने औमप्रका ा चौटाला को जितवाने के लिये ही बनाया था। लेकिन इनके यह इरादे पूरे नही हो पाए। एक तरफ तो उस मासूम बेचारे अमीरसिंह की चिता जल रही थी और दूसरी तरफ इन्होने पुलिस द्वारा डांगी के घर पर गोलिया

चलवानी भुरू कर दी। इस तरह से पुलिस को भी इन्होने गल्त ढग से इस्तेमाल किया।

अध्यक्ष महोदय, सम्पतंसिह जी अपना यह समय भूल गए जब उनके जमाने मे 30–30 हजार रूपये लेकर के पुलिस की भर्ती हुई थी। इनके जमाने मे जो पुलिस की भर्ती हुई थी उसमे भर्ती हुए लोगो का आज 30 हजारी के नाम से पुकारा जाता है। अध्यक्ष महोदय, हमने एक तीस हजारी कोर्ट का नाम तो पहले दिल्ली मे सुना था। लेंकिन अब यह दूसरा नाम इन लोगो ने अपने काले कारनामो से, लोगो को दिलवाया है। इस बारे मे अगर ये अपने गरेबन मे मुह डाल कर देखे तो इनको अपनी करतूतो का पता चलेगा कि इन्होने अपने वक्त मे क्या क्या बाते काले काम किये है।

अध्यक्ष महोदय, डागी साहब ने महिलाओ के बारे मे कुछेंक बाते यहा पर रखी लेकिन दो चार बाते कहन रह गई है जिनका मै जिकर करूगा। सब से पहली बाात जो इस सरकार ने महिलाओ के भले की की है। वह है कि तीन महीने के प्रसुति अवका ा को बढाकर 6 महीने कर दिया गया है (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।) उपाध्यक्ष महोदय सरकार ने यह सुविधा गर्भवती महिलाओ के लिये दी है जो कि एक बडा ही सराहनीय कदम है। हमारी इस चौधरी भजन लाल की सरकार ने महिलओ की ग्रेजुऐ ान तक की ऐजुके ान को भी फ्री कर दिया है। और साथ मे यह भी किया है कि लडकियो को फ्री पुस्तके और कपडे

भी मुहैरूया किये जाएगे। इस से बढिया का काम सरकार का और क्या हो सकता है? इस से गरीब लोगो को काफी राहत मिली है। यहां तक ही उपाध्यक्ष महोदय, बात नही रूकती। चौधरी भजन लाल जी की हमारी पापुलर सरकार ने एक और अच्छा काम कर के इस राज्य का नाम ऊंचा किया है कि जो कन्याए टैक्नीकल ऐजुके ान के लिए जाएगी, उनको भी फ्री ऐजुके ान दी जाएगी। इतना ही नही इस काम के लिये सरकार ने एक सैपरेट डायरैक्टोरेट भी खोल दिया है ताकि महिलाओ के लिये ज्यादा से ज्यादा सुविधाए प्रदान की जा सके और महिलाए वि ोश रूप से अपनी रूचि इस और दिखाए। सचमूच मे यह सारे प्रोग्राम सराहना के काबिल है। इस से पता चलता है कि हमारी सरकार महिलाओ के उत्थान के प्रति कितनी रूचि रखती है।

इसी तरह से ऐग्रीक्लचर के बारे मे भी कुछ कहना चाहूगा कि इस गवर्नर साहब के ऐड्रैस मे किसानो को इनामो व कई तरह से प्रोत्साहन दिये जाने के बारे मे भी जिकर किया गया है। आपने देखा होगा कि किसानो को उनकी पैडी की फसल का इतना अच्छा भाव दिया गया है कि पहले कभी नही दिया गया था। इसका उसकर यह हुआ है कि दूसरे प्रदे ाो की पैडी भी हमारी मडियो मे भाव मे बढौतरी के कारण बिकने को आ रही है। जिसके कारण हमारे मार्किटिग बोर्ड को काफी लाभ हो रहा है। इसके बाद उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हू कि सरकार

ने कृशि के लिये अपेक्षित महत्वपूर्ण पदार्थ किसानो को उनकी दहलीज तक पहुचाने की पर्याप्त व्यवस्था की है।

इसके साथ साथ पानी की बात भी कही गई कि माईनर्ज को साफ करके टेलो तक पानी पहुचाया जाएगा ताकि किसानो को किसी प्रकार की अुसविधा न हो। हमारी सरकार ने एक काम किया है कि एग्रीकलचरिस्ट का सूद माफ कर दिया है लेकिन मै इसके साथ एक बात और कहना चाहता हू कि जो किसान और मजदूर मिल कर खेतो मे काम करते है उनकी हालत आज भी खसता है। वे बेचारो आज भी गरीबी की रेखा से नीचे ही है। ऊपर नही गये है। ऐसे गरीब छोटे किसानो और मजदूरो की और भी सरकार को ध्यान देना चाहिये जिनकी मेहनत से इस प्रदे ा की काया कल्प हुई है। मै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि इनका भाी सुधार करने के लिए हमे अधिक से अधिक स्कीमे गावो की तरफ से जानी होगी क्योकि 80 प्रति ात लोग देहात मे रहते है जब तक किसान और मजदूर की काया कल्प नही होगी, उनको अच्छी सुविधाए नही मिलेगी तब तक यह दे ा पूरी तरह से प्रगति नही कर सकता । मेरे भाई ने पुलिस फोर्स का भी जिकर किया। आप देखते है कि महामहिम राज्यपाल महोदय ने बतया कि पुलिस के लिए एक हाउसिंग कारपोरे ान कायम किया गया है। इनके लिये पहले मकानो का प्रावधान नही होता था इसलिये इनकी फैमिलिज इनसे दूर रहती थी। अब इसके लिये भी सरकार ने पर प्रयत्न किया है कि इनको हर साल मकान बना कर दिए

जाए ताकि वे अपने बच्चो के साथ रह सके। इसी तरह से इसमे एक्स सर्विस मैन के लिए प्रावधान रखा गया है। जो लोग हमारी सेवाए बोर्डर पर करते है उनके लिए तथा उनके बच्चो के लिए भी सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये प्रावधान किया गया है। यही तक नही हमारे जो फ्रीडम फाइटर है जिनकी वजह से हम आज आजादी का मजा चख रहे है उनके परिवारो के लिए भी प्रावधान किया गया है उनकी फैमिलिज की, बच्चो की सहायता के लिये या लडकी या बहिन की भाादी के लिए सहायता करने का प्रावधान किया जाना तथा खेती के मामले मे भी उनकी पूरी सहायता की जाएगी यह एक सराहनीय कदम है।

डाक्टर्ज के बारे कहा जा रहा है कि डाक्टर्ज हडताल पर है। उनके बारे मे मेरे साथी ने कोई जिकर नही किया। मै बताना चाहता हू कि इनको आज तक जो एन0पी0ए0 दिया गया था वह बहुत नौमिसन दिया गया था। आज इस अभिभाशण के अन्दर स्पश्ट द ार्या गया है कि उनका एन0पी0 ए0 600 रूपए से 900 रूपए कर दिया गया है और सभी डाक्टर्ज को क्लास बन का स्टेटस दिया गया है। औल्ड एज पैन ान का भी जिकर किया गया है। बीमैन प्रोग्राम के तहत निराक्षित तथा विधवाओ की पैन ान 75 रूपए से 100 रूपये की गई है। इस स्कीम के तहत 20 करोड 4 लाख रूपए 139350 व्यक्तियो पर खर्च किए जाने की सभावना है। इसमे सैनेटरी लैट्रोनिज की भी जिकर किया गया है। ऐग्रीकल्चर के अन्दर एक स्कीम का जिकर करना मेरे भाई भूल गए। सन

फलावर की एक नई खेती का प्रावधान किया गया हैं इसके लिए एक साल पहले इसका बीज अवेलेबल नही हुआ था। अगर थोडा बहुत अवेलेबल हुआ भी तो उसकी जर्मोने ान नही हुई हुआ था। इस बार सरकार ने इस बीज के लिए पूरा प्रबध किया है। जितने जितना बीज महगा उसको उतना बीज दिया गया है। यक एक ऐसी खेती है जो दो तीन महीने मे पक जाती है। इसकी किसानो को एक ऐडी ानल फसल मिल जाती है। और उसका आर्थिक सुधार हो जाता है। भूगर केन के बारे मे मेरे भाई ने जिकर किया कि इसकी प्राइस हरियाणा मे सब से ज्यादा 49 रूपए के हिसाब से दी जा रही है। उन्होने इस का भाव दो रूपए और बढाने के लिये मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना की है। मै अपने आप को इसमे भाामिल करते हुए मुख्यमं?ी जी से प्रार्थना करूगा कि भूगर केन का मूल्य अव य ही 51 रूपये क्विटल कर दिया जाए। इसके साथ साथ इसी सिलसिले मे मै एक बात यह भी कहूगा कि इस साल हमारी सरकार ने हरियाणा के अन्दर तीन भूगर मिल चालू किए है लेकिन इस साल किसानो के सामने एक ऐसी स्थिति आई हुई है जिसके कारण किसान परे ाान है। कैथल भूगर मिल से बहुत लम्बा चौडा एरिया घेर लिया और किसानो से यह कहा कि आपको तीन किलोमीटर के एरिया मे काटां देगे आप गन्ना बीजे लेकिन कैथल भूगर मिल के एरिया मे किसानो मे जो गन्ना बीजा था उनको इस बात के लिए मजबूर किया जा रहा है आप अपना गन्ना 20 किलोमीटर दूरी पर जा करके खाबडी और जलमाना मे डाल कर आए। किसान झोटा बुग्गी मे गन्ना डाल कर 20

किलोमीटर दूर नही ले जा सकता । मै मुख्यमंत्री जी के नोटिस मे यह बात लाना चाहूगा कि मेरे अपने गाव मे काटे की बडी भारी मांग थी और मुख्यमंत्री जी ने यह बात मान भी ली थी कि वहा पर कांटा लगवाया जाएग। लेकिन जब मै अपने गांव मे कांटा लगावाने के लिए एम0डी0 के पास गया तो उन्होने कहा कि उनके पास काटा अवेलेबल नही है। मेरी जानकारी के मुताबिक पेहवा और असंध के एरिया मे 10 काटे उखडवा करके मेरे इलाके के उन एरियाज को दिए जाए जाह पर अभी गन्ना खडा है और किसानो को उनका गन्ना 20 किलोमीटर दूर ले जाने के लिये मजबूर न किया जाए। इसी सिलसिंले मे मै एक बात और नोटिस मे लाना चाहता हू कि इस दफा गन्नें की जो बाउडिग हुई है उस पर 60 परसैन्ट कट लगाई है। अगर किसी किसान के पास एक हजार क्विटल गन्ना अवेलेबल है तो उस किसान का केवल 300 किव्टल गन्ना मिल वालो ने बुक किया है। बाउडिग के हिसाब से मिल वाले किसान का पूरा गन्ना नही उठा रहे है। यही करनाल भूगर मिल की हालत है और यही पानीपत भूगर मिल की हातल है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से पुरजोर लफजो मे प्रार्थना करूगा कि कही वह स्थिति न आजाए जो चौधरी चरण सिंह के जमाने मे किसानो ने अपने खेत मे खडे गन्ने को आग लगा कर जला दिया था और उस सरकार को उसका खामयाजा भुगतान पडा था। मै मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करूगा कि आप भूगर मिलो को यह आर्डर दे कि जिन किसानो

का गन्ना खडा है वह सारा गन्ना हर किमत पर मिलो मे लिया जाए और किसानो को नुकसान होने से बचाए जाए।

इसके अलावा एक बात मे बिजली के सिलसिले मे अव य कहना चाहूगा इरीगे ान ऐग्रीकल्चर के साथ जुडी हुई है। खास तौर से हमे इस बात की दिक्कत तब आती है। जब हम इजीनियर से पूछते है कि पीछे से बिजली क्यो बन्द हो गई तो वह एक ही बात कहते है कि बी0बी0एम0बी0 पर हमारा कट्रौल नही है। इसलिए हमे पता है मै यह बात पहले भी कह चुका हू और आज फिर मुख्यमंत्री जी से और इरीगे ान एड पावर मिनिस्टर से प्रार्थना करूगा कि आपको सैन्टर को इस बात के लिए मजबूर करना चाहिए कि बी0बी0एम0बी0 कन्ट्रौल बोर्ड मे हमारा भी एक नुमायदा होना चाहिए ताकि हमारे इजीनियर को यह पता लग सके कि बी0बी0एम0बी0 वाले कब स्विच औफ करेगे और कब बिजली आएगी। बिजली का स्विच औफ और औन होने का पता न लगने के कारण कई बार ऐसा होता है कि हमारे ट्रासफर जल जाते है और किसानो की मोटरे भी जल जाती है। तो इन दोनो के नुकसान से बचने के लिए बहुत जरूरी बात है कि बी0एम0बी0 मे हमारा नुमायदा अव य ही होना चाहिए।

Mr. Deputy SpeakeR: Kanwar Ram Pal Ji, the time alloctted to you is virtually over. You please conclde now.

श्री राम पालसिंह कवंरः ठीक है जी। इस अभिभाशण मे जिकर किया गया है कि कुछ 132 के0वी0 सब स्टे ान, कुछ 66

के0वी0 स्टे ान और कुछ 220 के0वी0 सब स्टे ान चालू हो गए है। चौधरी देवी लाल और औमप्रका ा चौटाला के टाईम मे बडी डीगें मारी जाती थी कि किसानो को 25 घटे बिजली दी जा रही है। मै असंध इलाके का रहने वाला हू उनके समय मे मेरे इलाके के किसानो को 6 या 8 घटे से ज्यादा बिजली कभी भी नही मिली थी। वह पैडी का एरिया है और पैडी सीजन मे कभी कोई ऐसा साल नही गया जिसमे उस इलाके के किसानो को बिजली बोर्ड के एस0डी0ओ0 के दफतर के सामने धरने पर न बैठना पडा हो। हर पैडी सीजन मे उस इलाके के किसानो को एस0डी0ओ0 के दफतर के सामने धरने से उठा देती थी कि अगले पैडी सीजन तक हम आपको पूरी बिजली देने का प्रबध कर देगे। लेकिन आज तक असंध एरिया मे बिजली का पूरा प्रबध नही हो सका है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से इरीगे ान तथा पावर मिनिस्टर से प्रार्थना करूगा कि असध मे जो 132 के0वी0 सब स्टे ान बनाना है उसको इस आने वाले पैडी सीजन से पहले पहले अव य चालू करवा दे ताकि असध एरिया के किसानो को कुछ राहत मिल सके। इसके अलावा मैने अपनी कास्टीच्यूएंसी के उपलाना गांव मे 133 के0वी0 सब स्टे ान लगाने के लिये मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना की थी और आई0पी0एम0 साहब से प्रार्थना की थी। उस समय आई0पी0एम0 साहब ने कहा था कि हमारी यह मांग अव य ही मान ली जायेगी लेकिन मै इनकी इत्तलाह के लिए बताना चाहता हू कि वहा पर जो ऐक्सीयन महोदय बैठे हुए है वे वहा पर एक जे0ई0 को भेज दैते है। कि

साईट देख कर आओ। वह जे0ई0 न तो गांव वालो से कोई बात पुछता है और न गाव के सरपच या दूसरे पचो से कोई बात पूछता हैै। मेर कहने का मतलब यह है कि किस किस की साईट चाहिए वह इस बारे मे वहा पर किसी से कुछ नही पूछ कर आता। मै चाहूगा कि सरकार वहा के ऐक्सीयन को हिदायत दे कि वह जाकर साईट देख ले। गांव वालो को कोई एतराज नही है। जैसी साईट बिजली बोर्ड को चाहिए वैसी साईट गाव वाले देने के लिए तैयार है। मेरी इनसे पुन प्रार्थना है कि इस प्रपोजल को जल्दी से जल्दी सिरे चढाने की कोि ा ा करे।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै प ाु पालन विभाग से सबधित कुछ बाते कहना चाहता हू। इस बारे मे मेरी प ाुपालना मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि गाय और भैसो की नस्ल सुधारनते के लिये तो यह विभाग काम कर रहा है। किसानो के उत्थान के लिये मेरी इनको एक प्रपोजल है कि जिला स्तर पर खच्चर पैदा करने के लिये कम से कम एक अच्छी नस्ल का गधा रखे जाने का प्रोविजन करे ताकि किसान अच्छे खच्चर पैदा कर सके ओर किसानो का ज्यादा से ज्यादा पैसे मिल कसे। जब पीछे मै हिसार गया था तो वहा पर लाईव स्टाफ फार्म मे एक गधा बतौर नुमाइ ा के तौर पर ही रखा हुआ था। उससे किसी को कोई लाभ होता हो वह मुझे तो नहर आता नही । इसलिये मेरी पु ा पालना मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि हर जिले मे एक अच्छी नस्ल

का गधा रखा जाये ताकि किसान अच्छी किस्म के खच्चर पैदा कर सके। घटी।

उपाध्यक्ष अब मै री आर्गेनाईजे ान औफ डिस्ट्रिक्स के बारे मे एक बात कहना चाहता हू यहा पर एक बात कही गई पानीपत डिस्ट्रिक्ट को पहले तोड दिया गया और बाद मे लोगो की मांग पर उसे पुन जिला बना दिया गया। मै कई बार यह बात कह चुका हू कि जो गांव जिस जिले मे रहना चाहते है उनको उसी जिले मे रहने दिया जाये। मैने अपने जिले के कुछ गावो के बारे मे एक रैज्जोल्यू ान दिया था। मेरे कुछ गांव जो जंहा जाना चाहते है इन 8 गावो मे से 2–3 गावं जो पानीपत मे ही रहना चाहते है वे वहा पर रह जाए मुझे कोई एतराज नही। लेकिन जो 5–6 गांव बचते है उनको अव य ही करनाल जिले मे भाामिल किया जाये। मै आ ाा करता हू कि मुख्यमंत्री महोदय इस अभिभाशण का उततर देते समय इन 6 गावो को करनाल जिले मे भाामिल करने के आदे ा दे देगे ताकि मुझे भी लोगो को कुझ कहने का मौका मिल सके। घटी।

उपाध्यक्ष महोदय अब मै इण्डस्ट्रीलाईजे ान के बारे मे कुछ बाते कहना चाहतें हू। यहा पर कहा गया है कि कुछ और ब्लौक्स को इडस्ट्रियली बैकवर्ड करार दिया गया है। इस बारे मे मेरी सरकार से प्रार्थना है कि घरौडा ब्लाक को भी इडस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया घोशित किया जाये क्योकि वहा पर एक भी इण्डस्ट्री नही है। मुझे उम्मीद है कि सरकार मेरी इस बात को

मानेगी और घरौडा ब्लौक को इडस्ट्रियली बैकवर्ड एरिया डिकलेयर करेगी। घटी।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै स्पोर्टस के बारे मे कुछ कहना चाहता हू मैने घरौडा मे एक स्टेडियम बनाने के लिए पहले भी प्रार्थना की थी कि वहा पर एक स्टेडियम बनाया जाये। यह कस्बा जी0टी0रोड पर पडता है। हमे भी वहा पर सुविधा रहेगी और बच्चो और देखने वालो को भी सुविधा रहेगी। अत मेरी सरकार से पुन मांग है कि वहा पर एक स्टेडियम बनाये जाने का अव य ही प्रावधान किया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी और से बार बार आदे ा आ रहे है। कि मै अपनी स्पीच बन्द कर दू। मै बाते तो कुछ और भी कहना चाहता था लेकिन फिलहाल इतना ही कहूगा कि जो धन्यवाद प्रस्ताव यहा पर रखा गया है मै उसका स्वागत करता हूं साथ ही उसा अनूमोदन भी करता हू। इसके साथ ही मै हाउस को भी प्रार्थना करता हूं कि धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनि मत से पास कर दिया जाएं। इन भाब्दो के साथ आपका धन्यवाद कहुए मै अपना स्थान ग्रहण करता हू।

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

"That an Address be presentd to the Governor in the Following terms:-

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in the Session are deply grateful to the Government for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 9th March, 1992"

प्रो0 छत्तर सिंह चौहान (मुण्डाल खुर्द): उपाध्यक्ष महोदय, मुझे आपने बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हू। महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के बारे मे मै तो इतना ही कहूगा कि बडी चतुराई से भाब्दो के जाल मे बाध कर हरियाणा की जनता को चकाचौध करने के लिये एक प्रयास किया गया है जिसके लिए मै हरियाणा सरकार को बधाई देता हू। (विघ्न) इस अभिभाशण मे सबसे प्रमुख बात जो कही गई है वह यह है कि सरकार हरियाणा मे भाान्ति और विकास की प्रयास करेगी लेकिन गत 8 महीनो मे सारे हरियाणा प्रदे ा की जनता इस बात की साक्षी है कि जब से यह सरकार सत्ता मे आई है एक के बाद अनेको भीशण कांड हुए है। यह सरकार पिछली सरकार के लोगो के 4 सालो का जिकर करती है जिनके नाम पर ये लोग सत्ता मे आए है। और इनकी कागरगुजारियो ने पिछले सभी काडो को भुला दिया है। इस सरकार मे पिछले 8 महीनो मे इनते कुकर्म किए इतने काड किए कि हरियाणा की जनता ने भूला दिया है कि पिछले 4 सालो मे क्या हुए था (विघ्न) हरियाणा की इस सरकार ने कितने काड किए और उन काडो को क्या जांच हुई, बडी चतुराई से उसको बताया गया है। चाहे वह पृथला काड हो, चाह बराही काड हो, चाहे मीताथल काड हो, और चाहे बाढडा काड हो बडी चतुराई इन काडो मे बरती गई है। ऐसे ही कुछ दिन पहले पलवल मे एक कांड हुआ है। इस हाउस के एक सदस्य ने अपने हाथो से उस

महान विभूति की मूर्ति को उखाड कर फैंक दिया जिस विभूति ने हिन्दुस्तान का सविधान बनाया था। (विघ्न)

श्री राम रत्नः उपाध्यक्ष महोदय, अभी हमारे साथी ने मुर्ति के बारे मे कहा है। इस बारे मे मै बडे विस्तार से बता सकता हू। वहा पर स्कूल का खेल का मैदान है। वह हरिजनो का स्कूल है और वहा पर बैकवर्ड लोग रहते है। हरियाण विकास पार्टी के एक साथी ने यह काम किया। (विघ्न एवम भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, मै कहना यह चाहता हू कि उस मुर्ति के उठाने मे हमारी हरियाणा विकास पार्टी के एक विधायक का हाथ है और मुझे बदनाम करने के लिए ऐलिगे ान मुझ पर लगाया गया है। मेरे पास पूरे सबूत है। यह पोस्टर है। यह एक एफ0आई0आर0 है और यह सारा रिकार्ड है। डिप्टी स्पीकर साहब अगर मुझे एक घंटे का समय दे दिया जाए तो मै इनके सारे कारनामो हाउस मे बता दूगा। मुर्ति का जो ऐलिगे ान मुझ पर लगाया गया है वह मुर्ति वास्तव मे हमारे साथी विधायक कर्ण सिंह दलाल ने उठाई और उठा उसको नाले मे फैक दिया। जो ऐलिगे ान मुझ पर लगाया गया है यह सरकार गलत है। (विघ्न एवम भाोर)

14.00 बजे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः सर, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। हमे यह पता लगा कि राम रत्न जी प्वायट आफ आर्डर पर थे या पर्सनल ऐक्सप्लेने ान पर बोल रहे थे।

श्री राम रत्नः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे हरेक घर मे बाबा अम्बेदकर की मूर्ति मिलगी । लेकिन अगर कर्ण सिंह दलाल के घर मे एक भी मूर्ति हो तो मै इस्तीफा दे दूगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान है।

श्री उपाध्यक्षः आप बैठिए।

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मैम्बर साहब से कहना चाहता हू कि जब उनकी बोलने की बारी आए तक ये इस बात का जवाब दे और अभी छत्तर सिंह चौहान की बारी है।

श्री उपाध्यक्षः ठीक है। छत्तर सिंह चौहान जी आप बोलिए।

श्री छत्तर सिह चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, हरियाण मे जब से यह सरकार आई है एक ही नही अनेको ऐसे काम हुए है और आज भी महसूस होता है कि हरियाणा मे किसी मां बहिन और किसी साधारण आदमी का जीवन सुरक्षित नही है क्योकि जितने भी काड हुए है उन काडो की वजह से हरियाण की जनता का आज की सरकार से वि वास गिर चुका है। मुझे कहने कोई सकोच नही है। कि reliability of the present Government in the eyes of the people of Haryana is the lowest ebb. हरियाण की जनता को कोई भरोसा नही कि यह सरकार किसी भी गतिविधी

को रोक सकती है। मै आपके माध्यम से सदन के नता का ध्यान आकृश्ट करना चाहता हू। कि 12 जुलाई को जब सै ान हुआ था तो उन्होने बडे नाटकीय ढग से कहा था कि हरियाणा मे इस प्रकार का प्र ाासन स्थापित कर दिया जायेगा कि यहा कि बहिन और बेटिया आधी रात गहने पहनकर चल सकेगी लेकिन बहिन और बेटिया की बात तो दूर यहा से साधारण नागरिक का जीवन भी सुरक्षित नही है। इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए। अभी पिछले दिनो मुख्यमंत्री के निजी सविच श्री एम0एल0 वर्मा तथा उनके परिवार की भी यह सरकार सुरक्षा नही कर सकी तब फिर आम आदमी के जीवन की कैसे सुरक्षा, कर पायेगी यह इस सरकार के लिये बहुत बडा प्र ान चिन्ह है। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह दस्तावेज प्रस्तुत किया हे कि यह पर तो ला एंड आर्डर, विकास और भाान्ति है मै समझता हू कि जिस प्रदे ा मे भाान्ति नी वहा कभी विकास नही हो सकता। (घंटी) भाान्ति पहली व्यवस्था है। इसी प्रकार 9 नवम्बर, 1991 के सिरसा काड मे 16 व्यक्ति मारे गऐ तथा 27 व्यक्ति 5 नवम्बर, 1991 को टोहाना मे मारे गए और नरवाना रेल कान्ड मे न जाने कितने व्यक्ति मारे गए? तो यह इस सरकार की कानून व्यव्स्था है। इस रूल तक आफ जगल कहिये क्योकि रूल आफ ला तो कहा नही जा सकता। स्पीकर साहब, एक बात की तरफ मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू कि एम0एल0 वर्मा के लिए सभी हरियणाणावासियो को दुख है। लेकिन अखबारो मे पढने को मिला कि मुख्यमंत्री जी ने घोशण की कि उनके भाई को उनके स्थान पर एच0सी0एस0 के

पद पर नियुक्त कर दिया जायेगा। मै जानना चाहूगा कि क्या यह परम्परा पहले कभी रही है और क्या आगे भी इस परम्परा को जारी रखा जायेगा? परम्परा तो यह रही है कि उसके निजी परिवार के किसी सदस्य को नौकरी दी जाये और निजी परिवार का मतलब उसकी अपनी पत्नी, उसके अपने बच्चे होते है।(घंटी)

अध्यक्ष महादेय, जहां हरियाणा मे सिचाई का संबध है हरियाणा के लिए एम0वाई0एल0 कैनाल एक जीवन रेखा है। हम यह कह सकते है कि पिछले चार साल मे कुछ नही हुआ लेकिन आठ महिनो मे क्या हुआ? पिछले सत्र के दौरान मे माननीय मुख्यमंत्री ने सदन को आ वासन दिलाया था कि एक साल के भीतर यह नहर बनकर तैयार हो जायेगी। लेकिन पिछले दिनो अखबारो मे पढने को मिला कि यह कार्य अभी तक भाुरू नही हुआ। आज तो वाईचांस हरियाणा मे भी काग्रेस की सरकार है पजाब मे भी काग्रेसर की सरकार है और केन्द्र मे भी काग्रेस सरकार है। फिर कौन सी अडचन है जिसके कारण एस0वाई0एल0 कैनाल को बनाने का कार्य अभी तक भाुरू नही किया गया है। यहा तक एम0वाई कैनाल को सबंध है तो मै आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहता हू कि हरियाणा मे एक ही बात को लेकर लोगो मे रोश है और यदि एम0वाई0 कैनाल के पानी पर चंडीगढ पर या दूसरे हिन्दी भाशा क्षेत्रो पर हरियाणा के हितो की बलि अपनी गद्दी बचाने के लिए इस सरकार ने दी तो हरियाणा की जनता इस बात को कभी सहन नही करेगी। जहां तक और नहरो

का सबंध है अभिभशाण मे बताया गया है कि नहरो मे पानी की कोई कमी नही है।

श्री अध्यक्षः चौहान साहब, अब आप वाइन्डअप करे। आपका टाईम हो गया है क्योकि आपको बोलते हुए 20 मिनट हो गय है।

प्रो0 छत्तर सिंहः अध्यक्ष महोदय, अभी तो मैने भाुरू ही किया है मै आपके माध्यम से हरियाणा सरकार का ध्यान आकृश्ट करना चाहता है कि भिवानी मे दो नहर सिस्टम है। एक को अन्टाग्रुप और दूसरे को सुन्दर ग्रुप कहते है। आज तक सुन्दर ग्रुप मे, जिसकी क्षमता 1700 क्यूसिक के करीब है, और अन्टा ग्रुप मे जिसकी क्षमता 640 क्यूसिक की है, पिछले आठ महीनो मे आधा पानी भी नही गया। मै इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय, सिचाई एवम बिजली मंत्री और हर सबधित कर्मचारी से मिला लेकिन आज तक भिवानी को पानी नही मिला। भिवानी की जनता के साथ यह जो सौतेला व्यवाहार किया जा रहा है। मै समझता हू कि यह राजनैतिक प्रतिरोध की भावना से किया जा रहा है।

जहा तक एस0आई0टी0सी0 का सम्बन्ध है पिछले सत्र मे यह कहा गया था कि 31 मार्च, 1992 तक हर खाल को मुरम्मत कर दी जायेगी। माननीय स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से यह बताना चाहता हू कि भिवानी जिले मे कई माईनर्ज और सब माईनर्ज ऐसी है जिन पर कतई कोई काम भाुंरू नही हुआ है।

जहां तक डिस्लिटिंग का सम्बन्ध है, भिवानी जिले मे दादरी फीडर, दादरी डिस्ट्रिब्यूटरी बौन्द डिस्ट्रिब्यूटरी, भिवानी डिस्ट्रिब्यूटरी मे आज तक सफाई का या डिस्लिटिग का काम टच भी नही किया गया है। पूरा करना तो दूर की बात है इस तरह से भिवानी जिले के बारे मे एक आ वासन दिया गया था कि पिछले साल से जो तालाब सूखे पडे है, उनको पानी भर दिया जायेगा। तालाब कहा से भरेगे जब टेल तक भी पानी नही पहुचता। इरीगे ान एंड पावर मिनिस्टर से हम मिले थे। इन्होने यह कहा था यमुना नहर मे पानी बहुत कम है। एक तरफ तो यह मानते है कि पानी की कमी है लेकिन दूसरी तरफ यह कहते है कि हम तलाब पानी से भरा देगे। जब पानी टेल तक नही पहुचता तो पानी से तालाब कहा से भरायेगे।

मै आपके माध्यम से एक बात बिजली के बारे मे कहना चाहता हू मेरे काबिल दोस्त राम पाल सिंह जी ने कम से कम एक बात तो मानी है कि बिजली काम नही करते। जहा तक टयूबवैल्ज कुनैक ान्ज का ताल्लुक है भिवानी जिले मे 4000 से ज्यादा ऐप्लीके ान्ज कुनैक ान के लिए पडिग पडी है। और सरकार कहती है कि प्रति वर्श लगभग 400 टयूबवैल्ज को कुनैक ान दिया जायेगा। अगर इसी रफतार से कुनैक ान दिये गये ता कम से कम 10–11 साल तक यह ऐप्लीके ान्ज पैडिग पडी रहेगी। एक बात टयूबवैल्ज कुनैक ान के बारे मे मै और कहना चाहूगा कि टयूबवैल्ज कुनैक ान के लिए सीनियोरिटी लिस्ट बनाई जाती जो

बनानी चाहिये। फर्स्ट कम फर्स्ट सब्ड की नीति नही अपनाई जाती। यहा पर बहिन करताद देवी बैठी हुई है यह हमारे जिला की कश्ट निवारण समिति की अध्यक्षा भी है। उनके सामने समिति की बैठक मे जिकर आया था कि लोहारू के अन्दर तीन कुनैक ान्ज इस तरह से दिये गये जिनकी वरीयता नही बनती थी। एस0ई0 साहब ने बताया कि हम कन्सर्न्ड आदमी के खिलाफ ऐक ान नही ले सकते। उन्होने यह कहा कि हमाारे पास इसके अलावा दूसरा जे0ई0 नही है। इसलिये इसी से काम चलाना पडेगा। अगर इसी तरह से चलेगा तो आप किसी के खिलाफ भी ऐक ान नही ले सकेगे। भिवानी के अन्दर मिल्क प्लाट है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने पिछली बार इस सदन मे यह कहा था कि हम भिवानी का मिल्क प्लाट बन्द नही करेगे। मै आपके माध्यम से सदन के नेता का याद दिलाना चाहता हू कि वह अब बन्द हो चुका है।। वहा के किसानो का 6 लाख रूपया आज तक उसके अगेन्स्ट बकाया पडा है। उसकी पेमैट आज तक नही हुई है। इसके अलावा 2 लाख रूपया ट्रासपोर्टे ान का भी इस मिल्क प्लाट से नही दिया है। फिर अकेले भिवानी का मिल्क प्लाअ बन्दर करना, क्या राजनीतिक प्रति ाोध का कारण नही है ? मेरा कहना यह है कि भिवानी का मिल्ट प्लाट राजनीतिक प्रति ाोध से प्रेरित होकर बन्द किया गया है, वरना तो कितने ही ऐसे मिल्ट प्लाट होगे जो वायेबल नही है लेकिन चल रहे है केवल इसी को क्यो बन्द किया गया है।

मै एक बात और कहना चाहता हू । डिस्ट्रिक्ट री आर्गेनाईजे ान के बारे से निवेदन मै अव य करना चाहूगा। 24. 7.1991 को तो पानीपत जिला तोड दिया गया और 1.1.1992 से फिर इसे जिला बना दिया गय। वही एम0एल0ए0 वही मिनिस्टर और वही चीफ मिनिस्टर है। 24.7.1991 को क्या कारण थे जिनकी वजह से इसे तोड दिया गया और पहली जनवरी को क्या कारण थे जिनकी वहज से इसकी फिर दोबारा से जिला बनाना पडा। ऐसा लगता है कि वहा के एम0एल0ए0 ने अपने राजनीतिक प्रतिद्धद्धियो से बदला लेने के लिये ऐसा किया होगा। कितने लोगो को लाठिया का प्रहार सहन करना पडा। यह हरियाणा के हितो के साथ बगावत है। अगर इसी रह से चलता रहा तो किस प्रकार से काम चल सकता है ? सरकार किस तरह से ठीक ढग से काम कर सकती है ? मै अन्त मे एक बात और कहना चाहता हू कि सरकार की और से चाहे, पीने का पानी की बात हो, नहर के पानी की बात हो या हैल्थ की बात हो, सब की हालत खराब है। हैल्थ मिनिस्टर या यहा बैठी है। ये जब भिवानी गई थी तो इनके नोटिस मे लाया गया कि कुछ समय पहले एक केस हुआ जिसमे भिवानी की एक नारी को इसलिए जीवन से हाथ धोना पडा कि प्रसूति काल मे उसको खून नही मिल पाया जबकि वहा खून था। इन्होने कहा कि इस बारे मे कद उठाउगी लेकिन अभी तक कुछ नही किया गया। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से कहना चाहता हू कि बोंद कला मे 1954 मे पी0एच0सी0 बनाई गई थी। 1989 मे उस समय के मुख्यमंत्री उसको वहा से उठराकर मानहेडू ले गए।

स्पीकर साहब, बोंदकला दादरी तहसील मे है। और मनहेडू भिवानी तहसील मे है और बनारसी दास गुप्ता का गांव है। स्पीकर साहब, 1954 मे जो पी0एच0सी0 थी उसको उठाकर दूसरी तहसील और दूसरे ब्लौक मे ले गए यह कितनी अजीब बात है। स्पीकर साहब, पन्द्रह दिन पहले हैल्थ मिनिस्टर से कहा था कि बोंद कला मे चालीस बैड का अस्पताल बना रहे है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इसको जल्दी से जल्दी बनाया जाए। अन्त मे मै इस अभिभाशण का विरोध करता हू ओर कहना चाहता हू कि इसमे जो कुछ कहा गया है वह हरियणा के लोगो को गुमराह करने का कुप्रयास है।

श्री राम भजन अग्रवाल (भिवानी): आदरीणय अध्यक्ष महादेय, गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण दिया उसके बारने मे मै दो भाब्द कहना चाहता हू। स्पीकर साहब, इसमे कानून और व्यवस्था की बात कही गई है। इस बारे मे कहना चाहता हू कि हरियाण मे बहुत अधिक काण्ड हो रहे है और इन काण्डो के अलावा इस भाासन मे जमीनो के ऊपर इनते कब्जे हो रहे है कि जिसकें बारे मे कुछ नही कहा जा सकता है। इस बारे मे हमारा प्र ाासन कुछ भी नही कर रहा है। क्या भिवानी, क्या रोहतक और क्या हिसार सब जगह नायायज कब्जे भाामलात देह की जमीनो पर किये जा रहे हे। जोहडे मे मिटटी डालकर कब्जा किया जा रहा है। स्पीकर साहब, मै भिवानी भाहर की और आपका ध्यान दिलाना चाहता हू। भिवानी के अन्दर सिवरेज सिस्टम बिल्कुल

बिगड हुआ है और हालत यह है कि सिवरेज का पानी सडको पर आ जाता है और सिवर का पानी पीने के पानी मे जा रहा है। वहा पर लोगो का जीना भारी हो रहा है। मुख्यमंत्री महोदय जी आ वासन दिया कि कुछ दिनो मे सब कुछ ठीक हो जाएगा। लेकिन उस बात को कहे हुए महीनो गुजर गए है और वह व्यवस्था कुछ महीनो के गुजर जाने के बाद भी ठीक नही हुई है। सिवरेज का जो इन्तजाम है वह भी ठीक नही है। वहां की म्यूनिसिपल कमेटी कुछ काम नही कर रही है। सफाई का कार्ई इन्तजात नही है। गन्दगी के ढेर लगे हुए है। नालियो के अन्दर कचरा भरा दिया जाता है। स्पीकर साहब, जंहा तक पीने के पानी का सवाल है, गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण मे बताया है कि 31 जनवरी 1992 तक 6677 गावो मे पीने के पानी का इन्तजाम ठीक हो गया है। उन्होने यह भ बताया है कि 68 गावो यह सुविधा देने के लिए रहते है। स्पीकर साहब, मै कहना चाहता हू कि 68 गाव की तो बात ही क्या है, हमारे भिवानी जिले मे पीने के पानी के नलो के अन्दर एक बूंद पानी नही है और भाहर के अन्दर भी पीने के पानी के नलो के अन्दर एक बूद पानी नही है। और भाहर के अन्दर भी पीने के पानी की व्यवस्था ठीक नही है। अभी हैल्थ मिनिस्टर ने ऐडमिट किया है कि 75 परसैन्ट सैम्पल पानी के भिवानी के अन्दर खराब पाए गए है। मै पूछना चाहता हू कि भिवानी जिले के अन्दर और भिवानी भाहर के अन्दर पानी की व्यवस्था ठीक न हो तो लोगो की हालत क्या होगी? अध्यक्ष महोदय, गावो के अन्दर जो टेक है उनमे सिल्ट जमा हो रही है

और सिल्ट की वजह से उनमे पानी नही जा रहा है। स्पीकर साहब, जब टैको के अन्दर पानी हजी नही जा रहा है तो लोगो को कैसे पानी मिलेगा।

स्पीकर साहब, जंहा तक बिजली का ताल्लुक है भाहरो के अन्दर बिजली की काफी कमी है बिजली आने का न तो कोई टाईम है और न ही कोई ब्रेकडाउन का टाईम है, जंहा तक गावो के अन्दर टयबवैल्ज के कनैक ान देने का सवाल है उनको तो वहा डौमेस्टिक कनेक ाजन नही दिए जा रहे है। गाव के बीच खम्भे गढे हुए है और उनकी वायरिग खुली पडी है। जब बिजली वालो से कहा जाता है कि आप नए खम्भे लगाओ और वायरिग नई करिए और लोगो को नए कनैक ाज दीजिए तो जवाब मिलता है कि कनैक ान कहा से दे हमारे पास न तो पोल है और न ही वायर है। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू कि गाव के अन्दर बिजली के मसले को लेकर के बडी ही परे ाानी है। जब कही कोई बिजली के खम्भे ि ाफ्ट करवाने हो तो वह काम नही होता हांलाकि इस पर कोई खास खर्चा नही होता। अगर नये कनैक ान लगावाने हो तो यह सरकार कब देगी। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस और ध्यान द।

इसी तरह से भिवानी म्यूनिसिपल कमेटी के अन्दर जो घपलाबाजी हो रही है। उस बारे मे भी मै बताना चाहता हू कि तहबाजरी की दर 15 गुना बढा दी जाएगी यह सरकार ने निर्णय लिया है। अध्यक्ष महोदय, दुगनी या तिगुनी भी कर कर देते तो

भी मान ली जाती लोग फिर भी सब का लेते लेकिन एक दम 15 गुना दर बढाया जाना यह तो लोगो के साथ सरासर अन्याया है।

इससे आगे मै भिवानी हस्पताल की बाबत बताना चाहता हू कि भिवानी हस्पताल के अन्दर कुछ एम0एल0एज और एम0पीज0 विजिट करने गये और वहां के सी0एम0ओ0 भी हमारे साथ थे। उस हस्पताल को देखने से पता चला कि उस हस्पताल की बिल्डिग का बुरा हाल है। बरामदो मे बडे घने जाले लगे हुए है बडी बदबू आ रही है। अगर उस हस्पताल के बाथरूम मे कोई आदमी चला जाए तो यह सचमूच बीमार हो जाएगा। इतनी बुरी हालत आज उस हस्पताल की है। सरकार इस और ध्यान दे। इसके साथ साथ मै यह भी बताना चाहता हू कि वहा पर मै कोई अच्छा डाक्टर है न कोई दवाईया का ही प्रबन्ध है किसी गरीब आम आदमी को कोई दवाई बगैरहा नही मिल पाती है। इसलिये सरकार का यह फर्ज बनता है कि लेागो की सुविधाए के लिए वहा की बुरी हालत को सुधार जाए ताकि लोगो को सही इलाज की सुविधाए उपलब्ध करवाई जा सके।

अभी मिल्क प्लाट की बारे भाई चौहान साहब ने बताया कि वहा पर कन्फैड स्टोर के इम्पलाईज को पिछले 8–9 महीनो से वेतन नही मिला है। जो सरकार अपने इम्पलाईज को 8–9 महीनो की तनख्वाह न दे सके, वह सरकार क्या चल पाएगी और वह मुलाजिम कसे अपने बाल बच्चो का पेट पाल सकेगा और अपनी डयूटी बगैर तनख्वाह के कैसे निभा सकेगा? इसी तरह से सफाई

कर्मचारियो को भी तीन महीनो से जब वेतन नही मिल रहा है तो वे अपने काम के प्रति कैसे जागरूक रहेगे ? कैसे वे कर्मचारी अपनी तनख्वाह के बिना सफाई का काम कर पाएगे ? (**इस समय सभा पतियो की सूची के एक सदस्य, चौधरी फूल चन्द मुलाना, पदासीन हुए)**

सभापति महोदय, मै एक बात और आपके नोटिस मे लाना चाहता हू कि सिचाई का भी इस प्रदे ा मे बुंरा हाल है। जब पीछे से पानी ही नही आएगा तो किसानो के खेतो तक कैसे पहुचेगा क्योकि नहर का लैवल पीछे से ठीक नही है और नह ही सरकार पीछे से पानी देने की कोि ा ा करती है। यह सरासर किसानो के साथ अन्याय हैं गन्दा पानी घरो का व गन्दे नालो का पानी तालाबो मे पहुच रहा है और इसमे ही आप अन्दाजा लगा सकते है कि वहा पर पीने के पानी की क्या हालत होगी। पीने के पानी के बिना प ाुधन का क्या होगा क्याकि तालाबो मे पानी नही है। सी0एस0 साहब ने कहा था कि तालाबो की हालत बेहतर बनाई जाएगी लेकिन अभी तक सरकार ने कुछ नही किया है। न ही नाले पक्के किये गये और न ही खाले की पक्की की गई है जिस से काफी परे ाानी हो रही है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि नालो को व खालो को जल्द से जल्द पक्का किया जाए। भिवानी भाहर की हालत इस कदर बहुत खराब है उस इलाके को सरकार द्वारा इग्नोर किया जा रहा है। वहा के लेागो को तब से लीफ की और कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

सभापति महोदय, रोडज के मुताबिक भी यहा पर जिरक करना चाहता हू इस सम्बन्ध मे हम से मार्किटग बोर्ड से भी बातचीत की है। उनसे पता चला है कि हमारे भिवानी जिले के लिये केवल 9 लाख रूपया ही रखा गया है जबकि दूसरे जिलो के लिए 60–70 लाख वा एक करोड रूपया निर्धारति किया गया है। भिवानी जिले के अन्दर एक एक दो दो किलोमीटर्ज की लिंक रोडज है जिनका काम अभी तक अधूरा पडा हुआ है। अगर सरकार की और से वे छोटे छोटे टुकडे सडको के बना दिये जाए जो इससे लोगो को आने जाने मे काफी सुविधा होगी। इस लिक रोडज को बनाने से बडी सडको से मिला देने से आवजावी मे काफी मदद मिलेगीं मुख्यमंत्री महोदय ने कहा भी था कि छोटी छोटी सडको की मुरम्मत को पहल दी जाएगी। इसलिये मेरी मुख्यमंत्री महोदय से प्रार्थना है कि भिवानी जिले की और वि ोश ध्यान दिया जाए। जो छोटे छोटे सडको के टुकेडे बने पडे है। और अधूरे है उनका कोई यूज नही हो रहा है। न ही बच्चो की सहूलियतो को ध्यान मे रखा जा रहा है क्योकि स्कूलो मे रोडज को मिलाने का काम भी अभी वहा पर अधूरा ही है। गांव की जो लिक रोडज है वे केवल आधे आधे मील के टुकडे है उनके न बनने से काफी पर ाानी हो रही है। अत सरकार इस और ध्यान दे। आदरणीय मुख्यमंत्री जी इस तरफ ध्यान दे क्योकि वहा न रोडज है न बिजली है न पानी है सीवरेज जो ठीक नही है। और हस्पतालो मे दवाइया भी नही है। इन हालात मै सरकार केसे चलेगी और लोगो को कैसे सतोश होगा। मै सरकार का ध्यान

खास तौर से भिवानी की म्यूनिसिपैलिटी व भिवानी भाहर की तरफ दिलाना चाहता हू कुछ महीनो से उस भाहर का ऐसा दुर्भाग्य हो रहा है कि वहा कोई जाना हो नही रहा है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वही पडी गन्दगी को दूर करवाया जाए। धन्यवाद।

श्री धर्मपाल सिंह दादरीः आदरीणीय सभापति महोदय, मै इस अभिभाशण के अवसर पर महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा दिए गए अभिभाशण पर अपने विचार रखना चाहते है। अभिभाशण के अन्दर जो बाते कही गई है मै उनमे से कुंछ बातो के साथ सहमत नही हू जैसे प्रदे ा मे कानून व्यवस्था और भाान्ति का जिकर किया गया है इसी सरकार के 7–8 महीने के भाासन काल मे 50 से अधिक हत्याए हुई है। उनमे मुख्यमंत्री जी के एक उच्च अधिकारी तथा उसके परिवार की हत्या भी भाामिल है। जहा सरकार अपने अधिकारियो को सुरक्षा न दे सकी हो और वह सरकार यह दावा करे कि कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत बढिया है तो यह बात जंचती नही है। इसके अन्दर दिया गया है कि इस सरकार के समय मे कोई ऐजीटे ान कोई हडताल या किसी तरह का विधार्थी आन्दोलन नही हुआ। मै कहना चाहता हू कि इस सरकार के समय मे सब से पहले पुलिस आन्दोलन हुआ। यह ठीक है कि सरकार ने अपनी चतुराई से या किसी दबाव से उस आन्दोलन को दबा दिया लेंकिन आज भी उस आन्दोलन का असर पुलिस वालो मे ठनक रहा है। मै सोचता हू कि यह उसी का परिणाम है कि पुलिस पूरे तरीके से काम नही कर रही है। इससे

आगे कमाडोज की भरती और 1600 सिपाहियो की भरती का जिकर आया है। इस सरकार ने ऐसा करके पुराने रिवाज को तोडा है क्योकि जो भरती एस0पी0 लैब्ल पर होती थी यह अब डी0आई0जी0 लैबल पर हुई है। जिनको भरती किया जाना चाहिए था जो योग्य थे, उनको इससे वचित कर दिया गया है जो लोग भरती किए गए है या तो वे सिफारि ा पर रखे गए है या फिर इसमे धन रा ि ा का प्रयोग हुआ है ऐसा लोग कहते हैं। कानून व्यवस्था के तहत ही कई जगह ऐसे वाकया हुए है कि लोगो की मोटर साईकिल और गाडियो छीन ली गई लेकिन आज तक उनका पता पुलिस या सरकार नही लगा सकी है। ऐसी एक घटना पिछले महीने छूछक बास के पास कर्ण सिंह नाम के आदमी के साथ हुई। उसकी गाडी के ड्राइवर ने बदमा ाो को हुलिया पुलिस को बताया लेकिन पुलिस ने किसी को गिरफतार करके गाडी के मालिक और ड्राइवर से यह नही पूछा कि यह वह आदमी तो नही है जिसने आपकी गाडी छीनी थी। आज तक कोई गिरफतारी नही हुई है। इसी तरह से मेहराना गाव के एक आदमी की हत्या की गई और उससे गाडी छीन ली गई। यह कांड भी इस सरकार के भाासन काल मे हुआ।

बैठक का समय बढाना

Mr. Chairman: If it, is the sense of the Hose, the time of the sitting be extended by 5 minutes.

Voices: Yes.

Mr. Chairman: The time of the sitting is exteneded by 5 minutes.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री धर्म पाल सिंहः सभापति जी, जंहा तक डाक्टर्ज की सेवा का सवाल है, मै कहना चाहूगा कि अगर होस्पीटल है तो डाक्टर्ज नही है, अगर डाक्टर और होस्पीटल दोनो है तो उनके अन्दर दवाईया नही है और दवाईया है तो बीमारो को दी नही जाती है। और तो और मै यह कहूगा कि खुद एम0एल0एज0 होस्टल को डिस्पैसरी मे कोई योग्य डाक्टर नही लगा रखा है। इसके अलावा मे कृशि के बारे मे एक बात कहना चाहूगा। जहां तक नहरो पानी का सवाल है इस का बदोबस्त ठीक नही है। मै अपने जिले के बारे मे खास तौर से कह सकता हू कि वहा पर नाम मात्र का ही नहरी पानी अवेलेबल है। बौद डिस्ट्रीव्यूटरी और दादरी डिस्ट्रीव्यूटरी की टेलो पर पिछले एक साल से कभी भी पानी नही पहुचा है। वहा पर किसानो को बिजली के कनैन् ांज भी पर्याप्त मांत्रा मे हनी मिल रहे है। जहां तक वाटर वर्कस का सवाल है एक भागेपुरी वाटर वर्कस मेरे हल्के मे पडता है और उससे मेरे हलके के 13–14 गावो को पानी की सप्लाई होती है। उस वाटर वर्कस के लिए दो पानी के टेंक बनाए हुए है लेकिन दो टैको मे से एक टैक मे भी पूरा पानी नही भरता है। चार पांच पम्मप हाउसिज मे से मु कल मे एक या दो ही चलते है। एक पम्प हाउस की तो पिछले 6 महीने से मोटर वर्क ाप मे रिपेयर

होने के लिए पडी है। मेरे हल्के कें उन 13–14 गावो को कभी कभी तो 5–5 और 6–6 तक पीने का पानी नही मिलता है। आप अदाजा लगाए कि जिन गावो के लोगो को 5–5 और 6–6 रोज तक पीने का पानी नही मिलता हो, उन लोगो की क्या हालत होगी। सभापति जी, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना करता हू कि आप अपने लैवल पर उन गावो वालो से पुछवा कर देख ले कि उन गावो को भागेपूरी वाटर वर्कस से पीने का पानी मिल रहा है या नही। दो पम्प चालू है और उन दो पम्पो का 13 गावों मे आधा आधा घटा भी पीने का पानी नही जाता है क्योकि बीच मे पाइप लाईन टूटी हुई रहती है यदि लोगो को पीने का पानी ही पर्याप्त मात्रा मे नही मिलेगा तो नहरी पानी खेतो के लिए कहा से जाएगा? नहरो की टेलो पर पानी नही जाता है तो वाटर वर्कस के पानी के टैक कैसे भरे सकते है ? आप अदाज लगाए कि लोग सरकार से कैसे सन्तुश्ट हो सकते है। लोग इस सरकार की कार्य प्रणाली से सन्तुश्ट नही है।

जहा तक जमीदारो की फसलो का ताल्लुक है किसानो को उनके अनाज के अच्छे भाव न मिलने कारण पूरा पैसा नही मिलता है जिसके कारण किसान मजबूर हो कर अपनी फसल को दिल्ली की मडियो मे या पडोसी राज्य की मडियो मे बेचने के लिए ले जाते है। सभाभति जी, आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से मेरी गुजारि ा है कि पिछली सरकार की बुराईयो को न देखते हुए आप अच्छी परिपाटी डाले। आप किसानो को उनकी फसल के भाव

अच्छे दिलाए ताकि किसानो को दिल्ली या पडौसी राज्यो की मडियो से अपना अनाज ले कर न जाना पडे। इसके अलावा जो लोहारू फीडर है उसके आधे से ज्यादा पम्प हाउसिज की मोटरे खराब पडी है। यदि मोटर खराब नही है तो महकमे वाले उनको लोगो की फसले तबाह होती है। रावलधी बिरही और महना गाव के किसान इसकी चपेट मे है। उन गावो के किसानो को हुए फसलो के नुकसान का आज तक कोई मुआवजा नही मिला है। सभापति जी, मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से गुजारि ा करूगा कि जिन जिन किसानो की वाटर सीपेज के कारण फसले तबाह हो गई है उनको उचित मुआवजा दिलाया जाए। इसके अलावा जो माइनर्ज है, उनकी पूरी तरह से डीसिल्टिग नही हो रही है। माइनर्ज की डीसलिटग कराई जाए। इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूगा कि जलो वाटर सप्लाई स्कीमे अधूरी पडी है, जिन पर काम बहुत धीमी गति से किया जा रहा है उनका काम बडी मुस्तैदी के साथ करवाए जाए ताकि लोगो को पीने का पानी पूरा मिल सके। दादरी के अन्दर पिछली सरकार ने दो बूस्टिग स्टे ाज मजूर किए थे लेकिन उन पर काम भाुरू नही हुआ है मुख्यमंत्री जी से मेरी गुजारि ा है कि उन बूस्टिग स्टे ाज को बनाने का काम भाुरू करवाए जाए ताकि दादरी भाहर के लोगो को पीने का पानी मिल सके और लोगो को पीने के पानी की असुविधा न हो। जहा तक रोडवेज का सवाल है दादरी मे पिछली सरकार ने एक बस डिपो बनाया थ। उस बस डिपो मे बहुत थोडी तादाद मे है और वहा पर जो बसे है वे सारी पुरानी बसे है इस

सरकार ने चार या पांच बसे नई भेजी है लेकिन वे बसे पर्याप्त मांत्रा मे नही है और वे बसे लोग रूटस पर चलती है। सभापति जी आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से मेरी हाथ जोड कर प्रार्थना है कि दादरी बस डिपो के लिए नई बसे दे।

बैठक का समय बढाना।

श्री सभापतिः धर्मपाल सिंह जी, आप बोलने के लिए कितना समय और लेगे।

श्री धर्मपालः मै पांच मिनट और लूगा।

श्री सभापतिः अगर हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय पाच मिनट और बढा दिया जाए।

आवाजेः ठीक है जो।

श्री सभापतिः हाउस का समय पांच मिनट और बढावा जाता है।

राज्य के अभिभाशण पर चर्चा (पुररारम्भ)

श्री धर्मपालः सभापति महोदय, यदि वहां पर नई व न दी जाये तो जो बसे दादरी और भिवानी से चतली है। उनको वाया दादरी झज्जर कर दिया जाये ताकि लोगो को अधिक दिक्कत न आये। सरकार 500 नई बसे खरीदने जा रही है। दादरी एक नया डिपू बना है। वहा पर बसो की अधिक जरूरत है। यदि

सरकार पर ज्यादा नई बसे नही दे सकती तो कम से कम इन 500 नई बसो मे से 50 नई बसे अव य दे क्योकि वह एक नया डिपू है। वहा पर जो रोडवेज की वर्क ाप है वह अधूरी पडी है। अगर किसी बस का ईजन खराब होता है तो उसकी रिपेयर के लिए उसे रोहतक या भिवानी भेजा जाता है। इस बारे मे भी मेरा मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध है कि वहा पर जो वर्क ाप अधूरी पडी है, उसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाये ताकि बसो की रिपेयर मे असुविधा न ही और लोगो को भी आने जाने मे कोई दिक्कत न आये।

चैयरमैन साहब, अब मै सडको के बारे मे कुछ जिकर करना चहूगां मेरे हल्के से सडको की बहुत खस्ता हालत है। वहा पर रिपेयर का काम भी ठीक नही चल रहा। कुछ सडको पर रिपेयर का सामान तो पडा हुआ है मेरा सरकार से अनुरोध है कि सडको की रिपेयर के काम को भी जल्दी से जल्दीर पूरा करवाया जाये।

चेयरमैन साहब, अब मै ि ाक्षा से सबधित कुछ बातो का जिकर करना चाहता हू। मेरे इलाके मे स्कूलो मे अध्यापको की अति कमी है। सरकार हर साल स्कूल अपग्रेड करती है। मेरे हल्के मे कई सकूल अपग्रेड होने की है। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि अगर वहा पर ज्यादा स्कूल अपग्रेड नही कर सकती तो कम से कम तीन स्कूल मानकवास, नीमली और मिसरी गावो के स्कूलो की अपगेड कर दे। चेयरमैन साहब, जो जो कमियो मुझे इस

अभिभाशण मे नजर आई है उनके बारे मै मैने प्रका ा डालने की कोि ा ा की है। अन्त मै इतनी बात कहते हुए मै आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हू। जय हिन्द।

श्री सभापतिः अब हाउस कल प्रातः **9.30** बजे तक ऐडजर्न किया जाता है।

14.37 बजे।

(तत्प चात सदन बुधवार, दिनांक 11.3.1992 प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)